Samyak

An Institute For Civil Services

# करेंट अफेयर्स

## मासिक समसामयिकी

दिसम्बर - 2023




### विशेष आकर्षण

- अंतर्राष्ट्रीय घटनाचक्र
- राष्ट्रीय घटनाचक्र
- राजस्थान घटनाचक्र
- योजना / कुरुक्षेत्र सार
- रक्षा/विज्ञान प्रौद्योगिकी
- आर्थिक घटनाचक्र
- खेल जगत

सभी प्रतियोगी परीक्षाओ के लिए उपयोगी

# INDEX


| | | पेज नं. |
|---|---|---|
| 1 | अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य | 1 – 8 |
| 2 | राष्ट्रीय परिदृश्य | 9 – 19 |
| 3 | आर्थिक परिदृश्य | 20 – 22 |
| 4 | राजस्थान परिदृश्य | 23 – 25 |
| 5 | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | 26 – 33 |
| 6 | इंडेक्स एवं रिपोर्ट | 34 – 39 |
| 7 | चर्चित स्थल | 40 – 43 |
| 8 | चर्चित व्यक्तित्व | 44 – 46 |
| 9 | खेल | 47 – 50 |
| 10 | पुरस्कार, पुस्तकें एवं नियुक्तियाँ | 51 – 55 |
| 11 | प्रमुख दिवस एवं सप्ताह | 56 – 58 |
| 12 | जिस्ट : कुरूक्षेत्र - योजना | 59 – 77 |
| 13 | आलेख | 78 – 82 |
| 14 | टर्म इन न्यूज | 83 – 85 |
| 15 | मॉडल प्रश्न पत्र | 86 – 89 |


# मासिक करेंट अफेयर्स

## दिसंबर : 2023

# 1 अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

## मिचौंग तूफान:-

- **स्थिति** - दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी।
- **नामकरण** - म्यांमार द्वारा।
- **अर्थ**- ताकत और लचीलापन।
- यह चक्रवात बंगाल की खाड़ी का चौथा और हिंद महासागर का वर्ष 2023 का छठा चक्रवात है।
- प्रभावित क्षेत्र- तमिलनाडु व आंध्रप्रदेश, ओडिशा एवं पुदुचेरी आदि तटीय क्षेत्र।

## जापान: सबसे बड़ा परमाणु रिएक्टर:-

- हाल ही में नाका नार्थ (जापान) में दुनिया के सबसे बड़े परमाणु फ्यूजन रिएक्टर की तस्वीरें सामने आई।
- यह 6 मंजिल ऊँचाई वाला तथा 2 करोड़ डिग्री सेल्सियस ऊर्जा पैदा कर सकता है।
- यह रिएक्टर JT – 60 SA यूरोपियन यूनियन और जापान द्वारा मिलकर बनाया गया है।

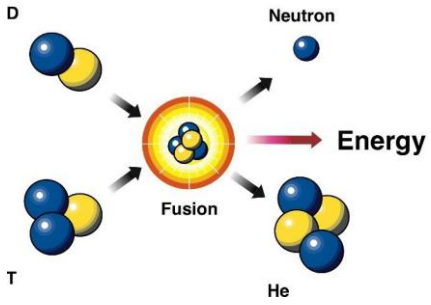


## संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद-99 लागू:-

- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के महासचिव एंटानियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद-99 को लागू किया।
- **उद्देश्य**- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् को गाजा में इजरायल द्वारा की जा रही सैन्य कार्यवाहियों के आगामी दुष्प्रभावों और खतरों के विषय में सचेत करना।

### अनुच्छेद-99 क्या है?

- यह अनुच्छेद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए संभावित खतरों के संदर्भ में सुरक्षा परिषद् का ध्यानाकर्षण का अधिकार प्रदान करता ह।
- यह यूएन महासचिव की विवेकाधीन शक्ति हैं।
- **इसका पूर्व में उपयोग:-**
  - 1960 - कांगो गणराज्य क्रांति
  - 1961 - फ्रांस-ट्यूनीशिया सैन्य कार्यवाही
  - 1971 - बांग्लादेश निर्माण

## 91वीं इंटरपोल महासभा:-

- **आयोजन**-वियना (ऑस्ट्रिया)
- भारत की ओर से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने भाग लिया।

### प्रमुख प्रस्ताव-

- वित्तीय अपराध, भ्रष्टाचार रोकथाम और ऑनलाईन बाल यौन शोषण से निपटने तथा आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु प्रस्ताव पारित किये गये।
- संगठित अपराध, आतंकवाद, मादक पदार्थ तस्करी, मनी लॉड्रिंग, कट्टरपंथी विचारधारा के प्रसार एवं सायबर अपराधों से निपटने हेतु एकीकृत रणनीति पर चर्चा की गई।
- इंटरपोल विजन-2030 को अपनाने तथा इंटरपोल फ्यूचर काउंसिलकी स्थापना का समर्थन किया गया।

### इंटरपोल:-

- स्थापना - 1923
- पूरा नाम- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन
- सदस्य देश- 195
- मुख्यालय - लियान (फ्रांस)
- यह एक अंतर सरकारी संगठन है।
- भारत 1956 में इसका सदस्य देश है।
- **उद्देश्य**- देशभर की पुलिस व्यवस्थाओं के आपसी समन्वय से वैश्विक स्तर पर आपराधिक सूचनाओं का आदान-प्रदान करना।

## ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन

- यह ऑपरेशन संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में एक बहुराष्ट्रीय गठबंधन है जिसका गठन लाल सागर में नौवहन पर हूथी/हूती, समूह द्वारा किए गए हमलों का जवाब देने के लिए दिसंबर 2023 में किया गया था।

- गठबंधन का लक्ष्य लाल सागर, बाब अल-मंदेब और अदन की खाड़ी में नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- इस गठबंधन में वर्तमान में 20 से अधिक सदस्य हैं, जिनमें यूनाईटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया बहरीन, कनाड़ा, डेनमार्क, ग्रीस, नीदरलैंड, नार्वे, सिंगापुर और श्रीलंका शामिल है।
- यह ऑपरेशन वर्तमान में जारी है।

## लाल सागर महत्त्वपूर्ण क्यो है?

- यह दुनिया में सबसे अधिक यात्रा वाले जलमार्गों में से एक है, जो यूरोप और एशिया के मध्य स्वेज नहर के द्वारा समुद्री यातायात प्रदान करता है।
- यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और इसके द्वारा समर्थित, समृद्ध और विविध समुद्री जीवन के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण जल निकाय है।
- यह हिंद महासागर का प्रवेश द्वार है और दक्षिण से बाब-अल-मंदेब जलडमरुमध्य और अदन की खाड़ी के माध्यम से इससे जुड़ा हुआ है।
- यह विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वूपर्ण धमनी है। हर साल 10% से अधिक समुद्री माल इससे होकर गुजरता है, जिससे यूरोप के साथ अधिकांश एशियाई व्यापार भी शामिल है।

## हूती कौन है?

- हूती, जिन्हें अधिकारिक तौर पर अंसार अल्लाह (अल्लाह के समर्थक) के नाम से जाना जाता है, यमन में स्थित एक सशस्त्र राजनीतिक और धार्मिक समूह है।

### उत्पत्ति और विश्वास/आस्था:

- 1990 के दशक में जैदी शिया परंपरा के पुनरुद्धार के रूप में उभरी शिया इस्लाम की एक शाखा है जो बहुसंख्यक द्वादशी शिया से अलग विश्वास रखती हैं।
- हूती परिवार का नेतृत्व विशेष रूप से अब्दुल-मलिक अल-हूती करते हैं, जो कि इसके संस्थापक है और हुसैन-अल-हूती के पुत्र है।
- सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता की वकालत करते है, अक्सर खुद को यमनी अभिजात वर्ग और विदेशी शक्तियों के खिलाफ हाशिए पर पड़े लोगों के रक्षक के रूप में चित्रित करते है।

### सत्ता में वृद्धि और संघर्ष:

- 2000 के दशक में यमनी सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से प्रमुखता प्राप्त की, उस पर भष्टाचार और सऊदी अरब और अमेरिका के साथ संरेखण का आरोप लगाया।
- 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को निर्वासन में मजबूर कर दिया।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और सऊदी के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के साथ गृहयुद्ध छेड़ दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक विनाशकारी मानवीय संकट आया।

### वर्तमान स्थिति:

- यमन के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों, जिसमें सना भी शामिल है, को नियंत्रित कर रहे हैं।
- अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मानवाधिकारों के हनन और नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमलों का आरोप लगाया गया।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के साथ चल रही शांति वार्ता में लगे हुए हैं।

## तूफान गेरिट

- तूफान गेरिट एक शक्तिशाली अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात था जिसने नए साल की छुट्टियों से ठीक पहले 28-29 दिसंबर, 2023 को यूनाइटेड किंगडम को तबाह कर दिया था।
- यह भारी हिमपात, तेज हवाएँ और यहाँ तक कि एक दुर्लभ बवंडर भी लेकर आया, जिससे व्यापक व्यवधान और क्षति हुई।

## 3 साल बाद वेनेज़ुएला से तेल खरीदने की तैयारी में भारत

- अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर प्रतिबंधों में ढील के साथ, कराकस से भारत का कच्चे तेल का आयात तीन साल बाद फिर से शुरू होने वाला है, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने दिसंबर और जनवरी 2024 में लैटिन अमेरिकी देश से तीन टैंकरों की बुकिंग की है।
- 2019 में कराकस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने से पहले निजी क्षेत्र की रिफाइनर आरआईएल और नायरा एनर्जी वेनेजुएला के कच्चे तेल के नियमित खरीदार थे। प्रतिबंधों के बाद, वेनेजुएला से तेल आयात बंद हो गया।

### वेनेजुएला में संकट के कारण

**आर्थिक कारण**

- **वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था** मुख्य रूप से तेल आधारित है।
- **2000 के दशक की शुरुआत में:** तेल की कीमतें अधिक थीं और वेनेजुएला सरकार ने असमानता और गरीबी को कम करने, खाद्य सब्सिडी प्रदान करने के लिए तेल मुनाफे का उपयोग किया है।
- **2014:** तेल की कीमतें गिरीं और सरकार को अचानक कई क्षेत्रों में कटौती करनी पड़ी। इसके कारण बहुत से लोगों ने काले बाज़ार से सामान खरीदना शुरू कर दिया, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ गई।
- **2023:** वेनेजुएला में वार्षिक मुद्रास्फीति दर 1.3 मिलियन% तक पहुंच गई जिसके कारण भोजन और दवाओं जैसी बुनियादी वस्तुओं की कमी हो गई और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए।

**राजनीतिक कारण**

- 2013 में पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ की मृत्यु के बाद वेनेज़ुएला के वर्तमान राष्ट्रपति ने पदभार संभाला।
- इस सरकार पर भ्रष्टाचार और अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के आरोप लगे ।
- उन्हें दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ दिलाई गई लेकिन उनके मुख्य विरोधियों को या तो बहिष्कार कर दिया गया या उन्हें चुनाव में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया।
- चुनाव परिणाम के बाद वेनेज़ुएला में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

## भारत-चीन कार्य समूह जल्द ही कमांडरों की बैठक आयोजित करने पर सहमत

- भारत और चीन ने हाल ही में शेष मुद्दों को हल करने और पूर्वी लद्दाख में गतिरोध खत्म करने के प्रस्तावों पर "रचनात्मक" राजनयिक वार्ता की, लेकिन किसी सफलता के कोई संकेत नहीं मिले।
- दोनों पक्षों ने "उद्देश्य" हासिल करने के लिए वरिष्ठ कमांडरों की अगले दौर की बैठक जल्द से जल्द आयोजित करने का फैसला किया और स्थिर स्थिति सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।
- दोनों पक्षों ने स्थिति की समीक्षा की और शेष मुद्दों को हल करने और पूर्वी लद्दाख में पूर्ण विघटन हासिल करने के प्रस्तावों पर "खुली, रचनात्मक और गहन" चर्चा की।
- यह आभासी वार्ता भारत-चीन सीमा मामलों (डब्ल्यूएमसीसी) पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र के ढांचे के तहत हुई।

**नवीनतम मुलाकात के बारे में**

- **भारतीय प्रतिनिधिमंडल:** इसका नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) गौरांगलाल दास ने किया।
- **चीनी प्रतिनिधिमंडल:** इसका नेतृत्व चीनी विदेश मंत्रालय में सीमा और समुद्री मामलों के महानिदेशक ने किया।

**समझौते:**

- दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर स्थिति की समीक्षा की, और शेष मुद्दों को हल करने और पूर्वी लद्दाख में गतिरोध दूर करने के प्रस्तावों पर खुली, रचनात्मक और गहन चर्चा की।
- वे सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने, जमीन पर स्थिर स्थिति सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने की आवश्यकता पर सहमत हुए।

- वे सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत जारी रखने और वरिष्ठ कमांडरों की अगले दौर की बैठक जल्द से जल्द आयोजित करने पर भी सहमत हुए।

**भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (WMCC)**

- **गठन:** जनवरी 2012 में तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) शिवशंकर मेनन और उनके चीनी समकक्ष दाई बिंगगुओ के बीच सीमा वार्ता के बाद स्थापित किया गया।
- **नेतृत्व:** दोनों पक्षों के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी।
- **कार्य:** सीमा वार्ता हेतु विशेष प्रतिनिधि की मदद करना।

**इटली चीन के BRI प्रोजेक्ट से हुआ अलग**

- इटली चीन की बेल्ट और रोड अवसंरचना पहल से हट गया है।

**भारत-इटली संबंध का इतिहास**

- **राजनीतिक संबंध:** 1947 में स्थापित।
- **2020:** ऊर्जा, मीडिया, वित्त, जहाज निर्माण से संबंधित 15 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- **आर्थिक संबंध:** इटली यूरोपीय संघ में भारत के शीर्ष 5 व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

- **सैन्य अभ्यास:**
  - मिलान भारत और इटली के बीच एक द्विवार्षिक नौसैनिक अभ्यास है।
  - आईएनएस तबर ने इससे पहले टायरानियन सागर में इतालवी नौसेना के साथ दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास भी संपन्न किया था।
  - **भारत-इटली सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी):** भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक मंच।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** सांस्कृतिक सहयोग हेतु समझौता, 1976.
- **विज्ञान और प्रौद्योगिकी:** 1978 से एक समझौता मौजूद है और उन्नत अनुसंधान के लिए भारत-ट्रेंटो कार्यक्रम (आईटीपीएआर), 2003
- **भारतीय प्रवासी:** भारतीय समुदाय इटली में 5वां सबसे बड़ा विदेशी समुदाय है।

**बेल्ट एंड रोड पहल**

- **लॉन्चिंग:** 2013
- **उद्देश्य:** दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को भूमि और समुद्री मार्गों के नेटवर्क से जोड़ना।
- **पहले का नाम:** 'वन बेल्ट, वन रोड' लेकिन चीनी-प्रभुत्व वाली पहल के विपरीत अधिक खुली और समावेशी पहल को व्यक्त करने के लिए इसका नाम बदलकर BRI कर दिया गया।
- **2 घटक:**
  - **सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट:** भूमि परिवहन मार्गों के नेटवर्क के माध्यम से पूरे यूरेशिया में कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे और व्यापार संबंधों में सुधार करना।
  - **समुद्री रेशम मार्ग:** बंदरगाहों, शिपिंग मार्गों और समुद्री बुनियादी ढांचे परियोजनाओं के रूप में समुद्री कनेक्शन और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

  **मार्ग:** यह दक्षिण चीन सागर से शुरू होकर भारत-चीन, दक्षिण-पूर्व एशिया और फिर हिंद महासागर के आसपास से होते हुए अफ्रीका और यूरोप तक जाता है।

  **6 भौगोलिक गलियारे:**
  - ✓ चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी)
  - ✓ न्यू यूरेशियन लैंड ब्रिज आर्थिक गलियारा।
  - ✓ चीन-इंडोचाइना प्रायद्वीप आर्थिक गलियारा।
  - ✓ चीन-मंगोलिया-रूस आर्थिक गलियारा।
  - ✓ चीन-मध्य एशिया-पश्चिम एशिया आर्थिक गलियारा।
  - ✓ चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा।

**चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC)**

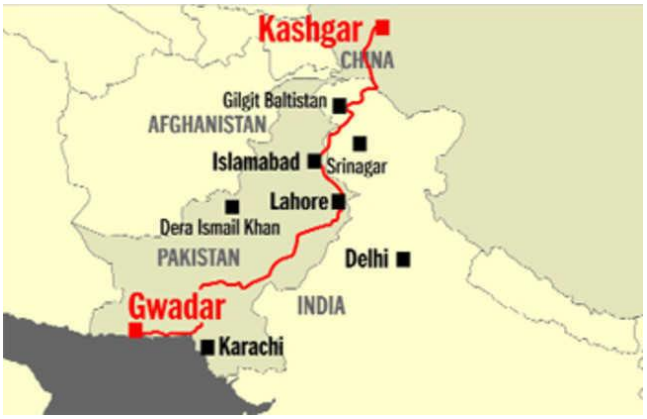


- **विवरण:** अवसंरचना परियोजनाओं का 3,000 किलोमीटर लंबा मार्ग

- **जोड़ता है:** चीन के उत्तर-पश्चिम झिंजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र और पाकिस्तान के पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह।
- **पाकिस्तान और चीन के बीच एक द्विपक्षीय परियोजना:** इसका उद्देश्य ऊर्जा, औद्योगिक और अन्य बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के साथ राजमार्गों, रेलवे और पाइपलाइनों के नेटवर्क के साथ पूरे पाकिस्तान में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना है।
- **महत्व:** यह चीन के लिए ग्वादर बंदरगाह से मध्य पूर्व और अफ्रीका तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे चीन हिंद महासागर तक पहुंच सकेगा और बदले में चीन पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं का समर्थन करेगा।
- **बेल्ट एंड रोड पहल** का हिस्सा.

## भारत ने रुख बदला "तत्काल युद्धविराम" पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का समर्थन किया

- इज़राइल-हमास युद्ध छिड़ने के दो महीने से अधिक समय बाद, भारत ने पहली बार, संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है, जिसमें "तत्काल मानवीय युद्धविराम" और सभी की बिना शर्त बंधक रिहाई की मांग की गई है।
- संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 99 को लागू करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से गाजा में युद्ध पर कार्रवाई करने का आग्रह किया।

### संयुक्त राष्ट्र संकल्प के बारे में

- **प्रारूप प्रस्ताव:** 'नागरिकों की सुरक्षा और कानूनी एवं मानवीय दायित्वों का पालन'.**प्रस्ताव लाने वाली पार्टी:** इसकी शुरुआत मिस्र ने UNGA के आपातकालीन विशेष सत्र में की थी, जिसमें 153 देशों ने पक्ष में मतदान किया, 10 ने विपक्ष में और 23 देशों ने मतदान नहीं किया। .
- **जिन देशों ने विरोध में मतदान किया:** ऑस्ट्रिया, इज़राइल और अमेरिका
- **वे देश जिन्होंने मतदान ही नही दिया:** जर्मनी, हंगरी, इटली, यूक्रेन और यूके
- **संकल्प के तहत मांगें:**
  - ✓ गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम
  - ✓ अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन
  - ✓ मानवीय सहायता सुनिश्चित करके सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई

### भारत का रुख

- **सैद्धांतिक रूप से समझाया गया:** यह आतंकवाद के प्रति भारत के "शून्य-सहिष्णुता" दृष्टिकोण का एक हिस्सा है, क्योंकि पहले के प्रस्ताव में 7 अक्टूबर के हमलों की "स्पष्ट निंदा" शामिल नहीं थी।
- **भारत के पक्ष में मतदान करने के संभावित कारण:**
  - भारी क्षति: 18,000 से अधिक लोग मारे गये।
  - बंधक: 100 से अधिक इज़रायली बंधक हमास की हिरासत में हैं।
  - लाखों बेघर: पूरी आबादी का 80% से अधिक हिस्सा बेघर है।
  - मिसाइलों का अंधाधुंध उपयोग: इज़राइल के सबसे बड़े सहयोगी अमेरिका का अनुमान है कि इज़राइल द्वारा अब तक तैनात किए गए 29,000 हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों में से लगभग आधे "अनिर्देशित" मिसाइलें हैं।
  - अंतर्राष्ट्रीय राय: अंतर्राष्ट्रीय राय इजराइल के प्रति सहानुभूति से आगे बढ़ कर इसके बाद सामने आने वाले परिणामों से भयभीत हो गई है।

## COP28: बहुत कुछ किया गया, लेकिन अभी भी पर्याप्त नहीं है

- COP28 जलवायु बैठक ने कुछ महत्वपूर्ण परिणाम दिये - जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की आवश्यकता की पहली बार स्वीकृति, मीथेन उत्सर्जन को कम करने का पहला वादा, हानि और क्षति निधि का संचालन और पूंजीकरण, और अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य के लिए एक रूपरेखा पर एक समझौता।
- हालाँकि, पिछले सभी COP की तरह, इसने अभी भी पूर्ण उपलब्धि नहीं पाई है, यह उम्मीदों पर खरा उतरने में असमर्थ है, विशेष रूप से तत्काल अवधि में अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई को प्रेरित करने में।

**महत्वपूर्ण परिणाम**

| | |
|---|---|
| **जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना** | • यह COP28 में सबसे विवादित मुद्दा था, और लंबे समय तक गतिरोध का कारण था।<br>• अंतिम समझौते में देशों से जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का आह्वान किया गया, ताकि 2050 तक शुद्ध शून्य हासिल किया जा सके।<br>• न तो कोई समय-सारणी थी और न ही कोई लक्ष्य।<br>• देश इस बात से बेहद निराश थे कि "जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने" शब्द का उपयोग नहीं किया गया था। लेकिन अगर ऐसा था भी, तो किसी समयरेखा के अभाव में इसका समान प्रभाव होगा।<br>• जीवाश्म ईंधन के उत्पादन और खपत पर उल्लेखनीय रूप से अंकुश लगने की संभावना नहीं है, लेकिन 2050 की समय सीमा में यह एक महत्वपूर्ण, बल्कि अपरिहार्य उपाय है। |
| **नवीकरणीय ऊर्जा के प्रयोग को तीन गुना करना** | • COP28 समझौता देशों से नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक स्थापित क्षमता को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता में वार्षिक सुधार को दोगुना करने में योगदान देने का आह्वान करता है।<br>• साथ में, इन दोनों उपायों में अब और 2030 के बीच लगभग 7 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को रोकने की क्षमता है, जो वर्तमान में किए जा रहे अन्य सभी जलवायु कार्यों के शुद्ध परिणाम से अधिक है।<br>• तीन गुना वृद्धि एक वैश्विक लक्ष्य है, और प्रत्येक देश के लिए अपनी मौजूदा स्थापित क्षमता को व्यक्तिगत रूप से तीन गुना करना अनिवार्य नहीं है। |
| **कोयले को चरणबद्ध तरीके से ख़त्म करना** | • समझौते में कोयले का अलग से उल्लेख किया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 2021 में ग्लासगो सम्मेलन में कोयले के प्रयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के लिए पहले ही निर्णय लिया जा चुका था।<br>• यह निर्धारित करने के लिए एक कदम उठाया गया था कि अंतर्निहित कार्बन कैप्चर और भंडारण सुविधा के बिना कोई भी नया कोयला आधारित बिजली संयंत्र नहीं खोला जा सकता है, लेकिन भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका और अन्य देशों ने इसका कड़ा विरोध किया।<br>• इस बारे में कुछ भी नहीं उल्लिखित है कि इस समाप्ति को कैसे मापा जाए, या किस आधार रेखा से। |
| **मीथेन उत्सर्जन में कटौती** | • समझौता "2030 तक विशेष रूप से मीथेन उत्सर्जन सहित वैश्विक स्तर पर गैर-कैबोन-डाइऑक्साइड उत्सर्जन में तेजी लाने और काफी हद तक कम करने" की बात करता है।<br>• CO2 के अलावा मीथेन सबसे व्यापक ग्रीनहाउस गैस है, जो सभी उत्सर्जन का लगभग 25 प्रतिशत है। यह ग्लोबल वार्मिंग पैदा करने में CO2 से लगभग 80 गुना अधिक शक्तिशाली है।<br>• इसलिए मीथेन उत्सर्जन में कटौती से पर्याप्त लाभ मिल सकता है।<br>• लेकिन भारत सहित कई देश मीथेन उत्सर्जन में कटौती का कड़ा विरोध कर रहे हैं, मुख्यत: क्योंकि इसका एक प्रमुख स्रोत कृषि और पशुधन है।<br>• मीथेन उत्सर्जन में कटौती में कृषि पैटर्न में बदलाव शामिल हो सकता है जो भारत जैसे देश में बेहद संवेदनशील हो सकता है। |
| **हानि एवं क्षति निधि** | • हानि और क्षति कोष स्थापित करने का निर्णय पिछले साल शर्म अल-शेख में लिया गया था लेकिन इसे बनाया नहीं गया था, और कोई धन देने का वादा नहीं किया गया था।<br>• COP28 ने सम्मेलन के शुरुआती दिन इस फंड का संचालन किया और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों ने फंडिंग प्रतिबद्धताएं जताईं। |

| | |
|---|---|
| | • सम्मेलन के अंत तक, लगभग 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर की प्रतिबद्धताएँ की जा चुकी थीं।<br>• यह धनराशि जलवायु-प्रेरित आपदाओं से उबरने की कोशिश कर रहे देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए है। |
| **अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य** | • ऐतिहासिक रूप से, शमन गतिविधियों की तुलना में अनुकूलन पर पर्याप्त ध्यान या संसाधन नहीं दिए गए हैं, इसका मुख्य कारण यह है कि अनुकूलन काफी हद तक एक स्थानीय प्रयास है। इसके लाभ भी अधिकतर स्थानीय ही हैं। |

**ऑस्ट्रेलिया ने छात्र वीज़ा नियमों को कड़ा किया, प्रवासी प्रवेश को आधा करने की योजना बनाई**

- ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय छात्रों और कम-कुशल श्रमिकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा कर देगा, जिससे अगले दो वर्षों में प्रवासियों की संख्या आधी हो जाएगी, क्योंकि सरकार "विघटित " प्रवासन प्रणाली को दुरुस्त करने पर विचार कर रही है।
- नई नीतियों के तहत, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अंग्रेजी परीक्षाओं में उच्च रेटिंग प्राप्त करने की आवश्यकता होगी और एक छात्र के दूसरे वीज़ा आवेदन पर अधिक जांच होगी जो उनके प्रवास को बढ़ा देगा।

## भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध

| | |
|---|---|
| **ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य** | • राजनयिक जुड़ाव: ऑस्ट्रेलिया और भारत ने पहली बार राजनयिक संबंध स्थापित किए जब 1941 में सिडनी में भारत के महावाणिज्य दूतावास को पहली बार व्यापार कार्यालय के रूप में खोला गया था।<br>• संबंधों में गिरावट: यह तब ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया जब ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत के 1998 के परमाणु परीक्षणों की निंदा की। |
| **यूरेनियम आपूर्ति समझौता** | • 2014: ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ यूरेनियम आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो भारत के "त्रुटिहीन" अप्रसार रिकॉर्ड की मान्यता में, परमाणु अप्रसार संधि पर गैर-हस्ताक्षरकर्ता देश के साथ अपनी तरह का पहला समझौता था। |
| **साझा मूल्य** | • वेस्टमिंस्टर-शैली के लोकतंत्र<br>• राष्ट्रमंडल परंपराएँ<br>• मजबूत, जीवंत, धर्मनिरपेक्ष और बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र<br>• स्वतंत्र प्रेस<br>• स्वतंत्र न्यायिक व्यवस्था<br>• अँग्रेज़ी भाषा |
| **भारतीय प्रवासी** | • ऑस्ट्रेलिया में लगभग 9.76 लाख लोगों ने खुद को भारतीय मूल का बताया, जिससे वे ऑस्ट्रेलिया में विदेश में जन्मे निवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गए। |
| **व्यापक रणनीतिक साझेदारी** | • 2020: भारत-ऑस्ट्रेलिया नेताओं के वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी से व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया।<br>• 2021: ग्लासगो में COP26 के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई।<br>• 2022 और 2023: भारत-ऑस्ट्रेलिया आभासी शिखर सम्मेलन और विदेश मंत्रियों की बैठक। |
| **रक्षा संबंध** | • 2021 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद<br>• ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने जून 2022 में भारत का दौरा किया।<br>• म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट एग्रीमेंट (एमएलएसए): रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए जून 2020 में वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए। |

| | |
|---|---|
| | • मालाबार अभ्यास<br>• टैलिसमैन सेबर अभ्यास |
| **चीन का मुद्दा** | • ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंधों में तनाव के कारण:<br>○ ऑस्ट्रेलिया ने Huawei को 5G नेटवर्क से बैन कर दिया है<br>○ कोविड-19 की उत्पत्ति की जांच के लिए ऑस्ट्रेलिया का आवाहन<br>○ शिनजियांग और हांगकांग में चीन के मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा की।<br>○ चीन ऑस्ट्रेलियाई निर्यात पर व्यापार बाधाएँ लगा रहा है, और सभी मंत्रिस्तरीय संपर्क काट रहा है।<br>• ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करते हैं और वे इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय संस्थान बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो समावेशी हों, आगे आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा दें। |
| **बहुपक्षीय सहयोग** | • दोनों क्वाड, कॉमनवेल्थ, हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए), आसियान क्षेत्रीय फोरम, जलवायु और स्वच्छ विकास पर एशिया प्रशांत साझेदारी के सदस्य हैं और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग ले चुके हैं।<br>• दोनों देश विश्व व्यापार संगठन के संदर्भ में पाँच इच्छुक पार्टियों (FIP) के सदस्यों के रूप में भी सहयोग कर रहे हैं।<br>• ऑस्ट्रेलिया एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और संगठन में भारत की सदस्यता का समर्थन करता है। |
| **द्विपक्षीय व्यापार** | • ऑस्ट्रेलिया भारत का 17वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।<br>• भारत ऑस्ट्रेलिया का 9वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। |
| **शिक्षा** | • 1 लाख से अधिक भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।<br>• भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया में विदेशी छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह हैं।. |
| **स्वच्छ ऊर्जा सहयोग** | • फरवरी 2022: अत्यंत कम लागत वाले सौर और स्वच्छ हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की लागत को कम करने के लिए सहयोग के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा पर आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।<br>• भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के तहत प्रशांत द्वीप देशों के लिए 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (AUD) की घोषणा की।<br>• दोनों देशों ने तीन साल की भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल मिनरल्स इन्वेस्टमेंट पार्टनरशिप के लिए 5.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई। |

# 2 राष्ट्रीय परिदृश्य

**देश का प्रथम बुलेट ट्रेन स्टेशन:-**

- अहमदाबाद (गुजरात) में देश का प्रथम बुलेट ट्रेन स्टेशन बनकर तैयार हो गया।

**विशेष:-**

- स्टेशन की बिल्डिंग पर गांधी जी की दांडी यात्री को स्टील से बड़े-बड़े भिति चित्र बने है।
- अहमदाबाद-मुम्बई बुलेट ट्रेन रूट 508 किमी. लम्बा है।
- यह रूट 448 किमी. एलिवेटेड, 26 किमी. टनल, 10 किमी. ब्रिज और 7 किमी. बांध से गुजरेगा।

**देश में प्रथम बार विधिक सेवा प्राधिकार में सभी पदों पर महिला पदाधिकारी:-**

- हाल ही में देश में प्रथम बार बिहार राज्य ने 'बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार' में सभी पदाधिकारी महिला नियुक्त करने का कीर्तिमान स्थापित किया।
- यह न्यायिक क्षेत्र पूरे देश में अपने प्रकार का प्रथम एवं बेहतरीन कदम है।
- यहाँ सदस्य सचिव, संयुक्त सचिव, रजिस्ट्रार, एसिस्टेंट रजिस्टार जैसे सभी महत्वपूर्ण पद पर महिलाएँ नियुक्त है।

**राज्य विधिक सेवा प्राधिकारण:-**

- प्रत्येक राज्य 'राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा)' की नीतियों और निर्देशों को प्रभावी बनाने और मुफ्त कानूनी सलाह देने हेत इनका गठन किया जाता है।
- इनका नेतृत्व संबंधित राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं।
- उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठतम न्यायाधीश को इसका कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है।

**राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा):-**

- स्थापना- 5 दिसम्बर 1995
- इसकी स्थापना कानूनी सेवा प्राधिकरण एक्ट - 1987 के तहत की गई।

न्याय सब के लिए
ACCESS TO JUSTICE FOR ALL
NALSA
National Legal Services Authority

**पोषण ट्रैकर**

- समग्र पोषण के लिए प्रधान मंत्री की व्यापक योजना भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी, लक्षित दृष्टिकोण और अभिसरण का लाभ उठाकर बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करना है।
- कार्यक्रम में स्थानीय निकायों के जन प्रतिनिधियों, राज्य के सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की समावेशी भागीदारी शामिल है।
- कार्यक्रम का लक्ष्य बौनापन, अल्पपोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं के स्तर को कम करना है। यह कार्यक्रम सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक जन आंदोलन और भागीदारी भी है।

- कार्यक्रम का लक्ष्य 2022 तक (0-6 वर्ष की आयु के बच्चों) में बौनापन को 38.4% से घटाकर 25% करना है।
- कार्यक्रम में 18 मंत्रालयों/विभागों के उच्च प्रभाव वाले हस्तक्षेपों को शामिल किया गया है, विशेष रूप से नवजात के जन्म के बाद के 1000 दिनों के दौरान।
- प्रत्येक अभिसरण मंत्रालय/विभाग पोषण से संबंधित एक कार्य योजना तैयार करता है और इसे अपनी चल रही गतिविधियों के साथ एकीकृत करता है।
- कार्यक्रम में पूरक पोषण के वितरण में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही के लिए 'पोषण ट्रैकर' के माध्यम से पोषण वितरण की अंतिम-मील ट्रैकिंग और निगरानी के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करता है।

## एनीमिया क्या है?

- एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जो तब विकसित होती है जब आपका रक्त सामान्य से कम मात्रा में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करता है। लाल रक्त कोशिकाएं फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के सभी भागों तक ले जाती हैं। यदि आपको एनीमिया है तो आपके शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं मिल पाता है। इससे आपको थकान, कमजोरी, सांस लेने में तकलीफ या चक्कर आ सकता है।

**एनीमिया के कई प्रकार और कारण होते हैं।**

- आयरन की कमी से एनीमिया
- विटामिन की कमी से होने वाला एनीमिया
- अविकासी खून की कमी
- हीमोलिटिक अरक्तता
- दरांती कोशिका अरक्तता
- थैलेसीमिया

**अल्पपोषण क्या हैं?**

- अल्पपोषण एक शब्द है जिसका उपयोग उन लोगों की स्थिति का वर्णन करने के लिए किया जाता है जिनके दैनिक भोजन का सेवन सामान्य, सक्रिय और स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक ऊर्जा की मात्रा प्रदान करने के लिए अपर्याप्त है। इसे अक्सर 'भूख' शब्द के साथ परस्पर उपयोग किया जाता है। अल्पपोषण पूरी तरह से ऊर्जा (कैलोरी) सेवन की पर्याप्तता से निर्धारित होता है और किसी के आहार की गुणवत्ता या विविधता पर विचार नहीं करता है।

**बौनापन (Stunting) क्या होता है?**

- बौनापन एक ऐसी स्थिति है जहां बच्चे की वृद्धि और विकास खराब हो जाता है, जो आमतौर पर दीर्घकालिक कुपोषण, अपर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल और खराब परिस्थितियों के कारण होता है। इसकी पहचान बच्चे का अपनी उम्र के हिसाब से औसत लंबाई से काफी छोटा होना है। स्टंटिंग से शारीरिक और संज्ञानात्मक हानि हो सकती है, जिससे वयस्कता में समग्र स्वास्थ्य और क्षमता प्रभावित हो सकती है।

## भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव:-

- **प्रारंभ**- 2015 (नई दिल्ली)
- **कार्यान्वयन विभाग**- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
- **उद्देश्य**- भारत की प्रगति के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
- **विशेष**- यह एक वार्षिक कार्यक्रम हैं जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

## सुकन्या समृद्धि योजना

- सुकन्या समृद्धि योजना एक सरकारी बचत योजना है जिसका उद्देश्य लड़कियां की शिक्षा और शादी के खर्चों का समर्थन करना है।

**पात्रता:**

- 10 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के लिए।
- प्रति बच्चा एक खाता, प्रति परिवार दो।

**निवेश:**

- न्यूनतम रु. 250, अधिकतम रु. 1,50,000 प्रति वर्ष।
- 21 वर्ष की परिपक्वता अवधि।

**फायदे:**

- वर्तमान ब्याज दर 8.2%।
- कर-मुक्त लाभ - मूलधन, ब्याज और परिपक्वता।
- पूरे भारत में खाता हस्तांतरणीयता।
- परिपक्वता के बाद भी ब्याज जारी रहेगा।

- 18 वर्ष के बाद समयपूर्व निकासी (50%) की अनुमति।
- कुल मिलाकर, सुकन्या समृद्धि योजना माता-पिता और अभिभावकों को अपनी बच्चियों के उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित करने का एक लचीला और लाभकारी तरीका प्रदान करती है।

## पीएम ई.बस सेवा योजना

- **योजना के तहत प्रावधान:** देश के विभिन्न शहरों में 10,000 ई-बसें तैनात की जाएंगी।
- **पीपीपी मॉडल:** इस योजना के तहत सिटी बस का संचालन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर किया जाएगा। यह योजना 10 वर्षों तक बस संचालन का समर्थन करेगी।
- **राज्यों की जिम्मेदारियां:** बस सेवाओं को चलाने और बस ऑपरेटरों को भुगतान करने के लिए राज्य/शहर जिम्मेदार होंगे।
- **केंद्र सरकार की भूमिका:** यह प्रस्तावित योजना में निर्दिष्ट सीमा तक सब्सिडी प्रदान करके इन बस संचालन का समर्थन करेगी।
- **फंडिंग:** इसके लिए कुल 57,613 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया है। इस वित्तीय प्रावधान में से केंद्र सरकार 20,000 करोड़ रुपये का योगदान देगी, जबकि शेष हिस्सा राज्य सरकारें वहन करेंगी।
- **कवरेज:** 3 लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों और वे शहर जहाँ संगठित बस सेवाएं नही है उन शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- **योजना के 2 खंड:**

| सिटी बस सेवाओं का विस्तार | ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल |
|---|---|
| • ई-बसें पीपीपी मॉडल के तहत चलेंगी<br>• सरकार डिपो बुनियादी ढांचे के विकास/उन्नयन के लिए सहायता प्रदान करने के लिए संबद्ध बुनियादी ढांचे को विकसित करने में मदद करेगी<br>• इससे शहरों को ई-बसों का बुनियादी ढांचा तैयार करने में भी मदद मिलेगी। | • बाइक शेयरिंग, साइकिल लेन जैसे गैर-मोटर चालित बुनियादी ढांचे के साथ-साथ बस रैपिड ट्रांसपोर्ट परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।<br>• नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड, इंटेलिजेंट ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम, मल्टीमॉडल इंटरचेंज सुविधाएं जैसी नवोन्मेषी परियोजनाएं भी विकसित की जाएंगी। |

## सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर "भ्रामक डार्क पैटर्न" पर प्रतिबंध लगाया दिशानिर्देश अधिसूचित किये

- उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए, सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर "डार्क पैटर्न" जिसका उद्देश्य ग्राहकों को धोखा देना या उनकी पसंद में हेरफेर करना है, के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा हाल ही में इस संबंध में "डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशानिर्देश" के रूप में एक गजट अधिसूचना जारी की गई थी, जो भारत में सामान और सेवाएं प्रदान करने वाले सभी प्लेटफार्मों और यहां तक कि विज्ञापनदाताओं और विक्रेताओं पर भी लागू है।

### डार्क पैटर्न

- भ्रामक पैटर्न के रूप में भी जाना जाता है, वे वेबसाइटों और ऐप्स द्वारा उपयोगकर्ताओं को ऐसे कार्य करने के लिए नियोजित रणनीतियों को संदर्भित करते हैं जो उनका इरादा नहीं था या उन व्यवहारों को हतोत्साहित करते हैं जो कंपनियों के लिए फायदेमंद नहीं हैं।
- 2010 में उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स) डिजाइनर, हैरी ब्रिग्नुल द्वारा गढ़ा गया।
- संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों का फायदा उठा सकते है और झूठी तात्कालिकता, जबरन कार्रवाई, छिपी हुई लागत आदि जैसी रणनीति अपना सकते हैं।
- अत्यधिक सूक्ष्म विधियाँ या तरकीबें हो सकती हैं जिन्हें उपयोगकर्ता तुरंत नहीं पहचान सकते।

**उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार डार्क पैटर्न के प्रकार**

- **फाल्स अर्जेंसी:** उपभोक्ताओं पर खरीदारी करने या कोई कार्रवाई करने के लिए दबाव डालने की तात्कालिकता दिखाता है या उस वस्तु या सेवा कमी की भावना पैदा करता है;
- **बास्केट स्नीकिंग:** उपयोगकर्ता की सहमति के बिना शॉपिंग कार्ट में अतिरिक्त उत्पाद या सेवाएँ जोड़ने के लिए डार्क पैटर्न का उपयोग किया जाता है;
- **कन्फर्म शेमिंग:** उपभोक्ताओं को किसी वस्तु को खरीदने के लिए अपराध बोध का उपयोग करता है;
- **जबरन कार्रवाई (Forceful Action):** उपभोक्ताओं को ऐसी कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है जो वे नहीं करना चाहते, जैसे सामग्री तक पहुंचने के लिए किसी सेवा के लिए साइन अप करना;
- **नेगिंग:** लगातार आलोचना, शिकायतें और कार्रवाई के लिए अनुरोध;

- **सदस्यता जाल (Membership Trap):** किसी सेवा के लिए साइन अप करना आसान होता है लेकिन उसे छोड़ना या रद्द करना मुश्किल; विकल्प छिपा हुआ होता है या इसके लिए कई चरणों की आवश्यकता होती है;
- **बैट और स्विच:** एक निश्चित उत्पाद/सेवा का विज्ञापन करना, लेकिन दूसरा, अक्सर निम्न गुणवत्ता का, वितरित करना;
- **छिपी हुई लागतें (Hidden costs):** अतिरिक्त लागतों को तब तक छिपाना जब तक उपभोक्ता उस वस्तु को खरीदने के लिए प्रतिबद्ध न हो जाएं;
- **प्रच्छन्न विज्ञापन (Disguised Advertising):** समाचार लेख या उपयोगकर्ता-जनित सामग्री जैसे दिखने के लिए डिज़ाइन किए गए,।

## नागरिकता कानून की धारा 6ए को चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा है कि कितने लोगों को असम समझौते के बाद नागरिकता अधिनियम में पेश की गई धारा 6ए का लाभ मिला।

### नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6A

- **इसके बारे में:** इसने असम के लिए एक विशेष प्रावधान बनाया जिसके द्वारा 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 के बीच प्रवेश करने वाले और राज्य में रहने वाले व्यक्तियों को विदेशी पाए जाने पर पंजीकरण करने की अनुमति दी जाएगी।
- **तंत्र:** पंजीकरण पर, ऐसे व्यक्ति के पास भारत के नागरिक के समान अधिकार और दायित्व होंगे, लेकिन वह 10 साल की अवधि के लिए किसी भी मतदाता सूची में शामिल होने का हकदार नहीं होगा।
- **साधारण निवासी:** वे विदेशी जो 1 जनवरी, 1966 से पहले असम में आए थे और राज्य में "सामान्य निवासी" थे, उनके पास वोट देने के अधिकार सहित भारतीय नागरिकों के सभी अधिकार और दायित्व होंगे।

### असम समझौता (1985)

- **विवरण:** 15 अगस्त 1985 को नई दिल्ली में भारत सरकार के प्रतिनिधियों और असम आंदोलन के नेताओं के बीच समझौता ज्ञापन (MoS) पर हस्ताक्षर किए गए।
- **महत्व:** समझौते ने असम आंदोलन को समाप्त कर दिया और आंदोलन के नेताओं के लिए एक राजनीतिक पार्टी बनाने और जल्द ही असम राज्य में सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।
- **समझौते के प्रावधान:**
  - ✓ 1966 से 1971 के बीच आए बांग्लादेशियों को दस साल तक वोट देने से रोका जाएगा।
  - ✓ अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ सील कर दी जाएंगी और 1971 के बाद बांग्लादेश से आए सभी लोगों को निर्वासित किया जाएगा।
- **समझौते में मुद्दे:** हालांकि समझौते से आंदोलन समाप्त हो गया, लेकिन कुछ प्रमुख धाराओं को अभी भी लागू किया जाना बाकी है, जिससे कुछ मुद्दे उलझे हुए हैं।

## केंद्र के जम्मू-कश्मीर अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 370 में संशोधन के केंद्र सरकार के 2019 के कदम पर अपना फैसला सुनाया। इस निरसन ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर को प्रदत्त विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था। कोर्ट ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने वाले संवैधानिक आदेश को वैध माना।

## सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला

- **जम्मू और कश्मीर में संप्रभुता नहीं थी:**
  - **SC की टिप्पणी:** अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर संविधान में कई सबूत हैं कि कश्मीर के संबंध में, अपनी संप्रभुता को आत्मसमर्पण करने के लिए विलय समझौता आवश्यक नहीं था।
  - **अनुच्छेद 370(1):** इसने भारत के संविधान के अनुच्छेद 1 (जहाँ जम्मू-कश्मीर को भाग III राज्य के रूप में सूचीबद्ध किया गया था) को बिना किसी संशोधन के लागू किया।
  - **जम्मू-कश्मीर संविधान की धारा 3:** इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि "जम्मू-कश्मीर राज्य भारत संघ का अभिन्न अंग है और रहेगा।"
  - **धारा 147:** इसने धारा 3 में किसी भी संशोधन पर रोक लगा दी, और प्रावधान को पूर्ण बना दिया।

- **अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान है:**
  - **SC की टिप्पणी:** सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर भरोसा किया कि संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 370 को भाग XXI में निहित अस्थायी और संक्रमणकालीन प्रावधानों के साथ रखा था।
  - **विलय पत्र (IOA) पर:** आईओए ने इसे "पूरी तरह से स्पष्ट" कर दिया है कि अनुच्छेद 1 जिसमें कहा गया है कि "भारत, राज्यों का एक संघ होगा" पूरी तरह से जम्मू-कश्मीर पर लागू होता है।
- **राष्ट्रपति शासन के अंतर्गत उद्घोषणा की संवैधानिक वैधता:**
  - **SC की टिप्पणी:** राष्ट्रपति के पास "राज्य विधानसभा के विघटन सहित अपरिवर्तनीय परिवर्तन" करने की शक्ति है और राष्ट्रपति की शक्तियों को "न्यायिक और संवैधानिक जांच" द्वारा नियंत्रित रखा जाता है।
- **जम्मू-कश्मीर का संविधान निष्क्रिय है**:
  - **SC की टिप्पणी:** जम्मू-कश्मीर के संविधान, जिसके माध्यम से भारतीय संविधान के केवल कुछ प्रावधान ही जम्मू-कश्मीर पर लागू होते थे, का अस्तित्व में रहना अब आवश्यक नहीं है।
- **मानवाधिकारों को संबोधित करने के लिए एक सत्य और सुलह आयोग का गठन करें:**
  - **SC की टिप्पणी:** संघ को एक "सच्चाई और सुलह आयोग" का गठन करना चाहिए, जैसे दक्षिण अफ्रीका ने रंगभेद के बाद राज्य और गैर-राज्य अभिनेताओं दोनों द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच के लिए किया था। व्यायाम समयबद्ध होना चाहिए।

## जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023

- **विवरण:** यह जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम, 2004 में "कमजोर और वंचित वर्ग (सामाजिक जाति)" शब्द को केंद्र शासित प्रदेश द्वारा घोषित "अन्य पिछड़ा वर्ग" से विस्थापित करने का प्रयास करता है।
- **2004 अधिनियम:** यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के सदस्यों के लिए व्यावसायिक संस्थानों में नियुक्ति और प्रवेश में आरक्षण से संबंधित है।
- **प्रावधान:**
  - यह उन लोगों के एक वर्ग के नामकरण को बदलने का प्रयास करता है जो नियुक्तियों और प्रवेश में कोटा के लिए पात्र हैं।
  - अधिनियम के अंतर्गत, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों में शामिल हैं:
    - केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े घोषित किए गए गांवों में रहने वाले लोग,
    - वास्तविक नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों में रहने वाले लोग, और कमजोर और अल्प-विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग (सामाजिक जातियाँ), जैसा कि अधिसूचित किया गया है।
  - सरकार एक आयोग की सिफ़ारिशों पर कमज़ोर और वंचित वर्गों की श्रेणी में शामिल या बहिष्करण कर सकती है।
  - केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर द्वारा घोषित कमजोर और वंचित वर्गों को अन्य पिछड़े वर्गों से प्रतिस्थापित करता है।

## GPAI

- **विवरण:** यह नवाचार के संदर्भ में एआई के भविष्य को आकार देने और स्वास्थ्य देखभाल, कृषि आदि में अनुप्रयोग के लिए साझेदार देशों के बीच सहयोगी एआई बनाने के लिए GPAIको सबसे आगे और केंद्र में रखने का वादा करता है।
- **घोषणा के तहत समझौते:**
  - यह समूह AI प्रशासन के भविष्य को आकार देने के साथ-साथ इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखने पर वैश्विक वार्ता का नेतृत्व करेगा।
  - GPAI ग्लोबल साउथ के देशों को शामिल करने और सभी लोगों को AI, इसके प्लेटफॉर्म और समाधान के लाभ उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करेगा।
  - समान विचारधारा वाले देशों को यह सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ना होगा कि जब अगले साल कोरिया में सभी GPAI देशों की बैठक होगी, तब तक एआई पर सभी देशों के पास निश्चित विस्तृत नियम होंगे।
  - GPAI को अब और अधिक विस्तृत होना होगा और नियमों की रूपरेखा को स्पष्ट करना होगा जो परिभाषित करेगा कि उपयोगकर्ता एआई के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं।
- **नए अवसरों का दोहन करने और एआई से उत्पन्न जोखिमों को कम करने की आवश्यकता को स्वीकार किया:**
  - गलत सूचना और दुष्प्रचार को लेकर चिंताएं,
  - बेरोज़गारी

- पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव,
- बौद्धिक संपदा और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, और
- मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को ख़तरा

- **महत्व:** संसाधनों तक न्यायसंगत पहुंच और प्रतिस्पर्धी एआई समाधान बनाने की आवश्यकता को स्वीकार किया।

## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक साझेदारी (GPAI )

- **विवरण:** मानव अधिकारों और अपने सदस्यों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (A.I.) के जिम्मेदार विकास और उपयोग को निर्देशित करने के लिए स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय पहल।
- **प्रस्तावना:** कनाडा और फ्रांस (2018 44वां G7 शिखर सम्मेलन)
- **शुभारंभ:** (जून) 2020.
- **सदस्य:** प्रारंभ में 15, अब 29 सदस्य देश।
- **प्रमुख देश:** भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, कनाडा, आदि।
- **चीन:** हिस्सा नहीं.
- **मेजबानी:** आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)।
- **उद्देश्य:**
  - एआई से संबंधित प्राथमिकताओं पर अत्याधुनिक अनुसंधान और व्यावहारिक गतिविधियों का समर्थन करके एआई पर सिद्धांत और व्यवहार के बीच अंतर को पाटने के लिए एक बहु-हितधारक पहल।
  - अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान, उद्योग, नागरिक समाज, सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और शिक्षा जगत से जुड़े विशेषज्ञों को एक साथ लाता है।

## संसद में संशोधित आपराधिक सुधार विधेयक: क्या बदला है और क्यों

- केंद्र ने इस साल अगस्त में पेश किए गए पिछले संस्करणों को वापस लेते हुए तीन संशोधित आपराधिक सुधार विधेयक लाकसभा और राज्यसभा में पेश किए और दोनों सदनों से पारित हो गए।
- भाजपा सांसद बृज लाल की अध्यक्षता वाली समिति ने विधेयकों में कई महत्वपूर्ण बदलावों का प्रस्ताव रखा। इसके बाद, केंद्र ने संसद के शीतकालीन सत्र में संशोधित आपराधिक कानून विधेयकों को फिर से पेश किया।

### समिति द्वारा दिए गए सुझाव एवं परिवर्तन

| | सुझाव | परिवर्तन |
|---|---|---|
| **हथकड़ी** | • गंभीर अपराधों के आरोपी व्यक्तियों के भागने को रोकने और गिरफ्तारी के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएनएसएस के खंड 43(3) में अनुमति के अनुसार हथकड़ी के उपयोग का गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति द्वारा स्वागत किया गया था।<br>• पैनल ने सुझाव दिया कि इसे "आर्थिक अपराध" करने वाले व्यक्तियों तक विस्तारित करने के बजाय बलात्कार और हत्या जैसे चुनिंदा जघन्य अपराधों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए।"<br>• ऐसा इसलिए है क्योंकि "आर्थिक अपराध" शब्द में छोटे से लेकर गंभीर अपराधों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, और इसलिए, इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सभी मामलों में हथकड़ी लगाने के लिए यह उपयुक्त नहीं हो सकता है।<br>• समिति सिफारिश करती है कि खंड 43(3) को | • इस प्रावधान से "आर्थिक अपराधों" को हटाने की संसदीय पैनल की सिफारिश को नए विधेयक में शामिल किया गया है।<br>• हालाँकि पहले BNSS में राज्य के खिलाफ अपराधों पर एक अतिरिक्त लाइन थी जिसमें देश की संप्रभुता, अखंडता और एकता को खतरे में डालने वाले अपराध भी शामिल थे, लेकिन नए प्रावधान में "राज्य के खिलाफ अपराध" करने के लिए हथकड़ी का उपयोग करना अनिवार्य है।<br>• नया प्रावधान अदालत में पेश किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भी हथकड़ी के इस्तेमाल का विस्तार करता है। |

| | | |
|---|---|---|
| | खंड से 'आर्थिक अपराध' शब्द हटाने के लिए उपयुक्त रूप से संशोधित किया जा सकता है।<br>• पूर्ववर्ती बीएनएसएस के खंड 43(3) में आदतन अपराधियों को गिरफ्तार करते समय हथकड़ी के इस्तेमाल की अनुमति दी गई थी, जो हिरासत से भाग गए थे या जो मानव तस्करी और जालसाजी जैसे विशिष्ट अपराध कर रहे थे। | |
| **दया याचिकाएँ** | • पूर्ववर्ती BNSS की धारा 473(1) मौत की सजा काट रहे दोषियों या उनके कानूनी उत्तराधिकारियों या रिश्तेदारों को इसके लिए प्रक्रिया और समय सीमा प्रदान करते हुए दया याचिका दायर करने की अनुमति देती थी।<br>• मौत की सजा पाए किसी दोषी की याचिका के निपटारे के बारे में जेल अधिकारियों द्वारा सूचित किए जाने के बाद, वह, उसका कानूनी उत्तराधिकारी या कोई रिश्तेदार 30 दिनों के भीतर राज्यपाल को दया याचिका प्रस्तुत कर सकता है।<br>• खारिज होने पर व्यक्ति 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति के पास याचिका दायर कर सकता है।<br>• राष्ट्रपति के आदेश के विरुद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकेगी।<br>• पहले के प्रावधान में यह भी कहा गया था कि राज्यपाल या राष्ट्रपति के समक्ष याचिका प्रस्तुत करने से पहले इसे केंद्र या राज्य सरकार के गृह विभाग के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।<br>• हालाँकि, पैनल ने ऐसे न्यायिक कार्यों को कार्यपालिका के विवेक पर छोड़ने के बजाय कम्युटेशन और छूट के मामलों से निपटने के लिए एक अर्ध-न्यायिक बोर्ड गठित करने का सुझाव दिया।<br>• इसमें यह भी प्रस्ताव दिया गया कि एक समय सीमा प्रदान की जाए जिसके भीतर दया याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी। | • प्रावधान की संख्या को खंड 473 से 472 में बदलने के अलावा, नए विधेयक ने उस प्रावधान को हटा दिया है जो दया याचिकाओं को समीक्षा के लिए राज्य सरकार के गृह विभाग या केंद्र को भेजने की अनुमति देता था।<br>• संशोधित खंड 472(7) अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल के आदेशों को अपील योग्य नहीं बनाता है, जिससे इसका दायरा बढ़ जाता है। चुनौती नहीं दी जा सकती। |
| **निवारक निरोध शक्तियाँ** | • BNSS के खंड 172(2) ने निवारक कार्रवाई करते हुए पुलिस की शक्तियों का विस्तार किया।<br>• इसने पुलिस अधिकारियों को उप-धारा (1) के तहत उनके द्वारा दिए गए किसी भी निर्देश का विरोध करने, इनकार करने, अनदेखी करने या अवहेलना करने वाले व्यक्तियों को हिरासत में लेने या हटाने और उन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने ले जाने या छोटे मामलों में उन्हें रिहा करने | • नया विधेयक इस प्रावधान में एक समय सीमा जोड़ता है।<br>• हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के पास ले जाया जा सकता है या छोटे मामलों में, 24 घंटे के भीतर जितनी जल्दी हो सके रिहा किया जा सकता है।<br>• इसके अलावा, पुराने बीएनएसएस में "न्यायिक मजिस्ट्रेट" की जगह अब "मजिस्ट्रेट" ने ले ली है। |

| | | |
|---|---|---|
| | की अनुमति दी। अवसर बीत चुका है।<br>• हालाँकि, पैनल ने सुझाव दिया कि इस तरह की हिरासत की समय अवधि निर्दिष्ट की जानी चाहिए, और अस्पष्टता को दूर करने के लिए "जब अवसर बीत जाए तो उसे रिहा करें" शब्दों को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। | |
| **सामुदायिक सेवा** | • पूर्ववर्ती बीएनएसएस ने आत्महत्या का प्रयास करने, वैध बिजली चोरी के अभ्यास को रोकने, सार्वजनिक पदाधिकारियों की मानहानि, और नशे में सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई देने और परेशानी पैदा करने जैसे अपराधों के लिए दंडात्मक उपाय के रूप में "सामुदायिक सेवा" को शामिल किया था।<br>• हालाँकि, यह "सामुदायिक सेवा" की परिभाषा पर चुप था। | • नए BNSS के खंड 23 की व्याख्या में "सामुदायिक सेवा" को परिभाषित किया गया है, जिसका अर्थ वह कार्य है जिसे अदालत किसी दोषी को सजा के रूप में करने का आदेश दे सकती है जिससे समुदाय को लाभ होता है, जिसके लिए वह किसी भी पारिश्रमिक का हकदार नहीं होगा।<br>• विधेयक में लोक सेवकों को अवैध रूप से व्यापार में शामिल करने और धारा 84 के तहत उद्घोषणा के जवाब में उपस्थित न होने पर सजा के रूप में सामुदायिक सेवा को भी शामिल किया गया है। |

## संसदों के सदस्यों का निलंबन

- हाल ही में संसद के दोनों सदनों से रिकॉर्ड संख्या(146) में सांसदों को निलंबित किया गया।
- संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने पर दोनों सदनों के सांसदों को निलंबित किया गया।

### निलंबन की प्रक्रिया

- लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति निलंबन को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। लोकसभा में अध्यक्ष प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियम 373,374 और 374 (ए) के अनुसार कार्य करते हैं। राज्यसभा में सभापति नियम 255 एवं 256 के अनुसार कार्य करते है।
- सबसे पहले पीठासीन अधिकारी(लोकसभा के अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति) किसी भी अव्यवस्थित आचरण के लिए संसद सदस्य को सदन से बाहर जाने का निर्देश दे सकते हैं (लोकसभा में नियम 373, राज्यसभा में नियम 255)। यदि वह काम नहीं करता है और उक्त संसद सदस्य सदन की कार्यवाही को बाधित करना जारी रखता है ,तो पीठासीन अधिकारी सांसद का "नाम" दे सकते है। उसके बाद सदन सत्र के अंत तक संसद सदस्य को निलंबित करने के लिए एक प्रस्ताव लाया जा सकता है।

### नए आपराधिक कानून

- भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य विधेयको को अपनी सहमति दी।

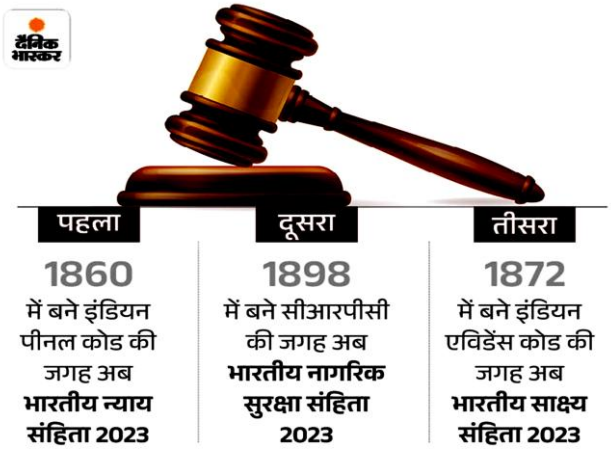


### भारतीय न्याय संहिता, 2023

- भारतीय दंड संहिता (1860) का स्थान लेगा।
- अब 358 खंड (पिछले 511 खंड) ।
- आतंकवाद को एक अपराध के रूप में परिभाषित करता है और जोड़ता है।
- (ठग, समलैंगिकता का अपराधीकरण, व्यभिचार) पर आरोप निरस्त कर दिए गए हैं। नाम 'राजद्रोह' से बदलकर 'देशद्रोह' हो गया है।
- मॉब लिंचिंग और घृणा अपराध अब अलग अपराध के रूप में वर्णित।

### भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023

- आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 (मूल रूप से 1898 में अधिनियमित) की जगह लेगा।
- अब 531 धाराएं (पिछली 484 धाराएं) ।
- चिकित्सा और फोरेंसिक जांच के विस्तृत प्रावधान।
- जीरो एफआईआर नजदीकी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई सकती है जिसे अगले 24 घंटे में अनिवार्य रूप से ट्रांसफर करना होगा।

### भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023

- भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेगा।
- 170 धाराएं (पहले 167 धाराएं) ।
- यह इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को प्राथमिक साक्ष्य के रूप में वर्गीकृत करता है।
- मौखिक साक्ष्य को इलेक्ट्रॉनिक रूप से देने की अनुमति देता है।

### उल्फा गुट ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये

- केंद्र सरकार, राज्य सरकार (असम) और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (ULFA) के वार्ता समर्थक गुट के बीच शांति समझौता ।
- गृह मंत्रालय के तहत एक समिति बनाई जाएगी जो इस समझौते को पूरा करने के लिए असम सरकार के साथ काम करेगी ।
- पिछले समझौते
  - ✓ 2019 में-NLFT समझौते
  - ✓ 2020 में - ब्रू और बोडो समझौता
  - ✓ 2021 में - कार्बी समझौता
  - ✓ 2023 में -असम मेघालय सीमा समझौता

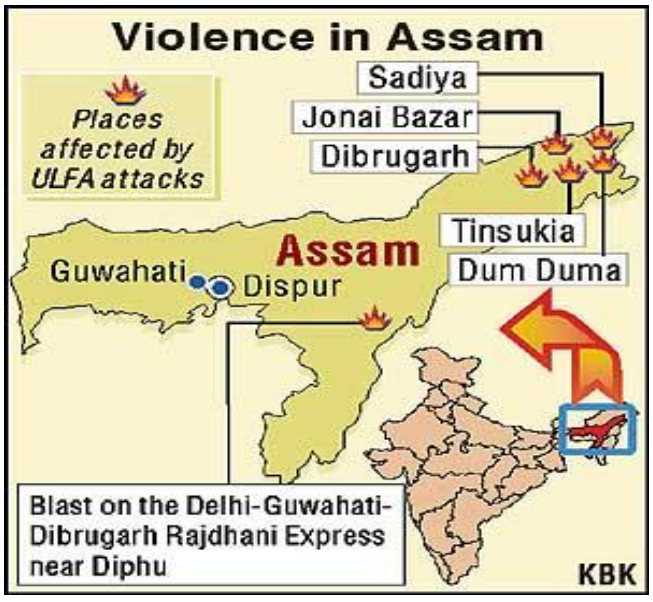


## ULFA

- (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम) की स्थापना 1979 में हुई और यह पूर्वोत्तर भारत में एक प्रमुख विद्रोही समूह है।

### केंद्र सरकार ने दी गन्ने के रस से इथेनॉल बनाने की अनुमति

- भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय ने इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने के रस के उपयोग पर प्रतिबंध को उलटते हुए एक नया आदेश जारी किया है और 2023-24 आपूर्ति वर्ष में हरित ईंधन का उत्पादन करने के लिए रस के साथ-साथ बी-हैवी मोलास्सेस के उपयोग की अनुमति दी है।
- इथेनॉल सम्मिश्रण पेट्रोल कार्यक्रम 2003 में 5% सम्मिश्रण के शुरुआती लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था, भारत ने 2022 में 10% इथेनॉल सम्मिश्रण हासिल किया है और 2025-26 तक 20% का लक्ष्य रखा है।
- ई 20 (फ्लेक्स ईंधन) पेट्रोल के साथ 20% इथेनॉल का मिश्रण है।
- इथेनॉल एक जैव ईंधन है, जो प्राकृतिक रूप से यीस्ट द्वारा शर्करा के किण्वन या एथिलीन हाइड्रेशन जैसी पेट्रोकेमिकल प्रक्रियाओं द्वारा उत्पादित होता है।
- **1G** (पहली पीढ़ी) बायोएथेनॉल तकनीक चीनी के स्रोत के रूप में स्टार्च का उपयोग करती है, 2G (दूसरी पीढ़ी) बायोएथेनॉल तकनीक चीनी के स्रोत के रूप में सेलूलोज़ और हेमिकेलुलोज़ का उपयोग करती है।

### दूरसंचार विधेयक 2023

- विधेयक भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम (1885), वायरलेस टेलीग्राफ अधिनियम (1933), टेलीग्राफ तार गैरकानूनी कब्ज़ा अधिनियम (1950) में बदलाव का प्रस्ताव रखता है।
- विधेयक दूरसंचार नेटवर्क के लिए वर्तमान लाइसेंसिंग व्यवस्था को सरल बनाने का प्रयास करता है।
- यह TDSAT (दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण) के माध्यम से अंतिम विवाद निपटान है।
- यह उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन से संबंधित है जो संस्थाओं को स्पेक्ट्रम आवंटित करने का वैश्विक मानक है।
- विधेयक केंद्र को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में या युद्ध की स्थिति में दूरसंचार सेवाओं और नेटवर्क का नियंत्रण और प्रबंधन स्वयं करने का अधिकार देता है।

## भारतीय वन एवं लकड़ी प्रमाणीकरण योजना (IFWCS)

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा जारी की गयी योजना है।
- भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना उन निजी विदेशी प्रमाणन एजेंसियों के लिए एक विकल्प प्रदान करेगी जो भारतीय बाजार में काम कर रही हैं।
- IFWCS स्थायी वन प्रबंधन, वृक्षारोपण, संरक्षण की श्रृंखला आदि के लिए प्रमाणन प्रदान करेगा।

## आर्कटिक अनुसंधान मे भारत

- आर्कटिक महासागर में स्वालबार्ड के नॉर्वेजियन द्वीपसमूह के एनवाई-एलेसुंड में भारत का आर्कटिक अनुसंधान स्टेशन हिमाद्री अब पूरे वर्ष चालू रहेगा।
  - आर्कटिक सर्कल के ऊपर का क्षेत्र, अक्षांश 66'34'' उत्तर के उत्तर में आठ देशों कनाडा, डेनमार्क, नॉर्वे, फिनलैंड, आइसलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, स्वीडन का हिस्सा है जो आर्कटिक परिषद और आर्कटिक महासागर का निर्माण करते है।
  - भारत ने 1920 में पेरिस की स्वालबार्ड संधि पर हस्ताक्षर किये थे।
  - हिमाद्रि स्टेशन का संचालन जुलाई 2008 में शुरू हुआ।
  - अंटार्कटिका अभियान के लिए दक्षिण गंगोत्री, मैत्री, भारती स्टेशन हैं जिनमें से बाद के दो चालू हैं।

## राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागरीय अनुसंधान केंद्र (NCPOR)

- यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा 1998 में स्थापित एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है। राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागरीय अनुसंधान केंद्र को अंटार्कटिका, आर्कटिक, हिमालय और दक्षिणी महासागर में ध्रुवीय अभियानों और वैज्ञानिक अनुसंधान की योजना बनाने और निष्पादित करने का काम सौंपा गया है।
- NCPOR देश में ध्रुवीय और दक्षिणी महासागर वैज्ञानिक अनुसंधान और संबंधित रसद गतिविधियों की संपूर्ण श्रृंखला की योजना बनाने, प्रचार करने, समन्वय करने और निष्पादित करने के लिए नोडल एजेंसी है।

## काशी तमिल संगमम

- वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में एक महीने तक चलने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षण स्थलों (उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सभ्यतागत संबंध) तमिलनाडु और काशी (वाराणसी) के बीच सदियों पुराने संबंधों का जश्न मनाना, स्थापित करना और फिर से खोजना है।

## असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य

- लोगों को अभयारण्य के अस्तित्व के बारे में जागरूक करने के लिए प्रस्तावित "वॉक विद वाइल्डलाइफ" के बारे में सवाल उठाते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय ने यह देखने के लिए दस्तावेज़ मांगे कि क्या इसकी योजना मानदंडों के अनुसार बनाई गई थी।
- इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को छोटे समूहों में मौजूदा ट्रैक पर जंगल में पैदल चलना और साइकिल चलाना शामिल होगा और माना जाता है कि इससे वन्यजीवों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी, अंदर कोई नया ट्रैक या पथ नहीं बनाया जाएगा, केवल पहले से मौजूद ट्रैक का उपयोग किया जाएगा।

### असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य

- यह अभयारण्य दिल्ली-हरियाणा सीमा पर अरावली पहाड़ी श्रृंखला के दक्षिणी दिल्ली रिज पर 32.71 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।
- यह दक्षिणी दिल्ली और हरियाणा राज्य के फ़रीदाबाद और गुरुग्राम जिलों के उत्तरी भागों में स्थित है।

- यह सरिस्का-दिल्ली वन्यजीव गलियारे का भी हिस्सा है, जो राजस्थान में सरिस्का टाइगर रिजर्व से दिल्ली रिज तक फैला है।
- वनस्पति शुष्क पर्णपाती प्रकृति की होती है।
- प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा प्रमुख विदेशी प्रजाति है और डायोस्पायरोस मोंटाना अभयारण्य में प्रमुख मूल प्रजाति है।
- पाए जाने वाले प्रमुख जानवर हैं गोल्डन जैकल्स, स्ट्राइप्ड-हाइना, इंडियन क्रेस्टेड-साही, सिवेट, जंगली बिल्लियाँ, साँप, मॉनिटर छिपकली, नेवला आदि।

## चिल्लई कलां

- 'चिल्लई कलां' कश्मीर में अत्यधिक ठंड की 40 दिनों की लंबी अवधि का नाम है।
- यह सर्दियों का सबसे ठंडा हिस्सा होता है, जो हर साल 21 दिसंबर से शुरू होकर 29 जनवरी तक होता है।
- फारसी में ''चिल्लई कलां'' शब्द का अर्थ ''प्रचंड ठंड'' है। चिल्लई कलां के बाद चिल्लई-खुर्द और चिल्लई-बच्चा आते हैं।
- चिल्लई-कलां को पारंपरिक रूप से कठोर सर्दियों की मौसमी अवधि के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें वर्षा की आवृत्ति और मात्रा दोनों में वृद्धि (आमतौर पर बर्फबारी) होती है।

**भारत की अन्य स्थानीय पवनें :**

- **एलीफेंटा:** भारत के मालाबार तट पर तेज दक्षिणी या दक्षिण-पूर्वी हवा।
- **लू:** भारत और पाकिस्तान के मैदानी इलाकों में चलने वाली गर्म आर शुष्क हवा। इसका अनुभव दोपहर में होता है और इससे तापमान 45°C से 50°C तक बढ़ सकता है ।
- **काली आंधी:** भारतीय उपमहाद्वीप के भारत-गंगा के मैदानी क्षेत्र के उत्तर-पश्चिमी भागों में मानसून से पहले होने वाली हिंसक धूल भरी आँधी ।
- **मानसून:** मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिमी हवाएँ भूमध्य रेखा के निकट विभिन्न क्षेत्रों में भारी वर्षा के साथ संयुक्त होती हैं।

## अल नीनो, अधिक तापमान वाली सर्दी का कारण बनने वाले अन्य कारक

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश भर में गर्म सर्दियों की भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। यह भारत सहित वैश्विक स्तर पर अनुभव की गई ग्लोबल वार्मिंग प्रवृत्ति का अनुसरण करता है, जो 1901 के बाद से तीसरा सबसे गर्म नवंबर रहा।

**अल नीनो**

- **पहचान:** सबसे पहले पेरू के मछुआरों द्वारा पेरू के तट से दूर सतही जल के असामान्य रूप से गर्म होने के रूप में किया गया था।
- **अल-नीनो का अर्थ:** स्पेनिश में "छोटा बच्चा"।
- **यह अल-नीनो दक्षिणी दोलन** (El Nino Southern Oscillation- ENSO) घटना का सामान्य से अधिक ऊष्म चरण है, जिसक दौरान भारत सहित विश्व के कई क्षेत्रों में आमतौर पर गर्म तापमान और सामान्य से कम वर्षा होती है। अल-नीनो ज़्यादातर दक्षिणी दोलन के साथ-साथ होता है।
- **प्रभाव:** अल-नीनो के दौरान, दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट से भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान (SST) दीर्घकालिक औसत से कम से कम 0.5°C अधिक गर्म होता है।
- **अवधि:** औसतन यह दो से सात वर्ष के अंतराल पर अनियमित रूप से घटित होती हैं।
- **दक्षिणी दोलन:** यह उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर के ऊपर वायुदाब में बदलाव है।

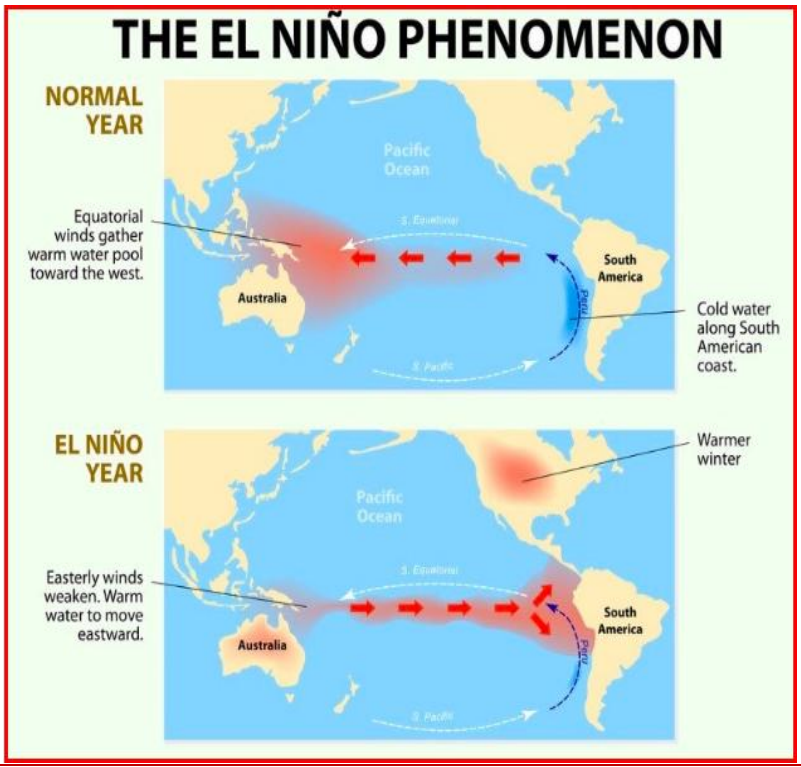

# 3 आर्थिक परिदृश्य

**ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023:-**

- **शुभारंभ**-8 दिसम्बर 2023
- **थीम** -Peace to Prosperity
- **आयोजन स्थल** - देहरादून (उत्तराखण्ड)
- **उद्घाटनकर्ता**- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

**विशेष**-

(i) 3 लाख करोड़ से अधिक के समझाता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित।

(ii) 5000 से अधिक व्यवसाय प्रतिनिधि एवं विदेशी राजदूत शिरकत करेंगे।

(iii) 44000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं में निवेश हेतु समारोह।

## 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था तीसरी सबसे बड़ी होगी: S&P ग्लोबल

- S&P ग्लोबल ने अनुमान लगाया है कि भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
- IMF के आंकड़ों के आधार पर, भारत वर्तमान में 3.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था के साथ पांचवें स्थान पर है।
- सूची में शीर्ष पर अमेरिका (लगभग 27 ट्रिलियन डॉलर) है, उसके बाद चीन (लगभग 17.7 ट्रिलियन डॉलर), जर्मनी (4.4 ट्रिलियन डॉलर) और जापान (4.2 ट्रिलियन डॉलर) हैं।

## कुछ राज्यों द्वारा ओपीएस लाने से उनके वित्त पर भारी बोझ पड़ेगा: RBI अध्ययन

- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ राज्यों द्वारा पुरानी पेंशन योजना (OPS) में वापसी से उनके वित्त पर भारी बोझ पड़ेगा, जिससे उन्हें विकास को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय करने से प्रतिबंधित किया जाएगा।
- RBI ने राज्य वित्त: 2023-24 के बजट का एक अध्ययन में कहा है कि राज्यों द्वारा OPS में कोई भी बदलाव पिछले सुधारों के लाभों को कम करने और भविष्य की पीढ़ियों के हितों से समझौता करने वाला एक बड़ा कदम होगा।

## पुरानी पेंशन योजना

- **प्रावधान:** OPS सरकारी कर्मचारियों को उनके अंतिम आहरित वेतन (अंतिम आहरित वेतन का 50%) के आधार पर पेंशन प्रदान करता है।
- **लाभ:** सेवानिवृत्त व्यक्ति को सुनिश्चित या 'परिभाषित' लाभ और इसे 'परिभाषित लाभ योजना' के रूप में वर्णित किया गया है।
- **पेंशनभोगियों के मासिक भुगतान में वृद्धि:** सरकार द्वारा सेवारत कर्मचारियों के लिए घोषित महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के साथ इसमें वृद्धि हुई।
- **निरंतरता:** 2003 में केंद्र सरकार ने ओपीएस बंद कर दिया था।

## पुरानी पेंशन योजना (OPS) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) के बीच अंतर

| पुरानी पेंशन योजना (OPS) | राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) |
|---|---|
| • यह योजना सेवानिवृत्ति के बाद जीवन भर आय की गारंटी देती है। | • यह एक सहभागी योजना है, जहां कर्मचारी अपने वेतन से अपने पेंशन कोष में योगदान करते हैं, जिसमें सरकार का भी उतना ही योगदान होता है |
| • पेंशन पर होने वाला खर्च सरकार वहन करती है। | • पेंशन फंड प्रबंधकों के माध्यम से धनराशि को निर्धारित निवेश योजनाओं में निवेश किया जाता है। |
| • योजना के तहत, मासिक भुगतान का आश्वासन | • सेवानिवृत्ति पर, कॉर्पस का 60%, जो कर-मुक्त |

| | |
|---|---|
| दिया जाता है, जहां राशि अंतिम आहरित वेतन के 50% के बराबर होती है। | है, निकाल लिया जाता है जबकि शेष 40% एन्यूइटी में निवेश किया जाता है, जिस पर कर लगता है |

## रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेजरपे, कैश फ्री और ओपन को पेमेंट एग्रीगेटर बनाए जाने की मंजूरी दी।

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पेमेंट एग्रीगेटर्स और पेमेंट गेटवे के नियमन पर दिशानिर्देश जारी किए और रेजरपे, कैशफ्री और ओपन को पेमेंट एग्रीगेटर बनाया।
- दिशानिर्देशों का उद्देश्य ऑनलाइन भुगतान एकत्रीकरण व्यवसाय करने वाली संस्थाओं को नियामक दायरे में लाना है।
- दिशानिर्देशों के अनुसार, 17 मार्च 2020 तक मौजूद ऑनलाइन गैर-बैंक भुगतान एग्रीगेटर्स (PA) को भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 (PSS अधिनियम) के तहत प्राधिकरण प्राप्त करने के लिए आरबीआई को आवेदन करना आवश्यक था।
- PSS अधिनियम के तहत ऑनलाइन पीए के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकरण की मांग करने वाली संस्थाओं की सूची, उनके आवेदन की वर्तमान स्थिति के साथ आरबीआई वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है।

### पेमेंट एग्रीमेटर क्या है?

- पेमेंट एग्रीमेटर एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता है जो व्यवसायों को ग्राहकों से इलेक्ट्रॉनिक भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाता है।
- यह संस्थाएं व्यापारी (विक्रेता) और वित्तीय संस्थान (जैसे बैंक) के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है जो भुगतान संसाधित करता है।
- भुगतान एग्रीगेटर अपने ग्राहकों को डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड (किसी बैंक के साथ साझेदारी में), कार्डलेस EMI, UPI, बैंक ट्रांसफर, ई-वॉलेट और ई-जनादेश जैसी विभिन्न भुगतान विधियों को स्वीकार करने में सक्षम है।
- भारत में कुछ लोकप्रिय भुगतान एग्रीगेटर:- पेटीएम, रेजरपे, इस्टामोजो, फोन पे इत्यादि।

## आरबीआइ ने अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंडस मे बैंक, एनबीएफसी के निवेश पर लगाई रोक

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की हालिया सलाह के अनुसार, बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) को वैकल्पिक निवेश फंड (AIF) की किसी भी योजना में निवेश करने से प्रतिबंधित किया गया है जिसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डाउनस्ट्रीम निवेश हैं।
- RBI के इस कदम का उद्देश्य बैंकों और NBFC को अपने ऋणों को 'सदाबहार' (एवगरग्रीनिंग) Evergreening करने के लिए AIF मार्ग का उपयोग करने से रोकना हैं और एआईएफ में निवेश के माध्यम से अप्रत्यक्ष के साथ-साथ प्रत्यक्ष ऋण के प्रतिस्थापन के बारे में चिंताओं से निपटना है।

### AIF ( वैकल्पिक निवेश फंड ) क्या है?

- यह एक प्रकार का ऐसा फंड है जो गैर-पारंपरिक परिसंपत्ति में निवेश करता है या रिटर्न उत्पन्न करने के लिए जटिल रणनीतियों का उपयोग करता है।
- यह फंड आमतार पर निजी तौर पर जमा किए जाते है और इसके लिए उच्च न्यूनतम निवेश राशि की आवश्यकता होती है।

## SEBI जनवरी-फरवरी से द्वितीयक बाजार कारोबार के लिए एएसबीए जैसी सुविधा शुरू करेगा

- सेबी ने हाल ही में कहा था कि निवेशकों के पैसे को दुरुपयोग से बचाने के लिए, द्वितीयक बाजारों में व्यापार के लिए एएसबीए जैसी सुविधा जनवरी या फरवरी से उपलब्ध होगी।
- प्राथमिक बाजार ASBA जैसी सुविधा द्वारा समर्थित यह एप्लिकेशन यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक का फंड केवल तभी स्थानांतरित हो जब आवंटन पूरा हो जाए।

### अवरुद्ध राशि द्वारा समर्थित आवेदन (ASBA)

- **लाया गया:** सबसे पहले 2008 में सेबी द्वारा पेश किया गया।
- **विवरण:** IPO या राइट्स इश्यू सदस्यता बनाने की एक प्रक्रिया।
- **बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली एक सुविधा:** यह

निवेशकों को जारीकर्ता को धन हस्तांतरित करने के बजाय अपने बैंक खाते में आवेदन राशि को अवरुद्ध करके आईपीओ या राइट्स इश्यू के लिए आवेदन करने की अनुमति देती है।

- **तंत्र:**
  - इसके तहत निवेशक के आवेदन का पैसा उनके बैंक खाते में रहता है।
  - आईपीओ आवेदन राशि के लिए धनराशि पर केवल एक ब्लॉक बनाया जाता है।
  - आवंटन प्रक्रिया पूरी होने तक यह अवरुद्ध राशि निवेशक के बैंक खाते में रहती है।
  - एक बार जब निवेशक को शेयर आवंटित कर दिए जाते हैं, तो ब्लॉक जारी कर दिया जाता है, और आवंटित शेयरों की राशि निवेशक के खाते से काट ली जाती है।
  - सार्वजनिक निर्गमों और अधिकार निर्गमों में, सभी निवेशकों को अनिवार्य रूप से ASBA के माध्यम से आवेदन करना होता है।
- **महत्त्व:**
  - IPO के लिए आवेदन करने का सुविधाजनक और कुशल तरीका क्योंकि इससे निवेशक को IPO सदस्यता के लिए एक अलग खाते में धनराशि स्थानांतरित करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
  - असफल आवंटन के मामले में रिफंड के लिए लगने वाला समय कम हो जाता है।

**द्वितीयक बाज़ार**

- एक वित्तीय बाज़ार जहाँ कंपनियों द्वारा पहले ही जारी की जा चुकी प्रतिभूतियाँ निवेशकों द्वारा खरीदी और बेची जाती हैं। .
- यहां मौजूदा स्टॉक, बॉन्ड और अन्य वित्तीय उपकरणों का कारोबार किया जाता है, प्राथमिक बाजार के विपरीत जहां नई प्रतिभूतियां जारी की जाती हैं।

**विकसित भारत @ 2047 : युवाओं की आवाज :-**

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मादी द्वारा 11 दिसम्बर को इसको लॉन्च किया गया।
- इसका उद्देश्य युवा शक्ति को देश के विकास से जोड़ना हैं ताकि वे देश को नेतृत्व दे सके।
- प्रधानमंत्री ने इस लॉन्चिंग द्वारा युवाओं से आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरण संरक्षण, गुड गवर्नेंस और समग्र विकास जैसी 5 कैटेगरी पर सुझाव मांगे।
- इसमें से 10 बेस्ट सुझावों को अवार्ड दिया जायेगा।

# 4 राजस्थान परिदृश्य

**अखिल भारतीय हस्तशिल्प मेला:-**

- **आयोजक**-नाबार्ड
- **आयोजन**- 21-26 दिसम्बर 2023
- **आयोजन स्थल**- जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
- **उद्देश्य**- देशभर के ग्रामीण कारीगरों, बुनकरों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य उद्यमियों को उनके उत्पादों के प्रभावी विपणन और शहरी ग्राहकों तक उनकी पहुँच बढ़ाने हेतु आयोजन हुआ।
- कश्मीर से लेकर करेल तथा गुजरात से लेकर मणिपुर तक के 150 ग्रामीण कारीगरों ने भाग लिया।

**नाबार्ड (NABARD):-**

- **पूरा नाम**-राष्ट्रीय कृषि एवं गामीण विकास बैंक
- **स्थापना**- 12 जुलाई 1982

**कार्य**-

(i) समन्वित ग्रामीण विकास करना।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के सवंर्धन हेतु ऋण एवं अन्य सुविधाएँ प्रदान करना।

**लखपति दीदी सम्मेलन**

- जैसलमेर में लखपति दीदी सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने राजस्थान में महिलाओं के उनके परिवारों और आर्थिक प्रगति में योगदान पर प्रकाश डाला।
- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 के अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में "लखपति दीदी" योजना की घोषणा की थी ।
- योजना में 2 करोड़ महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण शामिल है।
- यह योजना DAY-NRLM (दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) की एक पहल है जहां महिलाओं को विभिन्न कौशल में प्रशिक्षित किया जाएगा जो उन्हें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आय अर्जित करने में सक्षम बनाएगा।

**जेमेनिड शावर : अलवर**

- सरिस्का (अलवर) में एक खगोलीय घटना जेमेनिड शावर देखने को मिली।
- अलवर में यह घटना 48 घंटे तक देखी गई।

**जेमेनिड शावर:-**

- इसे सरल शब्दां में टूटे तारों की बारिश कहा जाता है।

**कारण**-

- 19-24 दिसम्बर तक पृथ्वी एक क्षुद्र ग्रह 3200-फेथॉन के मलबे से गुजरी, जिसका मलबा पृथ्वी के वायुमंडल से 34 मिमी. प्रति सेकण्ड की रफ्तार से टकराकर जल कर नष्ट हुए जिसे तारों का टूटन या शूटिंग स्टार कहलाती हैं।

**राजस्थान इलेक्शन-2023**

**मतदान तिथि** - 25 नवम्बर

**परिणाम** - 3 दिसम्बर

**भाजपा** - 115 सीटें (41.69% वोट प्राप्त हुए)
(2018 - 73 सीटें)

**कांग्रेस** - 70 सीटें
(2018 - 99 सीटें)

**अन्य** - 15 सीटें
(2018 - 27 सीटें)

**शपथ** - 15 दिसम्बर 2023 (रामनिवास बाग, जयपुर)

**मुख्यमंत्री** - भजनलाल शर्मा (सांगानेर विधानसभा)

**उपमुख्यमंत्री** - दीयाकुमारी (विद्याधरनगर विधानसभा)

प्रेमचंद बैरवा (दूदू, विधानसभा)

**सबसे बड़ी जीत**- दीया कुमारी (71368 वोट) ये विद्याधरनगर (जयपुर) से भाजपा प्रत्याशी है।

**सबसे छोटी जीत**-हंसराज पटेल (321 वोट) ये कोटपूतली से भाजपा प्रत्याशी है।

राजस्थान में 8 सासंदों ने चुनाव लड़ा जिनमें से 5 विजयी व 3 को हार का सामना करना पड़ा।

**महत्वपूर्ण तथ्य-**

(i) सबसे वरिष्ठ विधायक- कालीचरण सराफ (72 वर्ष) 8वीं बार मालवोय नगर से भाजपा विधायक बने एवं लक्ष्मण मीणा (72 वर्षीय बस्सी से कांग्रेस प्रत्याशी)

(ii) सबसे शिक्षित - कैलाश वर्मा (बगरू, भाजपा), प्रेमचन्द बैरवा (दूदू, भाजपा)

(iii) सबसे कम शिक्षित - बालमुकुंदाचार्य (हवामहल, भाजपा) केवल साक्षर है।

**युवा विधायक-**

- 199 सीटों पर सिर्फ 11% (22 विधायक) ही युवा हैं जिनकी उम्र 25 से 40 वर्ष के मध्य है।
- इसमें BJP से 9 विधायक, कांग्रेस से 9 विधायक, भारतीय आदिवासी पार्टी से 3 विधायक एवं 1 मात्र निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी (शिव सीट) विजयी हुए।

**महिलाओं की स्थिति:-**

- वर्ष 2018 - 24 महिलाएँ
- वर्ष 2023- 20 महिलाएँ (कुल उम्मीदवार -50)
- कांग्रेस व भाजपा से 9-9 महिला विधायक विजयी हुई तथा 2 निर्दलयी उम्मीदवारों ने विजय प्राप्त की।

**सबसे युवा विधायक**-रविन्द्र सिंह भाटी (25 वर्ष) (शिव विधानसभा सीट)

**सबसे बुजुर्ग विधायक**-1. दीपचंद खैरिया (83 वर्ष) (किशनगढ़ बाल विधानसभा सीट)
2. हरिमोहन शर्मा (83 वर्ष) (बूंदी विधानसभा सीट)

## मिजारेम

कुल सीटें- 40
बहुमत- 21
जेड़पीएम - 27 सीटें (2018- 8 सीटें)
एमएनएफ- 10 सीटें (2018 - 26 सीटें)
भाजपा- 2 सीटें (2018 - 1 सीट)
कांग्रेस- 1 सीट (2018 - 5 सीटें)
मुख्यमंत्री-लालदुहोमा (जोराम पीपुल्स मूवमेंट जेडपीएम)

## मध्यप्रदेश

**कुल सीटें** - 230
बहुमत- 116 मोहन यादव (मालवा विधानसभा क्षेत्र)

भाजपा- 163 सीटें (2018 - 109 सीटें)
48.5% वोट प्राप्त हुए।
71% सीटे जीती।
**अन्य** - 1 सीट (2018 - 7 सीटें)
**मतदान तिथि**- 17 नवम्बर 2023
**परिणाम** - 3 दिसम्बर 2023

## छत्तीसगढ़

कुल सीटें- 90 मुख्यमंत्री - विष्णुदेव साय (कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र)
बहुमत- 46
भाजपा- 54 सीटें (2018 - 15 सीटें)
कांग्रेस- 35 (2018 -68 सीटें)
अन्य - 1 सीट (2018 - 7 सीटें)

भाजपा की यहाँ सबसे बडी जीत है; पहली बार भाजपा ने 50 से अधिक सीटं जीती है।

**मतदान तिथि**- प्रथम चरण - 7 नवंबर
द्वितीय चरण - 17 नवंबर
परिणाम - 3 दिसंबर

## तेलंगाना

कुल सीटें- 119

बहुमत- 60

भाजपा- 8 सीटें (2018 - 1 सीट)

कांग्रेस- 64 (2018 -19 सीटें)

बीआरएस- 39 (2018 - 88)

अन्य - 8 सीट (2018 - 7 सीटें)

मुख्यमंत्री - रेवंत रेड्डी (कांग्रेस)

मतदान तिथि- 30 नवंबर

परिणाम - 3 दिसम्बर

| चुनाव परिणाम | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **राजस्थान** | **मध्यप्रदेश** | **छत्तीसगढ़** | **तेलंगाना** |
| **सीटें** | 199 | 230 | 90 | 119 |
| **बहुमत** | 100 | 116 | 46 | 60 |
| **भाजपा** | 115 | 163 | 54 | 8 |
| **कांग्रेस** | 69 | 66 | 35 | 64 |
| **अन्य** | 15 | 01 | 01 | |

### राजकॉप मोबाइल एप

- राजकॉप एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो विशेष रूप से अधिकृत राजस्थान पुलिस अधिकारियों के लिए डिजाइन किया गया है।
- इसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है जैसे कि बीट ड्यूटी ट्रैकिंग, फोटो और वीडियो साक्ष्य संग्रह, वाहन पंजीकरण संख्या द्वारा वाहन और मालिक का विवरण आदि।
- राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक परामर्श संगठन है जो राजस्थान सरकार के तत्वावधान में संचालित होता है। इन्होंने राजस्थान पुलिस के लिए राजकॉप ऐप विकसित किया है।

### स्नेक पार्क, कोटा

- कोटा का स्नेक पार्क बूंदी रोड के पास हर्बल पार्क में स्थित है।
- इस पार्क को बनाने में कुल 7.42 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।
- इन दुर्लभ सांपों को अनुकूल वातावरण देने और आगंतुकों की सुरक्षा के लिए एक विशेष कांच का कमरा बनाया गया है।

''स्नेक पार्क कोटा'' में आप इंडियन कोबरा, ट्रिंकेट स्नेक, केट स्नेक, ब्रांडेड कुकरी, वुल्फ स्नेक जैसे 33 भारतीय और अमेरिकी सांप देख सकेंगे।

# 5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

## तेजस एवं प्रचंड हेलीकॉप्टर मेगा डिफेंस डील:-

- चीन और पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों पर दोहरी सामरिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए 'रक्षा अधिग्रहण परिषद्' द्वारा 2.23 लाख करोड़ रूपये की रक्षा खरीद को मंजूरी दी।
- इसमें 98% खरीद स्वदेशी कंपनियों से होगी।
- सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तानी एयरोनॉटिक लिमिटेड (HAL) से 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस MK-1A की खरीद को मंजूरी दी गइ।
- साथ ही 156 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड के खरीद प्रस्ताव भी मंजूर किए गए।
- इंडियन फिल्ड गन के स्थान पर टोल्ड गन सिस्टम लिया जायेगा।
- 155 मिमी आर्टलरी गन की जगह 155 मिमी नबलेस प्रोजेक्टाईल को मंजूरी दी।
- T–90टैंकों के लिए स्वचालित ट्रेकर 'लक्ष्य' की खरीद को मंजूरी।

### तेजस

- लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) तेजस एक भारतीय सिंगल-इंजन, चौथी पीढ़ी का, मल्टीरोल लाइट फाइटर है जिसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी(ADA) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के एयरक्राफ्ट रिसर्च एंड डिजाइन सेंटर (ARDC) के सहयोग से डिजाइन किया है।
- इस 2003 में, को आधिकारिक तौर पर 'तेजस' नाम दिया गया था।

### लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट क्या है?

- लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) एक हल्का, मल्टीरोल जेट/टर्बोप्रॉप सैन्य विमान है जिसे हल्के युद्ध में शामिल होने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह आमतौर पर उन्नत ट्रेनर डिजाइनों से लिया गया है और इसका उपयोग हल्के हमले या हमले के मिशन, टोही, हस्तक्षेप भूमिकाओं या ट्रेनर भूमिकाओं के लिए किया जा सकता है।
- एलसीए आमतौर पर अमेरिकी एफ-18, एफ-15ई स्ट्राइक ईगल या रूसी मिग-29 जैसे बड़े मल्टीरोल या स्ट्राइक विमान की तुलना में धीमा है।
- अधिकांश हल्के लड़ाकू विमान केवल सबसोनिक गति में सक्षम हैं, हालांकि कुछ मैक 1+ तक पहुंचने में सक्षम हैं।
- भारतीय वायु सेना का एलसीए तेजस हल्के लड़ाकू विमान का एक उदाहरण है।

### टोड गन सिस्टम:-

- यह एक 155 मिमी का उन्नत आर्टिलरी गन सिस्टम है।
- इसका निर्माण DRDO द्वारा पुरानी आर्टिलरी गनों को प्रतिस्थापित करने हेतु किया गया।

### प्रथम सर्वेक्षण पोत: संध्याक

- प्रथम भारतीय नौसेना सर्वेक्षण पोत संध्याक 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना को सौंपा गया।
- निर्माता- गार्डनरीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (कोलकत्ता)
- 30 अक्टूबर 2018 का 4 सर्वेक्षण पोतों का अनुबंध हुआ था, यह उनमें से प्रथम है।

### विशेषता-

i) दो डीजल इंजनों द्वारा संचालित।
ii) गति- 18 समुद्री मील
iii) इसमें 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का प्रयोग हुआ है।

## JT–60SA:-

### क्या है?

- यह एक संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय फ्यूजन प्रयोग हैं जिसे जापान और यूरोप द्वारा (नाका, जापान) में निर्मित एवं संचालित किया जा रहा है।

- इसमें प्लाज्मा ऑपरेशन के उन्नत तरीकों का अध्ययन किया जाएगा।

**फ्यूजन क्या है?**

- फ्यूजन (संलयन) से आशय दो या दो से अधिक परमाणु नाभिकों के मिलन से नए भारी नाभिक का निर्माण होना।

## INS इंफाल को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया

- भारतीय नौसेना जहाज इंफाल (पेनांट डी68) को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- यह आईएनएस विशाखापत्तनम श्रेणी के चौथे स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक में से तीसरा है।
- यह एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक एक विध्वंसक है जिसका प्राथमिक हथियार निर्देशित मिसाइलें हैं ताकि वे बेड़े के लिए विमान-रोधी युद्ध स्क्रीनिंग प्रदान कर सकें।
- परियोजना 15-बी के तहत निर्मित, जो कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक (परियोजना 15 ए के तहत) के उन्नत संस्करण बनाएगा।
- परियोजना 15बी के तहत विध्वंसकों की सूची
  1- आईएनएस विशाखापत्तनम
  2.-आईएनएस मोरमुगाओ
  3- आईएनएस इंफाल
  4- आईएनएस सूरत
- सभी जहाज मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएसएल) द्वारा निर्मित।
- पहला विध्वंसक का नाम भारत के उत्तर पूर्वी शहर के नाम पर रखा गया है।

## आकाश का दम; भारत एक फायरिंग यूनिट से 4 लक्ष्य भेदने वाला पहला देश

- आकाश असुरक्षित क्षेत्रों और संसाधनों को हवाई हमलों से बचाने के लिए एक कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
- आकाश हथियार प्रणाली समूह मोड या स्वायत्त मोड में एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला कर सकती है।
- इसमें इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेजर्स (इसीसीएम) विशेषताएं शामिल है।
- आकाश हथियार प्रणाली को मोबाइल प्लेटफॉर्म पर कॉन्फिगर किया गया है अर्थात् यह एक स्थान से दूसरे स्थान पर वाहनों के द्वारा लगाया जा सकता है।
- इसका निर्माण रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।
- डीआरडीओ ने कहा है कि भारत विश्व का पहला देश है जिसने एक फायरिंग यूनिट का उपयोग करके कमांड मार्गदर्शन द्वारा 25 किमी. की दूरी पर एक ही समय में चार हवाई लक्ष्यों को भेदने में सक्षम प्रणाली बनाई है।

## इसीसीएम (ECCM) क्या है?

- इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-काउंटर मेजर्स (इसीसीएम) इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का एक हिस्सा है जिसका उद्देश्य वाहनों, जहाजों, विमानों और मिसाइलों जैसे हथियारों पर लगे इलेक्ट्रॉनिक सेंसरों पर इलेक्ट्रॉनिक काउंटरमेजर्स (ईसीएम) के प्रभाव को कम करना या समाप्त करना है।

## डीआरडीओ (DRDO)

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) भारत सरकार का अनुसंधान और विकास (R & D) विंग है जिस पर सेना के अनुसंधान और विकास का प्रभार है।
- डीआरडीओ की स्थापना 1958 में भारतीय सेना के तकनीकी विकास प्रतिष्ठान (Technical Development Establishment) और तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय (Directorate of Technical Development & Production (DTDP) के साथ रक्षा विज्ञान संगठन (Defence Science Organization) से हुई थी।

- डीआरडीओ के पास वैमानिकी (aeronauties), आयुध (armaments), इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग सिस्टम, उन्नत कंप्यूटिंग (advanced computing), सिमुलेशन इत्यादि जैसे विभिन्न विषयों में प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए 50 से अधिक प्रयोगशालाएं है।
- डीआरडीओ भारत का सबसे विविध अनुसंधान संगठन है।
- मुख्यालय:- डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली

## भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल)

- बीडीएल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। इसे 16 जुलाई, 1970 को हैदराबाद, तेलंगाना में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए निर्देशित मिसाइल प्रणालियों और संबद्धित उपकरणों के विनिर्माण आधार के रूप में शामिल किया गया था।
- विश्व में अन्य देशों द्वारा विकसित वायु सुरक्षा प्रणाली है:-
- थाड़ (THAAD - टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस)- यूएसए (USA)
- पैट्रियट - यूएसए (USA)
- S-400 ट्रायम्फ - रूस
- रेपियर - यूनाइटेड किंगडम
- आयरन डोम - इसराइल
- डेविड्स स्लिंग - इसराइल
- HQ-9 - चीन
- HQ-19 - चीन
- सैयद-3-ईरान
- हिसार-ए-तुर्की

## रोबोनॉट 2

- 2011 से, रोबोनॉट परियोजना ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर रोबोटिक्स तकनीक पर शोध किया है।
- 2014 में, मूल ह्यूमनॉइड रोबोट को अपग्रेड प्राप्त हुआ, जिसमें क्लाइंबिंग मैनिपुलेटर्स, अधिक शक्तिशाली प्रोसेसर और नए सेंसर शामिल थे।
- रोबोनॉट 2 (आर2) को अपग्रेड के बाद ऑर्बिट चेकआउट अभ्यास से गुजरना पड़ा, जबकि ग्राउंड-आधारित प्रौद्योगिकी विकास **एक्टिव रिड्यूस्ड ग्रेविटी ऑफलोड सिस्टम** (**ARGOS**) के माध्यम से जारी रहा।
- यह प्रणाली जॉनसन स्पेस सेंटर में समान रोबोटों का उपयोग करके आईएसएस पर रोबोट परीक्षण के पूर्ण संचालन को सक्षम बनाती है।
- आर2 2018 में जेएससी में लौट आया, परियोजना का लक्ष्य आईएसएस पर एक पूर्ण-विशेषताओं वाले रोबोटिक्स अनुसंधान मंच स्थापित करना और भविष्य के अन्वेषण मिशनों के लिए प्रौद्योगिकी तत्परता को बढ़ावा देना है।

## नौसेना ने विशेष अभियानों के लिए भारत में निर्मित समुद्री रथ (Undersea Chariots) प्राप्त करने की योजना बनाई है

- भारतीय नौसेना विशेष समुद्री अभियानों के लिए अपने समुद्री कमांडो (MARCOS) की क्षमताओं को आधुनिक बनाने और मजबूत करने के प्रयासों के तहत स्वदेशी रूप से निर्मित तैराक डिलीवरी वाहनों (Swimmer Delivery Vehicles) - जिन्हें समुद्री रथ और बौनी पनडुब्बियों के रूप में भी जाना जाता है - हासिल करने की योजना बना रही है।

## समुद्री रथ (Undersea Chariots)

- **विवरण:** विश्व की लगभग सभी उन्नत नौसेनाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले अत्यधिक विशिष्ट प्लेटफ़ॉर्म।
- **स्व-चालित वाहन:** इन्हें जहाज़ों या पनडुब्बियों से लॉन्च किया जा सकता है, यह उनके आकार और उनके द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाओं पर निर्भर करता है।
- **ऐतिहासिक उपयोग:** द्वितीय विश्व युद्ध में, मानव संचालित टॉरपीडो को रथ के रूप में संदर्भित किया गया था।
- **ऑपरेशन:** मुख्यतः उथले पानी में।
- **कार्य**
  - उथले पानी की निगरानी
  - प्रतिद्वंद्वी के तटीय प्रतिष्ठानों और बंदरगाह में उनके जहाजों पर हमला करना।

- जहां उथले पानी के कारण पनडुब्बियां नहीं पहुंच पाती हैं, वहां समुद्री कमांडो को प्रतिद्वंद्वी के बंदरगाह के करीब के क्षेत्रों तक पहुंचने की अनुमति देता है ।
- संचालन क्षेत्रों में हथियारों और उपकरणों के परिवहन में सहायता।

**मरीन कमांडो (MARCOS)**

- **आधिकारिक नाम:** मरीन कमांडो फोर्स (एमसीएफ)
- **इसके बारे में:** भारतीय नौसेना की एक विशेष बल इकाई जो विशेष अभियानों के संचालन के लिए जिम्मेदार है।
- **स्थापना:** फरवरी 1987.
- **संचालन:** MARCOS सभी प्रकार के वातावरण में संचालन करने में सक्षम हैं; समुद्र में, हवा में और ज़मीन पर।
- **नवीनतम ऑपरेशन:** मार्कोस नियमित रूप से झेलम नदी और वुलर झील के माध्यम से जम्मू और कश्मीर में विशेष समुद्री अभियान चलाते हैं।

**दक्षिण एशिया का प्रथम एवं उन्नत सायबर नाईफ 'एफ आई एम' रोबोटिक रेड़ियो सर्जरी सिस्टम लांच:-**

- हाल ही में भारत में द.एशिया का प्रथम एवं उन्नत सायबर नाईफ 'एफ आई एम' रोबोटिक सर्जरी सिस्टम लॉन्च किया गया।
- भारत में स्वास्थ्य सेवा में नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा हैं।
- अपोलो कैंसर सेंटर (चैन्नई) सायबर नाईफ में प्रमाणित फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाला देश का प्रथम मान्यता प्राप्त केन्द्र बना।

**सायबर नाईफ:-**

- यह प्रणाली कैंसरग्रस्त और गैर कैंसर ग्रस्त ट्यूमर एवं अन्य स्थितियों को सहजता में उपचारित करने वाली व्यवस्था है।
- यह सर्जरी का एक विकल्प समझा जा सकता है।
- यह उपचार साधारणत: 1 से 5 सत्रों में किया जाता है।
- यह एक बाह्य बीम विकिरण चिकित्सा प्रणाली है।

**स्कोप:-**

- एआई बेस्ड स्कोप फॉर टारगेट एक्विजिशन एंड एंगेजमेंट विकसित किया गया।
- इसका विकास लेफ्टिनेंट कर्नल 'निपुण सिरोही' द्वारा किया गया।
- इसका डे कैमरा 300 मीटर तक के लक्ष्य का पता लगाने में मदद करता है।
- यह एआई अल्गोरिदम लक्ष्य को सटीकता से भेदने में मदद करता है।

**एन्वायरमेंटल कंट्रोल और लाइफ सपोर्ट सिस्टम (ईसीएलएसएस): गगनयान**

- इसरो गगनयान के लिए एन्वायरमेंटल कंट्रोल और लाईफ सपोर्ट सिस्टम का स्वदेशी रूप से निर्माण करेगा।
- इसरो द्वारा यह फैसला अन्य देशों से सहयोग ना मिलने के कारण लिया गया।
- इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहाँ कि भारत अपनी मौजूदा तकनीक और टैलेंट से ईसीएलएसएस को भारत में विकसित करने जा रहा है।
- गगनयान मिशन 2025 में तीन दिवसीय मिशन होगा जिसमें मानव समूह को 400 किमी. की ऊचाँई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और उन्हें सुरक्षित वापस लाने का लक्ष्य होगा।

**एन्वायरमेंट कंट्रोल और लाईफ सपोर्ट सिस्टम:-**

- यह सिस्टम केबिन की हवा से कार्बन डाई ऑक्साइड को हटाकर ऑक्सीजन प्रदान करता है।
- यह केबिन की हवा से सूक्ष्मजीवों व अन्य कणों को फिल्टर करता है।
- यह केबिन के तापमान, आर्द्रता और दाब को नियमित व नियंत्रित करता है।
- विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जल को पुर्नचक्रित कर शुद्ध कर वापस पीने योग्य जल में बदलता है।
- **माइकोप्लाज्मा निमोनिया:**-3 नवम्बर 2023 को चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग द्वारा एक राष्ट्रव्यापी श्वसन संबंधित बीमारी माइकोप्लाज्मा निमोनिया की जानकारी WHO को दी गई।

## चंद्रयान-3 प्रोपल्शन मॉड्यूल पृथ्वी की कक्षा में लौटा

- हाल ही में वैज्ञानिकों द्वारा चंद्रयान- 3 मिशन के प्रोपल्शन मॉड्यूल (PM) को सफलतापूर्वक वापिस लाया गया, जो विक्रम लैंडर को अलग होने से पहले चंद्रमा की सतह के 100 किमी. के भीतर ले आया।
- इस ऐतिहासिक घटना में चंद्रमा की सतह पर नियंत्रित लैंडिंग तथा पृथ्वी कक्ष में सफल वापसी शामिल थी।

## Google ने तीन आकारों के साथ नया AI मॉडल जेमिनी लॉन्च किया

- Google का सबसे सक्षम, लचीला और सामान्य AI मॉडल, जेमिनी हाल ही में दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया गया।

### Google जेमिनी

- **इसके बारे में:** यह मल्टीमॉडल है जिसका अर्थ है कि यह उस प्रकार की जानकारी तक सीमित नहीं है जिसे यह संसाधित कर सकता है और टेक्स्ट, कोड, ऑडियो, छवि और वीडियो पर काम, समझ और संचालित कर सकता है।
- **ChatGPT से ज्यादा फायदेमंद:** चूंकि ChatGPT इस समय वीडियो पर काम नहीं कर सकता है, कम से कम मूल रूप से तो नहीं।
- **विशेषताएं:** कंपनी का दावा है कि यह दुनिया की सबसे लोकप्रिय प्रोग्रामिंग भाषाओं, जैसे पायथन, जावा, सी++ और गो में उच्च गुणवत्ता वाले कोड को समझ, समझा और उत्पन्न कर सकता है।

## Web 3.0:-

- यह इंटरनेट की तीसरी पीढ़ी है जो ब्लॉक चेन सेवा पर आधारित एक विकेन्द्रीकृत व्यवस्था हैं, जिसमें सूचना विभिन्न नोड्स में विभाजित होती हैं एवं सूचना डालने वाला ही उस सूचना का मालिक होता है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किया गया है।

### Web 1.0 तथा Web 2.0 से Web 3.0 की भिन्नता:-

- Web 1.0 में सूचना को मात्र पढ़ा जा सकता था तथा उसमें इमेज का प्रयोग करना संभव नहीं था, केवल टेक्स्ट फॉर्म उपयोग में होती थी।
- Web 2.0 में सूचना को पढ़ने के साथ-साथ उसमें इमेज एवं इफेक्ट्स डाले जा सकते थे परन्तु इसमें सूचना का मालिक वो प्लेटफॉर्म होता था जिस प्लेटफॉर्म पर सूचना डाली गई है। इन सबकी कमियों को दूर करते हुए Web 3.0 में सूचना एक सर्वर पर स्टोर ना होकर पृथक-पृथक नोड्स मे विभाजित होती हैं, जिसके डाटा पर पूरा कंट्रोल सूचना दाता का होता हैं तथा कंपनियों को ये डाटा इस्तेमाल करने के लिए सूचना प्रदाता की सहमति आवश्यक हैं।

## VINBEX – 2023:-

- यह भारत और वियतनाम के मध्य द्विपक्षीय युद्धाभ्यास है।
- इसका चौथे संस्करण का आयोजन 11-21 दिसम्बर तक हनोई (वियतनाम) में हुआ।
- भारत की तरफ से सशस्त्र बलों की ओर से 45 सैनिको की टुकड़ी गई तथा जापान की ओर से भी पीपुल्स आर्मी की ओर से 45 सैनिकों की टुकड़ी शामिल रहीं।
- यह युद्धाभ्यास वर्ष 2018 में प्रारंभ हुआ तथा प्रथम संस्करण जबलपुर (मध्यप्रदेश) में हुआ था।
- इसका तीसरा संस्करण 2022 में चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में हुआ।
- यह युद्धाभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर ऑन पीस कीपिंग ऑपरेशन के चेप्टर-7 के तहत आपसी सहयोग को बढ़ावा देने हेतु किया जाता है।

## अस्त्रशक्ति-2023

- एक्स अस्त्रशक्ति 2023 एक भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित सैन्य अभ्यास था।
- इसका आयोजन 12 दिसंबर, 2023 को आंध्रप्रदेश के सूर्यलंका वायुसेना स्टेशन में हुआ।
- अभ्यास के दौरान, भारतीय वायु सेना ने आकाश हथियार प्रणाली (एडब्लूएस-AWS) की क्षमताओं का प्रदर्शन किया।
- इसके अलावा सतह से वायु सुनिश्चित प्रतिशोध (SAMAR- Suface to Air Missile for Assured Retaliation) का सफल परीक्षण भी किया।
- अभ्यास के दौरान स्वदेशी आकाश मिसाइल प्रणाली की मारक क्षमता का प्रदर्शन किया गया, जहां एक ही फायरिंग यूनिट ने एक साथ चार मानवरहित लक्ष्यों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया।

## कमेलियन मैलवेयर

- कमेलियन एंड्रॉइड मैलवेयर एक बैंकिंग ट्रोजन है जो बायोमेट्रिक सुरक्षा को अक्षम कर सकता है और पिन और डेटा चुरा सकता है।
- यह लोगों को एक्सेसिबिलिटी सेवाओं को चालू करने के लिए बरगलाता है, जो फिर हमलावरों को फोन को बायोमेट्रिक से पिन लॉक में बदलने की अनुमति देता है।
- यह प्रभावी रूप से फिंगरप्रिंट अनलॉक को बायपास करता है और आपका पिन चुरा लेता है। कृपया ऐप्स डाउनलोड करते समय सावधान रहें, विशेषकर अनौपचारिक स्रोतों से।

## मैलवेयर क्या होता है ?

- मैलवेयर एक शब्द है जो किसी भी सॉफ्टवेयर को संदर्भित करता है जो कंप्यूटर, डिवाइस या नेटवर्क को नुकसान पहुंचाने या बाधित करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- मैलवेयर के अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं, जैसे डेटा चोरी करना, सिस्टम को लॉक करना, फाइलों को नष्ट करना, या बिना अनुमति के संसाधनों का उपयोग करना।
- कुछ सामान्य प्रकार के मैलवेयर हैं वायरस, वॉर्म, ट्रोजन, स्पाइवेयर, एडवेयर और रैंसमवेयर।

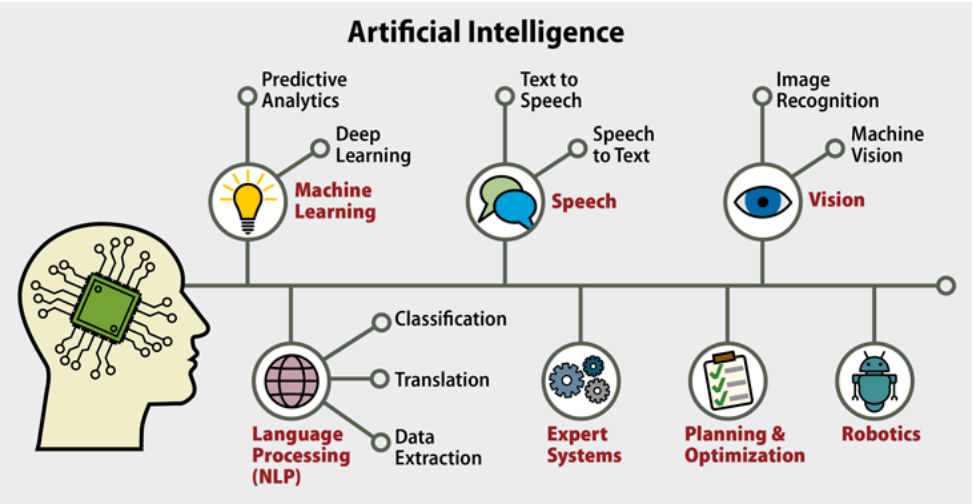


**WHOद्वारा माइको प्लाज्मा निमोनिया परजारी गाइडलाइन:-**

i यह बीमारी वयस्कों की तुलना में बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर रही है।

ii. जुखाम एवं बुखार इसके सामान्य लक्षण है।

iii. सतर्कता के तौर पर मरीज को क्वरंटाईन करने के साथ ऑक्सीजन उपलब्धता, एंटी बायोटिक्स एवं इंफ्लूऐंजा टीके की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

- **माइकोप्लाज्मा क्या हैं**-ये एक प्रौकैरियोटिक जीव हैं जिनमें कोशिका भित्ति का अभाव होता है। इन्हें मोनेरा वर्ग में शामिल किया गया है। ये ऑक्सीजन के बिना भी जीवित रह सकते हैं तथा एंटोबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं।

**माइकोप्लाज्मा निमोनिया एवं परम्परागत निमोनिया में अंतर:-**

- सामान्य निमोनिया सूक्ष्म जीवों के द्वारा फैलता हैं जबकि माइकोप्लाज्मा निमोनिया एमनिमोनिया नामक बैक्टीरिया से फैलता है।
- सामान्य निमोनिया में बलगमयुक्त खांसी तथा फेफड़ों में सूजन आ जाती हैं जबकि माइकोप्लाज्मा निमोनिया में लंबी सूखी खांसी के साथ फेफड़ों में तरल पदार्थ अथवा मवाद की शिकायत रहती है।

## IISER भोपाल के शोधकर्ताओं ने जामुन के पहले जीनोम अनुक्रमण का संचालन किया

- भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर भोपाल) के शोधकर्ताओं ने हाल ही में जामुन के पेड़ (साइजियम क्यूमिनी) का पहला जीनोम अनुक्रमण पूरा किया है।

### जीनोम अनुक्रमण

- **जीनोम में अंतर:** जबकि बेस पेयर का अनुक्रम या क्रम अन्य प्रजातियों की तुलना में सभी मनुष्यों में

समान होता है, प्रत्येक मनुष्य के जीनोम में अंतर होता है जो उन्हें अद्वितीय बनाता है।

- **जीनोम अनुक्रमण:** मानव के आनुवंशिक फ़िंगरप्रिंट को डिकोड करने के लिए, बेस पेयर के क्रम को समझने की प्रक्रिया।
- **महत्व:** किसी जीव के जीनोम के संपूर्ण डीएनए अनुक्रम को निर्धारित करने में मदद करता है।
- **अगली पीढ़ी की अनुक्रमण (NGS):** यह बड़ी मात्रा में डीएनए की तीव्र, सटीक और लागत प्रभावी अनुक्रमण की अनुमति देता है।

## मानव जीनोम परियोजना (HGP)

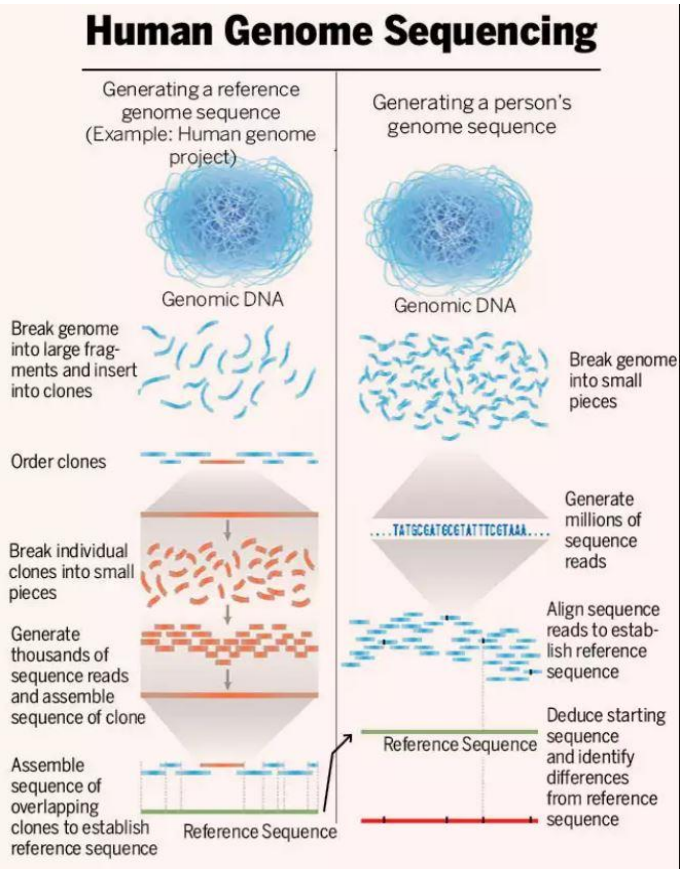


- **शुरुआत:** 1990 में, वैज्ञानिकों के एक समूह ने मानव जीनोम के पूरे अनुक्रम को निर्धारित करने पर काम करना शुरू किया।
- **नवीनतम संस्करण:** परियोजना ने 2023 में 0.3% त्रुटि मार्जिन के साथ पूर्ण मानव जीनोम का नवीनतम संस्करण जारी किया।
- **महत्व:** यह औसत मानव जीनोम से अंतर की पहचान करने के लिए किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत जीनोम को पढ़ने की सुविधा प्रदान करता है।
- **महत्व:** ये अंतर या उत्परिवर्तन हमें प्रत्येक मानव की किसी बीमारी के प्रति संवेदनशीलता या भविष्य की संवेदनशीलता, किसी विशेष उत्तेजना के प्रति उनकी प्रतिक्रिया या संवेदनशीलता आदि के बारे में बता सकते हैं।

## एंथ्रेक्स

- यह एक अत्यधिक संक्रामक रोग है जो बैसिलस एन्थ्रेसीस नामक ग्राम-पॉजिटिव, रॉड के आकार के जीवाणु के कारण होता है जो गाय, भेड़ और बकरियों के साथ-साथ जंगली शाकाहारी जानवरों को भी प्रभावित करता है। यह मनुष्यों में संक्रमित जानवरों या दूषित पशु उत्पादों के संपर्क में आने से फ़ैल सकता हैं। यह जीवाणु प्राकृतिक रूप से मृदा में भी पाया जाता है।

## व्हाईट लंग सिंड्रोम

- हाल ही में ओहियो (अमेरिका) में व्हाईट लंग सिंड्रोम का पहला मामला देखा गया।
- यह प्रमुखत: बच्चों का प्रभावित करता है।
- इसकी पहचान प्रभावित मरीज की एक्स-रे निकालने पर होती हैं जिसमें छाती में सफेद-सफेद धब्बे नजर आने लगते है।
- इससे प्रभावित होने के बाद फेफड़ों में सफेद रंग के पैच नजर आने लगते हैं। इस बीमारी की वजह से फेफड़ों में सूजन आ जाती है, जिस वजह से फेफड़ों और सांस की नली में समस्या हो सकती है। यह बैक्टीरिया, वायरल और पर्यावरणीय कारकों के संयोजन के कारण होता है।

## DRESS सिंड्रोम

- DIHS (**ड्रग** इंड्यूस्ड हाइपरसेंसिटिविटी सिंड्रोम) के रूप में भी जाना जाता है, यह एक प्रकार की दवा एलर्जी है जो विभिन्न प्रकार की दवाओं की प्रतिक्रिया के रूप में हो सकती है। यह गलत दवा शुरू करने के 2 से 8 सप्ताह के बीच, विविध प्रकार के बीमारी के लक्षणों का कारण बनता है।

## नोरोवायरस

- यह एक अत्यंत संक्रामक वायरस है जो मतली, उल्टी और दस्त का कारण बनता है जो सभी उम्र के लोगों को संक्रमित कर सकता है। यह एक आवर्ती बीमारी है क्योंकि नोरोवायरस कई प्रकार के होते हैं। एक प्रकार के नोरोवायरस से संक्रमण अन्य प्रकारों के विरुद्ध प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकता है।

## एलीफैंट एंडोथिलियोट्रोपिक हर्पीस वायरस

- यह एक डबल-स्ट्रैंडेड डीएनए वायरस है जिसे हर्पीस विरिडे परिवार में वर्गीकृत किया गया है। यह जंगली

और पालतू किशोर एशियाई और अफ्रीकी हाथियों में तीव्र, घातक रक्तस्रावी बीमारी का एक प्रमुख कारण है। यह संक्रमित हाथियों के शरीर के तरल पदार्थ (लार, त्वचा के घावों से स्राव, आदि) के सीधे संपर्क से फैलता है। यह युवा हाथियों (1-12 वर्ष की आयु के बीच) के लिए घातक है।

## पोम्पे रोग

- दुर्लभ आनुवांशिक विकार से पीड़ित भारत की पहली मरीज निधि की लगभग छह साल अर्ध-कोमा की स्थिति में बिताने के बाद 9 नवंबर को मृत्यु हो गई।

**पोम्पे रोग/ ग्लाइकोजन स्टोरेज डिजीज टाइप II**

- **विवरण:** एंजाइम एसिड अल्फा-ग्लूकोसिडेज़ (जीएए) की कमी के कारण होने वाला एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार।
- **एंजाइम का महत्व:** कोशिकाओं के लाइसोसोम के भीतर ग्लाइकोजन को ग्लूकोज में तोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है।
- **व्यापकता:** अनुमान 40,000 में 1 से लेकर 300,000 जन्मों में 1 तक है।
- **निदान:** बहुआयामी दृष्टिकोण
  - **एंजाइम एसे :** कमी वाले एंजाइम एसिड अल्फा-ग्लूकोसिडेज़ (जीएए) की गतिविधि को मापने के लिए।
  - **आनुवंशिक परीक्षण:** जिम्मेदार GAA जीन में उत्परिवर्तन की पहचान करना।
  - **क्लिनिकल मूल्यांकन:** रोगी के लक्षणों और चिकित्सा इतिहास पर विचार करना।

**पोम्पे रोग किसी व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है?**

- **मांसपेशियों में कमजोरी**
- **मोटर कौशल में देरी**
- **हड्डियों पर अपक्षयी प्रभाव**
- **श्वसन संबंधी जटिलताएँ**
- **हृदय संबंधी रोग**
- **हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी**

**दैनिक जीवन पर प्रभाव**

# 6 इंडेक्स एवं रिपोर्ट्स

## नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) रिपोर्ट-2022

- इसके 36 राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
- इसके अनुसार देश में होन वाले समग्र अपराध में कमी आई है।
- 2022 में कुल आपराधिक मामलों की संख्या 25,24,956 रहीं।
- 2021 की तुलना में 2022 में आपराधिक मामलों में 4.5% की कमी हुई।
- देश में आर्थिक अपराध 2021 की तुलना में 11.1% बढ़कर 1.93 लाख दर्ज हुए।
- दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान सबसे ऊपर रहा, 2021 की तुलना में 4% बढ़ोतरी के साथ 2022 में 4.45 लाख मामले सामने आये।

**दुष्कर्म अपराध में राज्यों की स्थिति-**

1. राजस्थान - 5399 मामले
2. उत्तरप्रदेश - 3690 मामले
3. मध्यप्रदेश - 3029 मामले

- बुजुर्ग अपराध 2021 की तुलना में 9.3% वृद्धि के साथ 2022 में 28545 मामले दर्ज हुए।
- महानगरों में महिला असुरक्षा में क्रम:-
  - (i) दिल्ली - 14,158 मामले
  - (ii) मुम्बई - 6176 मामले
  - (iii) बैंगलुरू - 3924 मामले

**बाल अपराध-**

- कुल मामले- 1,62,449 [2021 की तुलना में 8.7% अधिक]

**सर्वाधिक अपराध श्रेणी-**

- अपहरण -45.7%
- पोक्सो -39.7%
- प्रति लाख बाल अपराध 2021 की तुलना में 3% वृद्धि के साथ 2022 में 36.6 हो गये।

**आत्महत्या मामले:-**

- कुल मामले- 13000

**राज्यों की स्थिति-**

महाराष्ट्र - 378 मामले
मध्यप्रदेश - 277 मामले
झारखण्ड - 174 मामले

**SC/ST अपराध मामले:-**

- SC लोगों से अपराध गतवर्ष से 13.1% बढ़कर 57582 हुए जबकि 2021 में 50,900 थे।
- ST लोगों से अपराध 2021 की तुलना में 14.3% वृद्धि के साथ 10064 हुए।
- राजस्थान में सर्वाधिक 7554 मामले दर्ज हुए।

**हत्या मामले:-**

- हत्या के मामलों में 2021 की तुलना में 2.5% की कमी हुई।
- हत्या के कुल मामले 2022 में 28,522 दर्ज हुए।
- 3761 हत्याओं की वजह बदला या दुश्मनी रही।

**कृषि से संबंधित अपराध:-**

- NCRB के अनुसार 2022 में 11290 खेतीहर मजदूरों या किसानों ने जान दी।
- प्रतिदिन 30 किसानों ने अपनी जान गंवाई।
- 2021 की तुलना में 3.7% वृद्धि हुई है।

**राज्यों की स्थिति-**

प्रथम - महाराष्ट (38% मामले)
द्वितीय- कर्नाटक
तृतीय - आंध्रप्रदेश

**भ्रष्टाचार:-**

- देश में भ्रष्टाचार के मामलों में 2021 की तुलना में 10.5% वृद्धि के साथ 4139 मामले दर्ज हुए।

**राज्यों की स्थिति-**

प्रथम - महाराष्ट्र (773 मामले)
द्वितीय - राजस्थान (511 मामले)
तृतीय - कर्नाटक (389 मामले)

**विदेशी नागरिक अपराध:-**

- 2021 की तुलना में 20% वृद्धि के साथ कुल 192 मामले दर्ज हुए।

**राज्यों की स्थिति-**

प्रथम- कर्नाटक (28 मामले)
द्वितीय- महाराष्ट्र एवं हिमाचल (21 मामले)
तृतीय- छत्तीसगढ़ (16 मामले)

**केन्द्रशासित प्रदेशों की स्थिति-**

- दिल्ली में सर्वाधिक 40 केस दर्ज हुए।

**साइबर अपराध में वृद्धि**

- साइबर अपराध में 24% की भारी वृद्धि देखी गई, जिसमें अधिकांश मामलों में धोखाधड़ी, जबरन वसूली और यौन शोषण शामिल हैं।
- अन्य अपराध, जैसे आर्थिक अपराध, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराध भी 2021 की तुलना में बढ़े हैं।

**रिपोर्ट के मुख्य बिंदु**

- **पिछले पांच वर्षों में साइबर अपराध के मामलों में 141% की वृद्धि:** वृद्धि स्थिर रही है: 2019 में 44,735 और 2020 में 50,035 मामले।
- **महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध:** साइबर पोर्नोग्राफी/अश्लील यौन सामग्री की मेजबानी/प्रकाशन के 14,409 मामले (21.8%) थे, जबकि बच्चों के खिलाफ 1,823 साइबर अपराध (2.7%) दर्ज किए गए थे।
- **अधिकतम. मामले:** तेलंगाना, कर्नाटक और यूपी
- **साइबर मामले लंबित:** भारतीय साइबर सेल के पास जांच के लिए 69,000 से अधिक मामले हैं , जबकि साइबर मामलों में आरोप-पत्र दाखिल करने की दर राज्यों में केवल 29.3% है।
- **क्रूरता, अपहरण, बलात्कार के केस बढ़े**
- **वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराध के मामले:** इनमें 9.3% की वृद्धि हुई।
- **अपराध दर में कमी:** प्रति लाख जनसंख्या पर दर्ज अपराध दर 2021 में 445.9 से घटकर 2022 में 422.2 हो गई है।

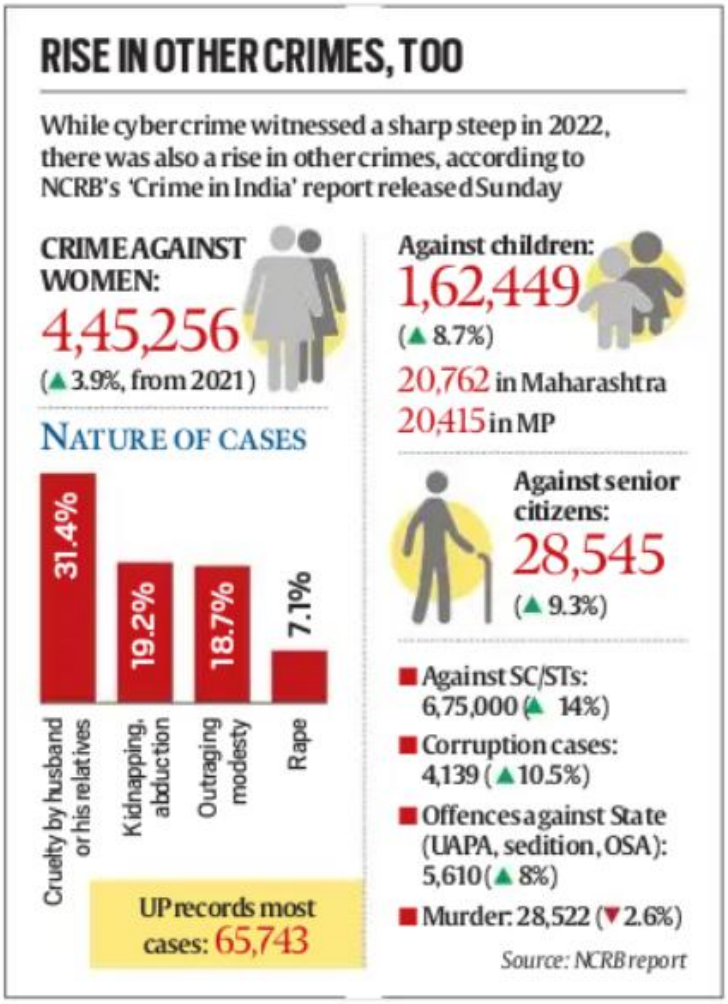


**NCRB क्या है?**

- NCRB भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक कार्यालय हैं।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- इसका कार्य राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के अपराधिक मामलों का रिकॉर्ड तैयार करना है।
- इसकी स्थापना 1986 में भारतीय पुलिस के आधुनिकीकरण व सूचना प्रौद्योगिकी में सशक्तिकरण के उद्देश्य से की गई थी।

**विश्व स्तर पर, भारत में मलेरिया के मामलों में गिरावट जारी: WHO रिपोर्ट**

- डब्ल्यूएचओ विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2023 के अनुसार, वैश्विक प्रवृत्ति के विपरीत, भारत में 2022 में मलेरिया के मामलों और मौतों में गिरावट देखी गई।

**रिपोर्ट के निष्कर्ष**

- पिछले साल भारत में लगभग 33 लाख मलेरिया के मामले थे और 5,000 मौतें हुईं।
- यह 2021 की तुलना में क्रमशः 30% और 34% की कमी दर्शाता है।
- वैश्विक स्तर पर, 2022 में 249 मिलियन मामले थे, जो 2021 की तुलना में 5 मिलियन अधिक हैं।
- वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामलों की संख्या पिछले लगभग एक दशक में कम हो गई है, जो 2000 में 243 मिलियन से घटकर 2019 में 233 मिलियन हो गई, और महामारी के दौरान बढ़ गई।
- 2020 में 11 मिलियन से अधिक मामले सामने आए जो 2021 में भी उतने ही रहे और 2022 में बढ़ गए।

- वैश्विक मलेरिया से होने वाली मौतों की संख्या भी अधिक थी: 2019 में 576,000 की तुलना में 2022 में 608,000 मौतें।

**मलेरिया**

- मलेरिया प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होने वाला रोग है।
- यह परजीवी संक्रमित मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैल सकता है।
- प्लाज़मोडियम परजीवी मादा एनोफ़ेलीज़ मच्छरों द्वारा फैलता है, जिन्हें "रात में काटने वाले" मच्छरों के रूप में जाना जाता है क्योंकि वे आमतौर पर शाम और सुबह के बीच काटते हैं।

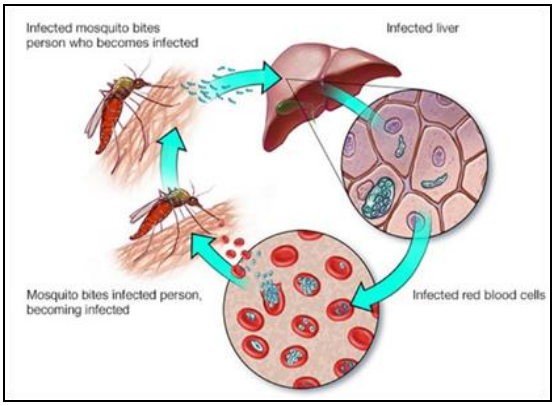


**नाम: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)**
- संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी
- गठन का वर्ष: 1948
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- क्षेत्र: स्वास्थ्य
- क्या भारत इसका सदस्य है: हाँ

**आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण आकंड़े:-**

- यह आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा सितम्बर तिमाही के लिए जारी किये गये।
- इसके अनुसार देश की शहरी बेरोजगारी 6.6% पर स्थिर रही।
- पुरुष बेरोजगारी दर जून माह के 5.9% से थोड़ा बढ़कर 6% हो गई।
- महिला बेरोजगारी दर 9% से घटकर 8.6% हो गई।
- 15-29 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर जून के 17.6% से घटकर 17.3% रही।
- शहरी बेरोजगारी में वर्ष 2022 की जून तिमाही की 12.6% दर के पश्चात् लगातार गिरावट देखी जा रही है।
- सितम्बर 2023 तक देश के कुल श्रमबल मे महिलाओं की भागीदारी 24% हो गई हैं जो गत वर्ष सितम्बर में 21.7% थी।

**राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO):-**

(i) इसकी स्थापना राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO), कम्प्यूटर केंद्र एवं केन्द्रोय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) का विलय करके की गई।

(ii) यह सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) के अधीन कार्य करता है।

**फोर्ब्स द्वारा जारी दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की लिस्ट:-**

- हाल ही में फोर्ब्स द्वारा विश्व की शक्तिशाली महिलाओं की लिस्ट जारी की।

**इनमें शीर्ष-**

- प्रथम-उर्सुला वॉनडेरलेयेन(प्रमुख, यूरोपीय आयोग)
- द्वितीय- क्रिस्टीनलेगार्ड(प्रमुख,यूरोपीयसेंट्रल बैंक)
- तृतीय- कमला हैरिस (उपराष्ट्रपति, अमेरिका)
- चतुर्थ- जियोर्जिया मेलोनी (प्रधानमंत्री, इटली)

**भारतीय महिलाएँ-**

- भारत की सर्वाधिक शक्तिशाली महिला- निर्मला सीतारमण (32वाँ स्थान)

**अन्य भारतीय महिलाएँ-**

i) रोशनी नादर मल्होत्रा (HCL Co. की CEO) – 60वाँ स्थान।

ii) सोमा मण्डल (SAIL की अध्यक्ष)- 7वाँ स्थान

iii) किरण मजूमदार शॉ (बायोकॉन की संस्थापक) – 76वाँ स्थान।

**क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग:-**

- हाल ही ''क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग-2024'' रिपोर्ट जारी की गई।
- प्रथम स्थान- यूनिवर्सिटी ऑफ टोरेटों (कनाड़ा)
- द्वितीय स्थान- यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया (अमेरिका)
- तृतीय स्थान- यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर (ब्रिटेन)

**भारत की स्थिति-**

i) Top- 100 में एक भी संस्थान शामिल नहीं।

ii) Top-300 में दिल्ली यूनिवर्सिटी (220 वीं रैंक) ने स्थान हासिल किया।

iii) Top-400 में DU के अलावा 4 IIT संस्थान शामिल है।

- यह रैंकिंग 95 देशों के 1397 संस्थानों में से जारी की गई हैं।

## देश में जजों की स्थिति और विधि आयोग की रिपोर्ट :-

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने जजों की संख्या के संबंध में एक प्रश्न का जवाब दिया।

**इसके अनुसार-**

- देश में प्रति 10 लाख लोगों पर 21 न्यायाधीश हैं।
- कानून मंत्री के अनुसार विधि आयोग की 1987 की रिपोर्ट में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 50 जजों की सिफारिश की थी।
- वर्तमान जजों के स्वीकृत पद 25423 हैं तथा उनमें से 20026 भरे हुए हैं।

**विधि आयोग:-**

- यह एक गैर-सांविधिक निकाय है।
- इसकी स्थापना भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत की गई।
- इसकी स्थापना का उद्देश्य कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करना एवं सिफारिशें प्रस्तुत करना है।
- भारत का प्रथम विधि आयोग 1833 के चार्टर एक्ट के तहत 1834 में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में गठित हुआ।
- स्वतंत्र भारत का प्रथम विधि आयोग वर्ष 1955 में तीन वर्ष के लिए गठित हुआ।

## 'वैश्विक पेंशन सूचकांक-2023' :-

- हाल ही में 15वें वार्षिक मर्सर सीएफए इंस्टीट्यूट ग्लोबल पेंशन इंडेक्स ने विभिन्न देशों की सेवानिवृत्त आय प्रणालियों के आधार पर वैश्विक पेंशन रैंकिंग जारी की।
- इसमें कुल 47 देशों की रैंकिंग जारी की।
- भारत की रैंकिंग - 45
- भारत का समग्र सूचकांक मूल्य 2022 में 44.5 था जो 2023 में बढ़कर 45.9 हो गया।
- इस सूचकांक में दुनिया की 64% आबादी को कवर करता है।
- इस वर्ष शामिल देश व उनकी प्रणालियाँ- बोत्सवाना, क्रोएशिया और कजाकिस्तान।

**रैंकिंग-**

प्रथम - नीदरलैंड (85 अंक)

द्वितीय - आइसलैंड (83.5 अंक)

तृतीय - डेनमार्क (81.3 अंक)

सबसे अंतिम स्थान - अर्जेण्टीना (42.3 अंक)

## जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) - 2024 :-

- हाल ही में वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन (कोप-28) के दौरान यह रिपोर्ट जारी की गई।
- प्रकाशक- जर्मन वॉच, न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट तथा क्लाईमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल।
- इस रिपोर्ट के अनुसार शीर्ष 3 स्थानों पर कोई देश काबिज नहीं है।
- चौथा स्थान- डेनमार्क (75.59)
- पांचवा स्थान - एस्टोनिया (72.01)
- छठा स्थान- फिलीपींस (70.70)
- 67वाँ (अंतिम) स्थान - सऊदी अरब (19.33)

**सीसीपीआई और भारत-**

- भारत का स्थान- 7वाँ (70.25)
- भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है।
- प्रति व्यक्ति ग्रीन हाउस गैस वर्ण में भारत 2°C के नीचे के बेंचमार्क को हासिल करने के ट्रेक पर है।

**सीसीपीआई:-**

- इसे 63 देश व यूरोपीय संघ शामिल है।
- यह जलवायु प्रदर्शन की तुलना करने के लिए एक मानकीकृत ढांचे का उपयोग करता हैं जो 90% से अधिक ग्रीन हाउस गैसों के लिए जिम्मेदार हैं। इसके मूल्यांकन की 4 श्रेणियाँ है एवं 14 संकेतक है-

(i) ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन (40%)

(ii) नवीकरणीय ऊर्जा (20%)

(iii) ऊर्जा उपयोग (20%)

(iv) जलवायु नीति (20%)

- यह 2005 से देशों के जलवायु संरक्षण प्रदर्शन का विश्लेषण प्रदान कर रहा है।

**राज्यों के बजट पर RBI की रिपोर्ट :-**

- हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा राज्यों की वित्तीय स्थिति पर एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

**प्रमुख तथ्य-**

- राज्यों का सकल राजकोषीय घाटा 2020-21 में जीडीपी का 4% था जो 2022-23 में 2.8% हो गया तथा 2023-24 के लिए 3% अनुमानित है।
- निवेश हेतु केन्द्रीय सहायता से पूंजी परिव्यय में 52.6% की वृद्धि हुई। केन्द्र सरकार ने राज्यों को निवेश हेतु 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण हेतु 1.3 लाख करोड़ का प्रावधान किया था तथा राजस्व व्यय वृद्धि 8.9% रही।
- जीएसटी के क्रियान्वयन से राज्यों के टैक्स कलेक्शन में एक वर्ष में 4.4% की वृद्धि हुई।
- राज्यों की कुल देनदारियाँ 2020-21 में 31% थी, जो 2023-24 में घटकर 27.6% रहने का अनुमान है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में सकल राजकोषीय घाटा और जीडीपी अनुपात निर्धारित 3.5% से कम रहते हुए 3.1% रहने का अनुमान है।
- 2022-23 में राज्यों की सकल बाजार उधारी 7.58 ट्रिलियन रूपये तक पहुँच गई।
- 2022-23 में शुद्ध बाजार उधार में 5.4% की वृद्धि हुई।
- 2023-24 में राज्यों ने राजस्व व्यय को सकल घरेलू उत्पाद का 14.4% तथा सामाजिक क्षेत्र का व्यय सकल घरेलू उत्पाद का 8% रखने का बजट प्रस्तुत किया।
- झारखण्ड- शिक्षा बजट खर्च को एक वर्ष में 10 गुना (1080.70%) किया।
- राजस्थान - सामाजिक कल्याण बजट खर्च एक वर्ष में 24 गुना (2475%) किया।
- पंजाब- स्वास्थ्य बजट खर्च एक वर्ष में 4 गुना (395.75%) किया।
- महाराष्ट्र- हाउसिंग बजट खर्च एक वर्ष में 3 गुना (309.96%) किया।
- राज्यों के सिविल और स्थानीय फंड में जमा राशि 7.32 लाख करोड़ रही जो पिछले वर्ष में 3.82% अधिक है।

**खाद्य सुरक्षा एवं पोषण पर संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट :-**

- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं पोषण पर एक रिपोर्ट जारी की।
- इस रिपोर्ट का शीर्षक- 'स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड (एसओएफआई)' था।

**प्रमुख तथ्य-**

i) महामारी, युद्ध एवं अन्य मौसमी घटनाओं के प्रभाव से वर्ष 2019 के बाद से भूख का सामना करने वाले लोगों की संख्या में 122 मिलियन से अधिक हो गई है।

ii) ब्रिक्स देशों और उसके पड़ोसियों के बीच भारत में स्वास्थ्य आहार की लागत सबसे कम है।

iii) 2.4 बिलियन व्यक्तियों को 2022 में अनवरत पौष्टिक भोजन नहीं मिल पाया।

iv) बाल कुपोषण की स्थिति भी भयावह है, 2021 में जहाँ 148.1 मिलियन (22.3%) बच्चे अविकसित थे, 45 मिलियन (6.8%) कमजोर और 37 मिलियन (5.6%) बच्चे अधिक वजन वाले थे।

v) 2019 से 2021 के मध्य एशिया महाद्वीप में स्वस्थ आहार तक पहुँच की लगात में 9% की वृद्धि हुई।

**भारत के संदर्भ में-**

- भारत की पोषण आहार लागत ब्रिक्स व पडौसी देशों से कम है।
- मुम्बई के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट में कहा गया कि गत 5 वर्षों में भोजन की लागत में 65% की वृद्धि हुई परन्तु वेतन और मजदूरी में 28% से 37% तक को वृद्धि हुई।
- 2021 में 74% भारतीय पौष्टिक आहार की पहुँच से दूर थे जिससे भारत विश्व मं चौथे स्थान पर रहा।

**संयुक्त राष्ट्र कृषि एवं खाद्य संगठन:-**

- स्थापना- 16 अक्टूबर 1945
- इसमें 194 देश एवं यूरोपीयन यूनियन शामिल हैं।
- इसका मुख्यालय रोम (इटली) में है।
- कार्य- कृषि उत्पादकता और विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से अनुसंधान कार्य और तकनीकी सहायता प्रदान करना।

## दुनिया के बेहतरीन खानों की सूची में भारत 11वें स्थान पर

- फूड गाइट टेस्ट एटलस द्वारा ''विश्व के 100 सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों'' की सूची में भारत के व्यंजनों को 11वां स्थान दिया गया है, वही 2022 में भारत का स्थान 5वां था।
- रैंकिंग प्रत्येक व्यंजन के लिए शीर्ष 50 खाद्य पदार्थों की औसत रेटिंग पर आधारित थी और भारत का स्कोर 5 में से 4.52 था।
- सूची में इतालवी व्यंजन सबसे ऊपर है, जिसके बाद जापान और ग्रीस है।

### टेस्ट एटलस (Taste Atlas)

- Taste Atlas एक वेबसाइट है जो दुनिया भर के सर्वोत्तम खाद्य पदार्थों और पेय के बारे में जानकारी प्रदान करती है।
- इसमें विभिन्न व्यंजनों और क्षेत्रों के 40 खाद्य पदार्थों, पेय, मिठाइयों और बहुत सारे व्यंजनों की सूची है।
- इसके अलावा, Taste Atlas सर्वोत्तम व्यंजनों, खाद्य शहरों, खाद्य उत्पादों और सामग्रियों की वार्षिक रैंकिंग के साथ-साथ प्रसिद्ध रेस्तरां और कुकबुक की सूची भी प्रकाशित करता है।
- 2023 के लिए सबसे अच्छी रेटिंग वाली डिश ब्राजीलियाई मीट कट पिकान्हा है, इसके बाद मलेशियाई ब्रेड शेटी कैनाई और थाई स्टिर फ्राई फैट काफ्राओं है।
- प्रकाशन की भाषा-अंग्रेजी
- शुरूआत - 2018 से (वार्षिक)
- मुख्यालय- जाग्रेब, क्रोएशिया

## वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट

- यह भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली एक द्विवार्षिक रिपोर्ट है। इसे सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के योगदान को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप.समिति के मूल्यांकन और निष्कर्षों पर आधारित है।

### रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात के नीचे की ओर जाने की सूचना है। यह परिसंपत्ति गुणवत्ता में सकारात्मक रुझान का प्रतीक है , जो वित्तीय प्रणाली के भीतर गैर निष्पादित परिसंपत्तियों में कमी का संकेत देता है।
- वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) क्षेत्र के बढे हुए लचीलापन को रेखांकित करता है।
- वित्तीय स्वास्थ्य के मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण मीट्रिक पूंजी से जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) में सुधार देखा गया है। एक उच्च सीआरएआर संभावित जोखिमों को अवशोषित करने के लिए बढ़ी हुई वित्तीय लचीलापन और क्षमता को इंगित करता है।

# 7 चर्चित स्थल

## धोर्डो गांव

- संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) द्वारा वर्ष 2023 के लिए गुजरात के धोर्डो गांव को 'सर्वश्रेष्ठ पयटन गांव' घोषित किया गया है।
- यूएनडब्ल्यूटीओ सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव पहल उन गांवों को मान्यता देती है जो ग्रामीण क्षेत्रों के पोषण और परिदृश्य, सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करने में अग्रणी हैं।
- यह पहल नौ प्रमुख क्षेत्रों के तहत गांवों का मूल्यांकन करती है, जिसमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधन, आर्थिक स्थिरता, सामाजिक स्थिरता, पर्यावरणीय स्थिरता, पर्यटन विकास और मूल्य श्रृंखला एकीकरण, प्रशासन और पर्यटन की प्राथमिकता, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी, और स्वास्थ्य, सुरक्षा शामिल हैं।
- धोर्डो उन 74 गांवों में से एक है जो यूएनडब्ल्यूटीओ बेस्ट टूरिज्म विलेजेज नेटवर्क का हिस्सा हैं।

## यूएनडब्ल्यूटीओ

- संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो जिम्मेदार, टिकाऊ और सार्वभौमिक रूप से सुलभ पर्यटन को बढ़ावा देती है।
- यूएनडब्ल्यूटीआ पर्यटन क्षेत्र में शिक्षा को भी बढ़ावा देता है।
- मुख्यालय: मैड्रिड, स्पेन
- स्थापित: 1 नवंबर 1975
- संक्षिप्त रूप: यूएनडब्ल्यूटीओ
- मूल संगठन: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद
- महासचिव: जुराब पोलोलिकाश्विली

## शिवाजी की मूर्ति का अनावरण:-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदो द्वारा राजकोट किला (सिंधु दुर्ग, महाराष्ट्र) में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया।
- सिंधु दुर्ग में इस किले की नींव शिवाजी द्वारा 1664 में रखी गई थी।

## 18वाँ अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक गायन महोत्सव:-

- **आयोजन स्थल:**-बोधगया (बिहार)
- बोधगया में भगवान बुद्ध को कैवल्य प्राप्त हुआ था।
- यह उत्सव पाली भाषा में रचित त्रिपिटक ग्रंथ से संबंधित हैं जो बौद्धधर्म का प्रमुख ग्रंथ माना जाता है।

## कैलिफोर्निया लिथियम भण्डार:-

- कैलिफॉर्निया को खारे पानी के लिए कुख्यात सल्टन सागर के नीचे लिथियम (सफेद सोना) का भंडार मिला है।
- लॉरेंस बर्की नेशनल लेबोरेटरी की शोध के अनुसार इस झील के नीचे लगभग 3400 किलो टन लिथियम का भंडार हो सकता हैं जो लगभग 37.5 करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी निर्माण हेतु पर्याप्त हैं।

**'द जयगढ़ फेस्ट':-**

- जयगढ़ फोर्ट (जयपुर) के पर्यटन प्रारंभ होने के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'द जयगढ़ फेस्टविल' आयोजित किया गया।
- इसका आयोजन 9 व 10 दिसम्बर 2023 को जयगढ़ फोर्ट (जयपुर) में हुआ।
- इसका उद्देश्य राजस्थान की विरासत, कला और शिल्प संरक्षण को प्रोत्साहन देने पर आधारित है।
- जयगढ़ फोर्ट पर पर्यटन का प्रारंभ 1983 में 'जयगढ़ पब्लिक चैरिटीबल ट्रस्ट' के संरक्षण में हुआ।

**जकार्ता (इंडोनेशिया):-**

- इंडोनेशिया के पश्चिमी सुमात्रा पर स्थित माउंट मेरापो में ज्वालामुखी विस्फोट हुआ।
- घटना के समय वहाँ 75 पर्वतारोही उपस्थित थे जिनमें से 11 की मृत्यु हो गई।

**ओडिशा:-एशिया का सबसे बड़ा कारोबारी मेला**

**चर्चा में क्यों-**

- कटक (ओडिशा) महानदी तट पर बाली जात्रा मेला सम्पन्न हुआ।
- यह एशिया का सबसे बड़ा कारोबारी मेला है।

**मनाने का इतिहास:-**

- प्राचीन समय में ओडिशा से लोग व्यापार हेतु दूसरे देश जाते थे तब वे महानदी से यात्रा प्रारंभ करते थे, उनकी पत्नी उन्हे विदाई देती थी तथा उनके आने के इंतजार में महानदी पर मौजूद रहती थी।

**अमूर्त्त सांस्कृतिक विरासत सूची में गरबा शामिल:-**

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में गरबा नृत्य को यूनेस्को द्वारा अमूर्त्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में स्थान प्रदान किया गया।

**गरबा नृत्य-**

- यह गुजरात का एक पारपंरिक नृत्य है।
- यह नवरात्रि से संबंधित नृत्य हैं जो कि माँ दुर्गा की भक्ति में समर्पित है।

**मोइदाम यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल:-**

- यूनेस्को द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए मोइदाम को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने हेतु नामांकित किया।

**मोइदाम क्या है?**

- यह असम के अहोम राजवंश की टीला-दफन प्रणाली है ये पिरामिड जैसी संरचनाएँ हैं।

**हार्नबिल उत्सव :-**

- यह नागालैण्ड राज्य का प्रसिद्ध उत्सव है।
- इसका प्रारम्भ राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2000 में किया गया था।

**उद्देश्य-**

- नागालैंड की समृद्ध संस्कति को पुर्नजीवित करना एवं उसकी रक्षा करना।
- देश-दुनिया को नगा समाज की संस्कृति से रूबरू कराना।

**भागीदार-** अमेरिका, जर्मनी, कालंबिया तथा असम भागीदारी राज्य हैं।

**हॉर्नबिल:-**

- यह एक पक्षी हैं।
- नगा समुदाय का सम्मानीय पक्षी है, इसके पंख नागा लोग अपनी टोपी में लगाते हैं।

**प्रथम भारतीय कला, वास्तुकला और डिजाइन कला महोत्सव:-**

- भारत के प्रथम कला, वास्तुकला और डिजाइन कला महोत्सव का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले में किया गया।
- इसका आयोजन 8 से 15 दिसम्बर तक होगा।

**उद्देश्य-**

- कलाकारों, वास्तुकारों, फोटोग्राफरों, कला विशेषज्ञों एवं आमजन के मध्य सांस्कृतिक संवाद को सशक्त करना।
- देश में वैश्विक सांस्कृतिक पहल को संस्थागत स्वरूप देना।

**नारेली (अजमेर):-**

- यहाँ प्रदेश का सबसे ऊँचा 10 मंजिला जैन मंदिर का निर्माण पूर्ण होने वाला है।
- इसे ज्ञानोदय तीर्थ के नाम से जाना जायगा।
- इसकी प्रथम मंजिल पर 24 तीर्थंकरों की 3-3 प्रतिमाएँ स्थापित होगी।
- नारेली तीर्थ क्षेत्र का कार्य 1995 में मुनि सुधा सागर की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ।
- इस तीर्थ का नाम आचार्य ज्ञान सागर के नाम पर ज्ञानोदय रखा गया।

**माही बैक वाटर (बांसवाड़ा):-**

- यह प्रदेश का सबसे लंबा बैक वाटर डैड स्टोरेज हैं।
- यह प्रवासी पक्षियों के आश्रय स्थल के रूप में वागड़ व राजस्थान दोनों में प्रसिद्ध है।
- यहाँ फ्लेमिंगो, सारस (क्रेन), व्हिसल डक समेत 250 से अधिक प्रजाति के पक्षी देखे जा सकते है।

**बन्नी ग्रासलैण्ड में चीता प्रजनन एवं संरक्षण केन्द्र स्थापना की मंजूरी-**

- केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कच्छ (गुजरात) क आरक्षित वन क्षेत्र बन्नी ग्रासलैण्ड में चीता प्रजनन एवं संरक्षण केन्द्र स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।
- यह मध्यप्रदेश के कूनों क्षेत्र के बाद देश का दूसरा क्षेत्र है।
- इसका उद्देश्य गुजरात में चीतों को बसाना है।
- यह क्षेत्र पूर्व में तेंदुओं की बस्ती हुआ करती थी, जो आज विलुप्त हो चुके है।
- इस केन्द्र की कार्य योजना की जिम्मेदारी 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए)' को सौंपी गई है।

**राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण:-**

- इसका गठन वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत वर्ष 2006 में किया गया।
- यह वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय हैं।
- इसकी अध्यक्षता वन एवं पर्यावरण मंत्री करता है।

**कार्य- बाघ संरक्षण एवं उनसे संबंधित योजनाओं एवं नीतियों की निगरानी करना।**

**नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में लायन सफारी शुरू:-**

- नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में तीन एशियाई शेर एक साथ देखने हेतु सफारी प्रारंभ की गई।
- इसमें दो मादा शेरनी तारा और दुर्गा तथा एक नर शेर शक्ति शामिल है।
- इनमें दुर्गा एवं शक्ति को गुजरात से लाया गया है।

**नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क**

- यह अरावली हिल्स में अवस्थित राजस्थान का एक पर्यटन स्थल है।
- इसका निर्माण 2013 में प्रारंभ हुआ तथा मार्च, 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा इसका उद्घाटन किया गया।

**मोरेल बांध (दौसा):-**

- लालसोट (दौसा) में स्थित यह बांध प्रवासी पक्षी 'डेलमेटियन पेलिकन' के आगमन के कारण चर्चा में रहा।
- यह बांध हर साल यूरोपियन पक्षियों के आगमन के कारण पर्यटन का प्रमुख केन्द्र बना रहता है।

**लोकटक झील एवं संगाई हिरण:-**

- **चर्चा में रहने का कारण:**-केन्द्र सरकार द्वारा मणिपुर में जलविद्युत आधुनिकीकरण योजना के तहत लोकटक झील पर संयंत्र स्थापित करने की योजना का राज्य सरकार द्वारा विरोध।

**केन्द्र राज्य विरोध का कारण:-**

- राज्य सरकार के अनुसार लोकटक झील पर केबुल लामजाओं राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं जिसमें **मणिपुर का राज्य पशु संगाई हिरण (डॉसिंग डियर)** प्रवास करता हैं तथा वर्तमान में यह संकट ग्रस्त हैं क्योंकि इनकी संख्या 2014 में 204 थी एवं 2022 में ये घटकर लगभग 64 रह गई हैं। इस प्रकार पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के आधार पर राज्य सरकार का केन्द्र सरकार से विरोध हैं।
- **लोकटक झील:**-मणिपुर की राजधानी इंफाल के दक्षिणी जिले विष्णुपुर में अवस्थित यह झोल विश्व के एक मात्र तैरते हुए राष्ट्रीय उद्यान केबुल लामजाओं के लिए प्रसिद्ध है। इस नेशनल पार्क में तैरती हुई 'फुस्सांग' नामक झोपड़ियों में मछुआरे रहते है। यह एक मीठे पानी की झील हैं।
- **केबुल लामजाओं नेशनल पार्क:**-यह 1954 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित हुआ तथा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 तथा मणिपुर वन्यजीव संरक्षण नियम-1974 के तहत 1977 में इसे नेशनल पार्क घोषित किया गया। 1990 में इसे रामसर साइट के रूप में नामित किया गया। यह संगाई हिरण व लोकटक झील हेतु प्रसिद्ध हैं।

**दुनिया का सबसे बड़ा ध्यान केन्द्र : स्वर्वेद:-**

- उमरहा (वाराणसी) में दुनिया का सबसे बड़ा ध्यान केन्द्र स्थापित हुआ।
- यह एक 7 मंजिला इमारत हैं जिसमें 4000 श्लोक उकेरे गए हैं।
- इसमें 7 मंजिल 7 चक्रों को प्रदर्शित करती हैं।
- इसमें 125 पंखुडी वाले कमल की आकृति उकेरी गई है।
- इसमें 20 हजार लोग एक साथ ध्यान कर सकते हैं।
- इसका निर्माण विहंगम योग संस्थान के प्रणेता संत सदाफल महाराज द्वारा करवाया गया।
- इसमें मकराना मार्बल का भी उपयोग हुआ है।

**सूरत डायमंड बुर्स**

- सूरत डायमंड बुर्स एक गैर-लाभकारी संगठन हैं जो सूरत, गुजरात में हीरा व्यापार गतिविधियों के लिए दुनिया के सबसे बड़ा कार्यालय भवन है।

- इस बुर्स का निर्माण आर्किटेक्चर फर्म मार्फोजेनेसिस (Morphogenesis) द्वारा डिजाइन किया गया है और केन्द्रीय ''रीढ़'' से निकलने वाली जो परस्पर जुड़ी आयताकार संरचनाओं के एक अद्वितीय डिजाइन के साथ 35 एकड़ में फैला हुआ है।
- यह 6,60,000 वर्ग मीटर (7,100,000 वर्ग फुट) के फर्श क्षेत्र के साथ दुनिया का सबसे बड़ा हीरा व्यापार केन्द्र है और पेंटागन से भी आगे, दुनिया का सबसे बड़ा कार्यालय भवन भी है।
- इमारत में 67 लाख वर्ग फुट से अधिक फर्श क्षेत्र है और यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ-साथ आभूषणों का एक वैश्विक केंद्र होगा।

**विलारिका (Villarica)**

- विलारिका चिली (2860 मी.)के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है।
- इसे मापुचे (Mapuche) भाषा में रुकापिलान (Rucapillan) के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है ''महान आत्मा का घर'' या ''राक्षस का घर''।
- यह तीन बड़े स्ट्रेटोज्वालामुखी में से सबसे पश्चिमी से दक्षिण-पूर्व ओर तिरछे लंबवत् है।
- चीली के प्रमुख ज्वालामुखी
  1) ओजस्-डेल-सलादो (6893 मी.)- सक्रिय (Ojas del Salado)
  2) लुल्लाइल्लाको/युल्लाइल्लाको (6739 मी.)- सक्रिय (Lullaillaco)
  3) इनकाहुआसो (6621 मी.)- संभावित रूप से सक्रिय (Incahuasi)

# 8 चर्चित व्यक्तित्व

**डॉ. अक्षिता कृष्णमूर्ति :-**

- **चर्चा में क्यों**-मंगल ग्रह पर रोवर का संचालन करने वाली प्रथम भारतीय महिला बनी।
- ये नासा की वैज्ञानिक प्रयोगशाला में मंगल ग्रह के नमूने एकत्रित करने में जुटी थी।

**नासा में अन्य भारतीय महिलाएँ:-**

**(i) सुनिता विलियम:-** इस भारतवंशी वैज्ञानिक ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 6 महीने रहने वाली प्रथम महिला बनने का रिकॉर्ड बनाया था।

**(ii) कल्पना चावला:-** इस भारतवंशी महिला ने वर्ष 1997 में कोलंबिया स्पेस शटल में 15 दिन 16 घंट अंतरिक्ष में बिताए थे।

**कैप्टन गीतिका कौल :-**

- ये सियाचीन में तैनात होने वाली प्रथम महिला मेडिकल ऑफिसर है।
- इससे पूर्व 'शिवा चौहान' सियाचीन में तैनात होने वाली प्रथम आर्मी ऑफिसर बनी थीं। (जनवरी 2023)

**टेलर स्विफ्ट :-**

- ये एक अमेरिकी पॉप सिंगर है।
- हाल ही में मैगजीन द्वारा इन्हें 'पर्सन ऑफ द ईयर-2023' चुना गया।
- टाइम मैंगजीन वर्ष 1927 से अनवरत 'पर्सन ऑफ द ईयर अवॉर्ड' देती आ रही हैं।

**दानसारी अनसूया :-**

- **चर्चा में क्यों**- ये नक्सली राह को छोड़कर तेलंगाना सरकार में मंत्री बनी।

**अन्य तथ्य-**

- दानसारी अनसूया उर्फ सीतावका नक्सलियों के लिए एक उम्मीद बनकर उभरी हैं।
- इन्होंने नक्सल राह छोड़कर पहले एल.एल.बी करीं, फिर पी.एच.डी. की डिग्री हासिल की।
- वर्तमान में ये विधायक निर्वाचित होकर तेलंगाना सरकार में राज्यमंत्री पद पर पहुँची हैं।

**मोहम्मद नईम सैयद :-**

- हाल ही में 'जूनियर महमूद' के नाम से मशहूर 'मोहम्मद नईम सैयद' का 67 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
- 1960 के दशक में इन्होंने बाल कलाकार के तौर पर कार्य प्रारंभ किया, सुहागरात (1968) तथा ब्रह्माचारी जैसी फिल्मों में कार्य करते हुए प्रसिद्धि प्राप्त की।
- इन्होंने लगभग 250 फिल्मों में कार्य किया।

**अरिदंम बागची :-**

- हाल ही में इन्हें संयुक्त राष्ट्र के जेनेवा में भारत का स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया।
- ये भारतीय विदेश सेवा के 1995 बैच के अधिकारी है।
- ये 2020 में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता भी रहे।

**पूनम सपेरा :-**

- पूनम सपेरा ने गुजरात में सम्पन्न हुए 'अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता' में राजस्थान पुलिस बैंड टीम की तरफ से बेस्ट कंडक्टर के रूप में गोल्ड मेडल जीता।

**थंगा डारलोंग :-**

- त्रिपुरा के प्राख्यात रोजमवादक थंगा डारलोंग का निधन हो गया।
- ये 103 वर्ष के थे।
- ये रोजम के कुशल वादक माने जाते थे।
- 2019 में पद्म श्री से सम्मानित हुए।

**डॉ. गाओयाओजी :-**

- चीन के प्रसिद्ध चिकित्सक और कार्यकर्त्ता गाओयाओजी का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।
- इन्होनें ग्रामीण चीन में खून बेचने के गोरखधंधे और एड्स वायरस के प्रकोप और सरकार की अक्षमता को उजागर किया था।

**डोनाल्ड टस्क**

- हाल ही में 'डोनाल्ड टस्क' को पॉलैण्ड का नया प्रधानमंत्री बनाया गया।

- ये वर्तमान प्रधानमंत्री 'माट्यूज मोराविकी' का स्थान लेंगे।

**पॉलेण्ड:-**

- यह मध्य यूरोपीय देश है।
- इसकी राजधानी 'वारसॉ' है।
- इसकी आधिकारिक मुद्रा 'पोलिश ज्लॉटो' हैं।
- पॉलैण्ड की सरकार एकात्मक संसदीय प्रतिनिधि वाली लोकतांत्रिक सरकार है।

## प्रत्युष अग्रवाल:-

- जयपुर के प्रत्युष अग्रवाल ने 'इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड्' में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।
- कक्षा-9 के छात्र प्रत्युष ने लेवल-1 के ओलंपियाड में 60 में से 59 नंबर लाकर यह उपलब्धि हासिल की।

**इन्हें निम्न से भी सम्मानित किया गया-**

i) इंटरनेशनल सिल्वर मेडल
ii) सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस
iii) मेडल ऑफ डिस्टिंक्शन।

## उपुल थरंगा

- हाल ही में श्रीलंका के खेल मंत्री हारिन फर्नांडो ने पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर 'उपुल थरंगा' को श्रीलंका चयन बोर्ड समिति का अध्यक्ष बनाया।
- यह कमेटी 2 साल के लिए बनी है।
- **अन्य सदस्य**- अंजता मेंडिस, इनदिका दे सारम, थरंगा परनविताना और दिलरूवान परेरा।
- श्रीलंका टीम के वर्ल्डकप में दयनीय प्रदर्शन के परिणामस्वरूप यह निर्णय लिये गये।

## सावित्री जिंदल:-

**चर्चा में क्यो?**

- हाल ही में ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक जिंदल ग्रुप की अध्यक्ष सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला बन गई है।
- ये अजीम प्रेम जी (विप्रो ग्रुप) को पीछे छोड़ते हुए 5वें स्थान पर आ गई है।
- इनकी कुल संपत्ति अब 25 अरब डॉलर तक पहुँच गई है।
- भारत के टॉप 5 अमीर

1. मुकेश अंबानी - 92.3 अरब डॉलर
2. गौतम अडानी - 85.3 अरब डॉलर
3. शपूर पलोनजी - 33.8 अरब डॉलर
4. शिव नादर - 31.6 अरब डॉलर
5. सावित्री जिंदल - 25 अरब डॉलर

## गोविंद गुरू:-

- **चर्चा में रहने का कारण:**-20 दिसम्बर को राजस्थान के महान क्रांतिकारी गोविंद गुरू की 165 वीं जयंती मनाई गई।

**सामान्य परिचय:-**

- गोविंद गुरू का जन्म 20 दिसम्बर 1858 को डूंगरपुर जिले के बांसिया गांव में गौर जाति के बंजारा परिवार में हुआ।
- 110 वर्ष पूर्व 17 नवम्बर 1913 को इनके द्वारा डूंगरपुर एवं आसपास की रियासतों के भील व आदिवासियों के साथ मिलकर ब्रिटिश राज्य व देशी रियासतों के शोषण के विरूद्ध सभा बुलाई।
- 'मानगढ़ धाम काण्ड':- 17 नवम्बर 1913 (मार्गशीर्ष पूर्णिमा) के दिन मानगढ़ पहाड़ी पर वार्षिक मेला आयोजित किया जा रहा था, जिस पर पुलिस अधिकारी शटन द्वारा गोलाबारी की गई जिसमें 1500 भील मारे गये। इसे राजस्थान का जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कहा गया।
- गोविंद गुरू द्वारा 1883 में सम्प सभा की स्थापना की तथा भगत आंदोलन का नेतृत्व किया।
- प्रसिद्ध गीत- 'रे भूरेटिया नी मानू रे नी मानू' अर्थात्- अरे अंग्रेज, मैं मानने वाला नहीं हूँ।
- 30 अक्टूबर 1931 को झालोद (गुजरात) के कम्बोई गांव में इनका देहांत हो गया।
- ये आजीवन भील और आदिवासियों के उद्धार हेतु कार्यरत रहें।

## राकेश अस्थाना

- केंद्र ने दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना समेत सात लोगों को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का 'विशेष मॉनिटर' नियुक्त किया है।

## अब्देल फतह अल सिसी

- तीसरी बार चुनाव जीत फिर से राष्ट्रपति बने फतह-अल-सिसी।
- सिसी मिस्त्र के राजनेता और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी है, जिन्होंने 2014 में मिस्त्र के छठे और वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में कार्यरत है।

- 2014 में मिस्त्र की सेना में एक जनरल के रूप में सेवानिवृत्त होने से पहले, सिसी ने 2013 से 2014 तक मिस्त्र के उपप्रधान मंत्री के रूप में 2012 से 2013 तक रक्षा मंत्री के रूप में और 2010 से 2012 तक सैन्य खुफिया निदेशक के रूप में कार्य किया।

**रेबेका वेल्श**

- रेबेका वेल्श 23 दिसंबर, 2023 को बर्नले के खिलाफ फुलहम के मैच में रेफरी बनकर प्रीमियर लीग मैच में रेफरी बनने वाली पहली महिला बनीं।
- उन्होंने 2010 में रेफरी करना शुरू किया और जनवरी 2023 में, वह पुरुषों के चंपियनशिप गेम में रेफरी करने वाली पहली महिला भी बनीं।
- वेल्श ने इस साल चंपियनशिप में रेफरी के अलावा महिला सुपर लीग और महिला चंपियंस लीग मैचों की जिम्मेदारी भी संभाली है और गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में महिला विश्व कप में रेफरी की भूमिका भी निभाई है।

**विविध**

- कुवैत के शासक (शेख नवाफ अल अहमद अल शेख) का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, शेख मेशाल को उत्तराधिकारी के रूप में नामित किया गया है।
- चीन ने डोंग जून(चीन के पूर्व नौसेना प्रमुख) को देश का नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है।
- महिला अधिकार आंदोलन की प्रतीक मोहिनी गिरी का 86 वर्ष की आयु में निधन।
- सीएस राजन कोटक महिंद्रा बैंक के अंशकालिक प्रमुख होंगे (वह 1978 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उन्होंने राजस्थान के मुख्य सचिव के रूप में भी कार्य किया है) ।

सत्यमेव जयते
CISF
PROTECTION & SECURITY
संरक्षण एवं सुरक्षा

- नीना सिंह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की प्रमुख बनने वाली पहली महिला हैं, वह 1989 के राजस्थान कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं।
- केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भारत में गृह मंत्रालय के अधीन एक संघीय पुलिस संगठन है और इसका गठन 1969 में किया गया था।
- फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों गणतंत्र दिवस 2024 पर मुख्य अतिथि होंगे।

  2023 गणतंत्र दिवस में अब्देल फतेह अल-सिसी (मिस्र के राष्ट्रपति) मुख्य अतिथि थे।

  प्रथम गणतंत्र दिवस (1950 में) के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो थे|

# 9 खेल

**अंडर-17 फीफा विश्वकप :-**

- आयोजन- जकार्ता (इंडोनेशिया)
- विजेता - जर्मनी
- उपविजेता- फ्रांस
- जर्मनी ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया

**अमित पंघाल को मिला गोल्ड :-**

- भारतीय बॉक्सर अमित पंघाल ने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 51 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया।
- इन्होंने चंडीगढ़ के अंशुल पूनियां को 5-0 से हराकर जीत दर्ज की।
- नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन शिलांग (असम) में हुआ।

**विश्व के प्रथम ग्रैंडमास्टर भाई-बहन :-**

- भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गानंदा और उनकी बहन वैशाली रमेशबाबू विश्व की प्रथम ग्रैंडमास्टर भाई-बहन बने।
- वैशाली रमेशबाबू एललोब्रेगेट ओपन (स्पेन) में 2500 रेटिंग हासिल कर भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बन गई।
- **भारत की तीन महिला ग्रेंडमास्टर्स-**
  (i) कोनेरू हम्पी
  (ii) हरिका द्रोणावल्ली
  (iii) वैशाली रमेशबाबू

**राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में राजस्थान को स्वर्ण पदक :-**

- राजस्थान के 'अभिनव चौधरी' को राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप मे 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल के पुरूष वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।
- राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप का आयोजन भोपाल मे किया जा रहा है।

**नेक्स्ट जेन टेनिस टाईटल :-**

- विजेता - हमाद मेड़जेडोविच (सर्बिया)
- उपविजता - आर्थर फिल्म (फ्रांस)
- 20 वर्षीय हमाद यह टाईटल जीतने वाले छठे विजेता हैं।
- इस इंवेट में 21 साल या उससे कम उम्र वाले टॉप खिलाड़ी हिस्सा लेते है।

**सीनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी में राजस्थान के लक्ष्य को स्वर्ण :-**

- सीनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी का आयोजन शिलांग (मेघालय) में हुआ।
- सर्विसेज कंट्रोल बोर्ड की तरफ से खेलते हुए लक्ष्य चाहर ने 80 किग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- लक्ष्य चाहर का संबंध राजस्थान से है।

**विश्व जूनियर मुक्केबाजी विश्वकप :-**

- आयोजन- येरवेन (आर्मेनिया), 23 नवम्बर से 4 दिसम्बर।
- भारत को कुल 17 पदक प्राप्त हुए।
- भारत ने 3 स्वर्ण, 9 रजत एवं 5 कांस्य पदक हासिल किये।
- भारत के तीनों स्वर्ण महिला मुक्केबाजों पायल, निशा व आकांक्षा ने जीते।

**28वाँ ऑल इंडिया फेडरेशन कप कैरम टूर्नामेंट :-**

- **आयोजन**-10 से 13 दिसंबर
- **आयोजन स्थल**- विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश)
- **टूर्नामेंट आयोजन समिति के उपाध्यक्ष**- सूरज खत्री (राजस्थान)

**पुरूष टी-20 वर्ल्डकप 2024 :-**

- **आयोजन** - 2024
- **आयोजन स्थल**-वेस्टइंडीज एवं अमेरिका

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में ICC ने पुरूष एवं महिला टी-20 वर्ल्डकप 2024 के लिए लोगो लॉन्च किया।

**मानसी जोशी और थुलासिमथी मुरुगेसन :-**

- मानसी जोशी और थुलासिमथी मुरुगेसन ने 5वें फजा दुबई पैरा बैडमिंटन इटंरनेशनल 2023 में महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता है।
- पैरा एशियाई स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत ने दो रजत पदक हासिल किए।

**हिमानी पूनिया**

- जयपुर की हिमानी पूनिया ने 11 से 17 दिसंबर, 2023 तक वियतनाम के दनांग में आयोजित बैडमिंटन एशिया सीनियर ओपन 2023 में महिला एकल और महिला युगल श्रेणियों में दो रजत पदक जीते।

**मुशफिकुर रहीम:-**

- ये बांग्लादेशी क्रिकेट प्लेयर है।

**चर्चा में क्यों-**

- ये फील्ड में बाधा डालने के कारण आउट होने वाले दूसरे खिलाड़ी बने।
- इनस पूर्व इंग्लैंड के लियोनार्ड हुटन (1951) इस तरह से आउट होने वाले प्रथम खिलाड़ी बने थे।
- यह वाकया बांग्लादेश और न्यूजीलैण्ड के मध्य जारी टेस्ट मैच में हुआ।

**लियोनल मेसी: -**

**चर्चा में रहने का कारण-**

- अर्जेण्टीना के प्रसिद्ध फुटबॉलर मेसी को टाइम मैंगजीन द्वारा 'एथलीट ऑफ द ईयर' चुना गया।
- ये प्रथम नॉन अमेरिकन प्लेयर हैं जिसे यह अवॉर्ड दिया गया है।
- यह अवॉर्ड ऑन फील्ड एवं ऑफ फील्ड में खिलाड़ी के योगदान के आधार पर दिया जाता है।

**विश्व चैंपियन स्पेन पहली बार विश्व रैंकिंग में नंबर-1 पर**

- फीफा पुरूष विश्व रैंकिंग में स्पेन को दुनिया की नंबर एक फुटबॉल का दर्जा दिया गया हैं। रैंकिंग प्रणाली फुटबॉल में पुरूषों की राष्ट्रीय टीमों के खेल परिणामों पर आधारित है, जिसमें सबसे सफल टीमों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।
- यह रैंकिंग प्रणाली दिसंबर 1992 में शुरू की गई थी, और आठ टीमों (अर्जेंटीना, बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्पेन) ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिनमें ब्राजील ने सबसे लंबे समय शीर्ष स्थान पर बिताया है।
- फीफा पुरूष विश्व रैंकिंग एसोसिएशन फुटबॉल में पुरूषों की राष्ट्रीय टीमों के लिए एक रैंकिंग प्रणाली है, न कि व्यक्तिगत खिलाड़ियों के लिए।

**फीफा (FIFA)**

- फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (The Federation Internaional de Football Association) जिसे आमतौर पर फीफा (FIFA) के नाम से जाना जाता है। फीफा एसोसिएशन फुटबॉल के लिए अंतराष्ट्रीय शासी निकाय है, जिसे सॉकर भी कहा जाता है।
- **स्थापना:-** 1904, पेरिस **वर्तमान अध्यक्ष:-** जियानी इन्फेंटिनो (Gianni Infantino)
- **मुख्यालय:-** ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड
- **संरचना**
- फीफा 211 सदस्यीय संघ है।
- फीफा की सर्वोच्च शासी निकाय है फीफा कांग्रेस है, जिसकी बैठक सालाना हाती है।
- फीफा के छह क्षेत्रीय संघ है:-
  - i) सीएएफ (CAF) (अफ्रीका)
  - ii) एएफसी (AFC) (एशिया)
  - iii) CONCACAF (उत्तरी और मध्य अमेरिका और कैरेबियन)
  - iv) कॉनमेबोल (CONMEBOL) (दक्षिण अमेरिका)
  - v) ओएफसी (OFC) (ओशिनिया)
  - vi) यूईएफए (UEFA) यूरोप

**गतिविधियाँ और जिम्मेदारियाँ:-**

- फीफा, फीफा विश्व कप (पुरूष और महिला) और फीफा क्लब विश्व कप का आयोजन और मंजूरी देता है।
- फीफा खेल के नियमों को विकसित और लागू करता है।

**विजय हजारे ट्रॉफी**

- 16 दिसंबर, 2023 को राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हुए फाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को 30 रन से शिकस्त दी।
- 2023 के संस्करण का आयोजन- बेंगलुरू, दिल्ली, कलकत्ता, मुंबई, रांची, अहमदाबाद और नॉकआउट मैंचों का आयोजन राजकोट में हुआ।
- प्लेयर ऑफ द मैच:- सुमित कुमार (हरियाणा)
- प्लेयर ऑफ द सीरीज:- सुमित कुमार (हरियाणा)

- ईनाम:- 1 करोड़ धन राशि और ट्रॉफी (विजेता)
- 50 लाख धन राशि और ट्रॉफी (उप-विजेता)

**विजय हजारे ट्रॉफी**

- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक वार्षिक सीमित ओवरों की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता है।
- इस प्रतियोगिता में राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश की टीमें शामिल है जो रणजी ट्रॉफी में भाग लेती है।
- इस टूर्नामेंट का नाम महान भारतीय क्रिकेटर विजय हजारे के नाम पर रखा गया था।
- यह टूर्नामेंट पहली बार 1993-94 सीजन में एक राष्ट्रीय अंडर-19 टूर्नामेंट के रूप में खेला गया था जिसमें जोनल टीमें शामिल थी।
- 2007 में इसका नाम रणजी वनडे ट्रॉफी से बदलकर विजय हजारे ट्रॉफी कर दिया गया।

इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम तमिलनाडु है (पाँच बार विजेता)

**जय शाह:-**

- हाल ही में इन्हें सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स-2023 में प्रतिष्ठित 'स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड में सम्मानित किया गया।
- भारतीय खेल प्रशासन में यह अवॉर्ड पाने वाले पहले प्रशासक है।
- जय शाह वर्तमान में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव पद पर कार्यरत है।

**चतरू**

- वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स (कनाड़ा) में 10 किलोमीटर मैराथन में गोल्ड मेडल हासिल किया
- बायतु, बाड़मेर की निवासी है।
- इन्होंने गोवा नेशनल गेम्स में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया।
- इन्होंने चंडीगढ़ नेशनल गेम्स में कांस्य पदक जीता।

**ओडिशा बैडमिंटन मास्टर्स, 2023**

- आयोजन- 12 से 17 दिसंबर, 2023
- संस्करण-2,
- **स्थान**- जवाहर लाल नेहरू इन्डोर स्टेडियम (कटक, ओडिशा)
- भारतीय खिलाडी तनिशा क्रास्टी और ध्रुव कपिला ने (ओडिशा मास्टर्स, 2023 में) मिक्स युगल का खिताब जीता। इस जोड़ी ने सिंगापुर के ही योंग काई तेरी और तन वेई हान जेसिका को फाइनल में परास्त किया।
- सतीश कुमार करुणाकरण ने पुरुष एकल खिताब जीता।
- नोजोमी ओकुहारा ने महिला एकल फाइनल जीता।

**खेलो इंडिया पैरा गेम्स, 2023**

- 10 से 17 दिसंबर तक आयोजित खेलो इंडिया पैरा गेम्स का समापन हुआ।
- इन खेलों में हरियाणा ने 105 मेडल्स (40 स्वर्ण, 39 रजत, 26 कांस्य) जीतकर शोर्ष स्थान प्राप्त किया और इसके बाद उत्तरप्रदेश (25 स्वर्ण, 23 रजत, 14 कांस्य), कुल 62 पदक के साथ तृतीय पायदान पर रहे।
- राजस्थान तालिका में 43 कुल मेडल्स जीते (10 स्वर्ण, 20 रजत और 13 कांस्य) और पदक तालिका में 6वें नंबर पर रहे।

**एफआईएच अवॉर्ड**

- अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआइच) ने वर्ष 2023 के लिए हार्दिक सिंह को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी और सविता पूनिया को लगातार तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर चुना गया।

**एफआईएच क्या है?**

- अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) हॉकी के खेल के लिए शासी निकाय है।
- यह फील्ड हॉकी क प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेषकर हॉकी विश्व कप के लिए जिम्मेदार है।
- एफआईएच वेबसाइट समाचार, शेड्यूल, परिणाम, रैंकिंग और लाइव स्कोर लाती है।
- FIH का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के लॉजेन में स्थित है।
- संगठन की स्थापना 7 जनवरी, 1924 को हुई थी और यह 2024 में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।

### राजस्थान नेटबॉल पुरूष टीम

- राजस्थान की टीम ने इतिहास रचते हुए राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष वर्ग) में रजत पदक हासिल किया।
- संस्करण- 41वाँ
- स्थान - भिवानी, हरियाणा

### फीफा क्लब विश्व कप 2023

- मैनचेस्टर सिटी ने सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित फाइनल मैच में फ्लुमिनेंस को 4-0 से हराकर 2023 फीफा क्लब विश्व कप जीता।
- यह पहली बार था जब मैनचेस्टर सिटी ने फीफा क्लब विश्व कप जीता।
- मैनचेस्टर सिटी और फ्लुमिनेंस के बीच फीफा क्लब विश्व कप 2023 का फाइनल मैच 22 दिसंबर, 2023 को सऊदी अरब के जेद्दा में किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेला गया था।

**मैनचेस्टर सिटी** -

- **स्थान** - मैनचेस्टर, इंग्लैंड।
- **स्थापित** - क्लब की स्थापना 1880 में सेंट मार्क (वेस्ट गॉर्टन) के रूप में की गई थी, जिसे बाद में अर्दविक एसोसिएशन फुटबॉल क्लब के रूप में जाना जाने लगा और अंततः 1894 में इसका वर्तमान नाम अपनाया गया।
- **मालिक** - सिटी फुटबॉल ग्रुप
- **खिताब** - मैनचेस्टर सिटी ने अपने पूरे इतिहास में कई खिताब जीते हैं।

### 2023 विश्व टेनिस लीग:

- स्थान - अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात
- दिनांक - 21-24 दिसंबर 2023
- संस्करण - 2
- **ड्रा** - 4 टीमें (ईगल्स, फाल्कन्स, हॉक्स और काइट्स, प्रत्येक में चार खिलाड़ी)
- सतह - कठोर
- स्थान - एतिहाद एरिना।
- 24 दिसंबर 2023 को फाइनल में शीर्ष दो टीमों का आमना-सामना हुआ। डेनियल मेदवेदेव, सोफिया केनिन, एंड्री रुबलेव और मीरा एंड्रीवा से बनी टीम ईगल्स ने टीम काइट्स (स्टेफानोस त्सित्सिपास, आर्यना सबालेंका, ग्रिगोर दिमित्रोव और पाउला बडोसा) को हराकर खिताब जीता।

**विश्व टेनिस लीग क्या है?**

- विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) एक वैश्विक टेनिस टूर्नामेंट है जिसमें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में भाग लेते हैं।
- टूर्नामेंट का 2023 संस्करण 21 से 24 दिसंबर 2023 तक एतिहाद एरिना, यस द्वीप, अबू धाबी में आयोजित किया गया था।
- यह टूर्नामेंट एक गैर-एटीपी/डब्ल्यूटीए-संबद्ध प्रदर्शनी मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट था, और यह विश्व टेनिस लीग का दूसरा संस्करण था।

# 10 पुरस्कार, पुस्तकं एवं नियुक्तियाँ

**संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन अवॉर्ड :-**

- यह पुरस्कार जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु प्रदान किया जाता है।
- ये पुरस्कार COP-28 के सम्मेलन के दौरान दुबई (यूएई) में प्रदान किये गये।
- **पुरस्कार प्राप्तकर्ता-**
  - **(i) मिशेल जराटे ( मैक्सिको )**
  - **(ii) सेबेस्टियन मावौरा ( केन्या )**

**'गिविंग विंग्स टू ड्रीम्स अवार्ड्स-2023'-**

- प्रदात्ता- नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार।
- हाल ही में यह अवॉर्ड केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सब इंस्पेक्टर 'गीता सामोत' को प्रदान किया गया।
- यह सम्मान पर्वतारोहण के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए दिया गया।
- इन्होंने 6 महीनें में यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की 4 सबसे ऊँची चोटियों को जीतने वाली सबसे तेज भारतीय के रूप में अपना नाम दर्ज करवाया।

**भारत भूषण पुरस्कार-2023 :-**

- **सम्मानित** -सोमेश्वर नारायण शर्मा (गायक एवं निर्माता)
- **किसके द्वारा** -सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय (भारत सरकार) एवं NAHF
- **आयोजन स्थल** -मध्यप्रदेश

**साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023**

- साहित्य अकादमी पुरस्कार भारत में एक साहित्यिक सम्मान है, जो साहित्य अकादमी प्रतिवर्ष भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची की 22 भाषाओं में से किसी एक भाषा के साथ-साथ अंग्रेजी और राजस्थानी भाषा में प्रकाशित साहित्यिक योग्यता की उत्कृष्ट पुस्तकों के लिए लेखकों को देती है। 1954 में स्थापित इस पुरस्कार में एक पट्टिका और ₹ 1,00,000 का नकद पुरस्कार शामिल है।

| भाषा | किताब | लेखक |
|---|---|---|
| डोगरी | दऊँ सदियां एक सीर(कविता) | विजय वर्मा |
| गुजराती | सैरंध्री (कविता) | विनोद जोशी |
| कश्मीरी | येथ वावह हेले त्सोंग काश ज़ेले (कविता) | मंशूर बन्हाली |
| मणिपुरी | याचंग्वा नांग हेलो(कविता) | सोरोखाईबाम गम्भिनी |
| उड़िया | अप्रस्तुत मृत्यु (कविता) | आशुतोष परिदा |
| पंजाबी | मन दी चिप(कविता) | स्वर्णजीत सावी |
| राजस्थानी | पलकती प्रीत (कविता) | गजे सिंह राजपुरोहित |
| संस्कृत | शून्ये मेघघनम (कविता) | अरुण रंजन मिश्रा |
| सिंधी | हथु पाकीडीजेन (कविता) | विनोद आसुदानी |
| बंगाली | जालेर ऊपर पानी (उपन्यास) | स्वप्नमोय चक्रवर्ती |
| अंग्रेज़ी | रिक्वइएम इन रागा जानकी (Requiem in Raga Janki) (उपन्यास) | नीलम सरन गौड़ |
| हिंदी | मुझे पहचानो (उपन्यास) | संजीव |
| मराठी | रिंगन (उपन्यास) | कृष्णत खोत |
| तामिल | नीरवाज़ी पदुवुम (उपन्यास) | राजशेखरन ( देवीभारती ) |
| उर्दू | राजदेव की अमराई (उपन्यास) | सादिका नवाब साहेर |

| | | |
|---|---|---|
| असमिया | डॉ. प्रणवज्योति डेका श्रेष्ठ गल्पा (लघु कहानी) | डॉ. प्रणवज्योति डेका |
| बोडो | जिउ-सफ़रनी दख्वन (लघु कहानी) | नंदेश्वर दैमारी |
| कोंकणी | वरसल (लघु कहानी) | प्रकाश एस.परियांकर |
| संथाली | जाबा बाहा (लघु कहानी) | तारासीन बास्की |
| तेलुगू | रामेश्वरम काकुलु मारिकोनी कथालू (लघु कहानी) | टी. पतंजलि शास्त्री |
| कन्नडा | महाभारत अनुसन्धान भारतयर्ते (निबंध) | लक्ष्मीशा तोलपाडी |
| मैथली | बोध संकेतन (निबंध) | वासुकिनाथ झा |
| नेपाली | नेपाली लोकसाहित्य रा लोकसंस्कृतिको परिचय(निबंध) | जुधाबीर राणा |
| मलयालम | मलयाला नोवलिंते देशकालंगल (साहित्य अध्ययन) | ईवी रामकृष्णन |

## राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

- युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023 की घोषणा की। इस वर्ष पुरस्कारों का चयन सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए.एम.खानविलकर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा किया गया है।

**(i) मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023**

- यह भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान है। इसे भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। इसकी स्थापना 1992 में की गई थी।
- प्राप्तकर्ताओं का चयन मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति द्वारा किया जाता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में उनके शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार में एक पदक, एक प्रमाण पत्र और ₹25 लाख का नकद पुरस्कार शामिल है।
- इस वर्ष (2023) पुरस्कार चिराग चन्द्रशेखर शेट्टी (बैडमिंटन) और सात्विक साई राज रंकी रेड्डी (बैडमिंटन) को दिया गया।

**(ii) खेल और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार 2023**

- यह युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है और यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा खेल सम्मान है जिसकी शुरुआत 1961 में हुई थी।
- पुरस्कार में "अर्जुन की एक कांस्य प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹15 लाख का नकद पुरस्कार शामिल है।
- प्राप्तकर्ताओं का चयन मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति द्वारा किया जाता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में उनके अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना के गुण दिखाने के लिए सम्मानित किया जाता है।
- इस वर्ष 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

| | |
|---|---|
| ओजस प्रवीण देवताले | तीरंदाजी |
| अदिति गोपीचंद स्वामी | तीरंदाजी |
| श्रीशंकर एम | एथलेटिक्स |
| पारुल चौधरी | एथलेटिक्स |
| मुहम्मद हुसामुद्दीन | मुक्केबाज़ी |
| आर वैशाली | शतरंज |
| मोहम्मद शमी | क्रिकेट |
| अनुश अग्रवाल | घुड़सवारी |
| दिव्याकृति सिंह | घुड़सवारी ड्रेसेज |
| दीक्षा डागर | गोल्फ़ |
| कृष्ण बहादुर पाठक | हॉकी |
| पुखरंबम सुशीला चानू | हॉकी |
| पवन कुमार | कबड्डी |
| रितु नेगी | कबड्डी |
| नसरीन | खो-खो |
| पिंकी | लॉन बाउल्स |
| ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर | निशानेबाज़ी |
| ईशा सिंह | निशानेबाज़ी |
| हरिंदर पाल सिंह संधू | स्क्वेश |
| अहिका मुखर्जी | टेबल टेनिस |
| सुनील कुमार | कुश्ती |
| अंतिम पंघाल | कुश्ती |
| नाओरेम रोशिबिना देवी | वुशू |
| शीतल देवी | पैरा तीरंदाजी |
| इलूरी अजय कुमार रेड्डी | ब्लाइंड क्रिकेट |
| प्राची यादव | पैरा कैनोइंग |

**(iii) खेलों में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार 2023**

- यह भारतीय गणराज्य का खेल प्रशिक्षक सम्मान है। यह पहली बार 1985 में प्रदान किया गया था।
- यह युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं का चयन मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति द्वारा किया जाता है और उन्हें लगातार उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने और खिलाड़ियों को चार वर्षों की अवधि में अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए सम्मानित किया जाता है।
- इस पुरस्कार में द्रोणाचार्य की एक कांस्य प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹15 लाख (आजीवन श्रेणी में) ₹10 लाख (नियमित श्रेणी में) का नकद पुरस्कार शामिल है।
- इस वर्ष 8 खेल प्रशिक्षको को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिनमें से 5 को नियमित श्रेणी के तहत और 3 को आजीवन श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया।

**नियमित श्रेणी**

- ललित कुमार- कुश्ती
- आर. बी. रमेश- शतरंज
- महावीर प्रसाद सैनी- पैरा एथलेटिक्स
- शिवेन्द्र सिंह- हॉकी
- गणेश प्रभाकर देवरुखकर - मल्लखंब

**आजीवन श्रेणी**

- जसकीरत सिंह ग्रेवाल - गोल्फ
- भास्करन ई- कबडडी
- जयन्त कुमार पुषीलाल- टेबल टेनिस

**(iv) खेल और खेलों में आजीवन उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार 2023**

- यह युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं का चयन मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति द्वारा किया जाता है और उन्हें उनके सक्रिय खेल करियर के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद खेल में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। यह पहली बार 2002 में प्रदान किया गया था
- पुरस्कार में एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹10 लाख का नकद पुरस्कार शामिल है।
- इस वर्ष 3 खिलाड़ियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया
  - सुश्री मंजूषा कंवर- बैडमिंटन
  - श्री विनीत कुमार शर्मा- हॉकी
  - सुश्री कविता सेल्वराज- कबड्डी

**(v) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (MAKA) ट्रॉफी 2023**

- यह युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। यह एक रोलिंग ट्रॉफी है जो पिछले वर्ष के दौरान खेलों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले और विश्वविद्यालय में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा देने वाले समग्र विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है। इसकी स्थापना 1956-57 में की गई थी।
- प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय के पुरस्कार में एक रोलिंग MAKA ट्रॉफी और ₹15 लाख का नकद पुरस्कार शामिल है। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः ₹7.5 लाख और ₹4.5 लाख का नकद पुरस्कार मिलता है।
  - गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर समग्र- विजेता विश्वविद्यालय,
  - लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब - प्रथम रनर अप यूनिवर्सिटी
  - कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र - द्वितीय रनर अप विश्वविद्यालय

**प्रथम दिव्यांग खेल पुरस्कार**

- 23 अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया।
- सुमित अंतिल (भाला), शीतल देवी (तीरंदाजी) ने उद्घाटन दिव्यांग खेल पुरस्कारों में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ पुरुष और सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का खिताब जीता।
- सुमित अंतिल ने 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और 2022 में पद्मश्री प्राप्त किया, जबकि शीतल देवी ने 2023 में अर्जुन पुरस्कार प्राप्त किया ।

**यूनेस्को विरासत पुरस्कार 2023**

- 2023 के दौर में, यूनेस्को ने पुरस्कार मानदंड में निर्दिष्ट स्थान की समझ, उनकी तकनीकी उपलब्धियों और उनकी स्थिरता और प्रभाव के आधार पर चीन, भारत और नेपाल से कुल 12 परियोजनाओं का चयन किया।
- निम्नलिखित भारतीय सांस्कृतिक पहलों को सांस्कृतिक संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार 2023 में छह पुरस्कार प्राप्त हुए।
  1. उत्कृष्टता पुरस्कार – अमृतसर में रामबाग गेट
  2. विशिष्टता पुरस्कार – केरल के कुन्नामंगलम भगवती मंदिर में कर्णिकारा मंडपम
  3. अवॉर्ड ऑफ मेरिट – बीकानेर हाउस, नई दिल्ली

4. सतत विकास के लिए विशेष पहचान – पंजाब में पीपल हवेली
5. अवार्ड ऑफ मेरिट – चर्च ऑफ द एपिफेनी, गुरुग्राम, हरियाणा
6. मरिट का पुरस्कार – मुंबई में डेविड सैसून लाइब्रेरी और रीडिंग रूम

- सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार एक ऐसा कार्यक्रम है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विरासत मूल्य की संरचनाओं और इमारतों को पुनर्स्थापित करने, संरक्षित करने और बदलने में व्यक्तियों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देता है।
- यह कार्यक्रम 2000 से ऐतिहासिक संपत्तियों को पुनर्स्थापित और अनुकूलित करने के निजी प्रयासों को मान्यता दे रहा है।

**मीराचंद :-**

- ये 81 वर्षीय भारतीय मूल की लेखिका हैं।
- **चर्चा में क्यों**-सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने साहित्यिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित कला सम्मान 'कल्चर मेडलियन' से सम्मानित किया गया।
- इन्हें यह पुरस्कार उपन्यासकार सुचेन क्रिस्टीन लिम एवं मलय नृत्य के दिग्गज उस्माद अब्दुल हामीद के साथ उपयुक्त रूप से दिया गया।

**महेश कुमार शर्मा :-**

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए इन्हें पुरस्कृत किया गया।
- 15 अगस्त 2022 को जारी राज्य स्तरीय सम्मान समारोह सूची में इनका नाम शामिल था।
- दिसम्बर में पर्यटन एवं पुरातात्विक विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ द्वारा इन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया।
- ये जयपुर शहर के पर्यटक गाइड है।

**पुष्पा भारती :-**

- हाल ही में लेखिका पुष्पा भारती को 33वें व्यास सम्मान-2023 के लिए चुना गया।
- उन्हें यह सम्मान उनकी कृति 'यादें, यादें और यादें' के लिए दिया गया।

**व्यास सम्मान पुरस्कार :-**

- इसका प्रारंभ वर्ष 1991 में किया गया।
- यह पुरस्कार के.के. बिड़ला फाउण्डेशन द्वारा दिया जाता है।
- यह पुरस्कार साहित्य क्षेत्र में योगदान हेतु दिया जाता है।

**सुरेन्द्र अवाना**

- जयपुर निवासी सुरेन्द्र अवाना को किसान दिवस पर आईसीएआर ने नस्ल संरक्षण 2023 पुरस्कार से सम्मानित किया।
- इन्हें राजस्थान क 'ट्री-मैन' के नाम से भी जाना जाता है।

**कबीर बेदी :-**

- हाल ही में अभिनेता कबीर बेदी को इटली के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ मेरिट ऑफ इटेलियन रिपब्लिक' से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार 'मेरिटो डेला रिपब्लिका इटालियाना' के नाम से जाना जाता है।
- कबीर बेदी इटली में अपने अभिनय योगदान के कारण इस सम्मान से सम्मानित हुए।

**कर्मवीर चक्र पदक- 2023 :-**

- हाल ही में भारतीय वैज्ञानिक डॉ. हेमाचन्द्रन रवि कुमार को दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों- 'कर्मवीर चक्र पदक' और 'रेक्स कर्मवीर ग्लोब फैलोशिप' से सम्मानित किया गया।
- इन्हें ये पुरस्कार भौतिक अनुसंधान एवं विकास, जैव विज्ञान और सूक्ष्म जैविक अध्ययन में उनके अतुलनीय योगदान हेतु प्रदान किया गया।
- इससे पूर्व डॉ. हेमा को 'होमोसेपियन्स में कोशिकाओं की स्मृति गतिविधियों के अध्ययन' हेतु 'पंजीकृत वैज्ञानिक पुरस्कार-2023' भी दिया जा चुका है।

**कर्मवीर चक्र पदक-**

- यह एक प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान है जो मानव कल्याण हेतु विशेष वैश्विक योगदान करने वाले

व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है।

- यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से ICONGO (Inter-National Confedration of NGOs) द्वारा प्रदान किया जाता है।

**भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद् (ICFRE) की प्रथम महिला महानिदेशक:-**

- हाल ही में 'कंचना देवी' ICFRE की प्रथम महिला महानिदेशक बनी।

**ICFRE:-**

- यह केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- इसकी स्थापना 1986 में की गई थी।

**देवेन पारेख:-**

- राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा भारतवंशी 'देवेन पारिख' को अंतर्राष्ट्रीय वित्त विकास निगम का निदेशक नामित किया गया।

**अंतर्राष्ट्रीय वित्त विकास निगम:-**

i) यह न्यूयार्क में स्थित एक वित्तीय सेवा प्रदाता निगम है।

ii) यह स्वयं या अपने सहयोगियों द्वारा वित्तीय एवं निवेश सुविधा प्रदान करता है।

iii) यह निगम विकासशील देशों के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान हेतु वित्त पोषण के लिए साझेदारी करता है।

## पुस्तकें

1. ब्रेकिंग दी मोल्ड- रघुराम राजन
2. फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी-पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे
3. इंडियास मोमेंट- डॉ मोहन कुमार
4. रोमन स्टोरीज-झुम्पा लाहिड़ी

# 11 प्रमुख दिवस/सप्ताह

| राष्ट्रीय | | |
|---|---|---|
| **दिनांक** | **दिवस** | **विशेष** |
| 1 दिसंबर | नागालैंड स्थापना दिवस | 1 दिसंबर 1963 को यह भारत का 16वां राज्य बना। |
| 2 दिसंबर | आईसीसी इंडिया आर्बिट्रेशन डे | इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स (ICC) की शताब्दी का समारोह दिसंबर, 2023 को आयोजित हुआ। |
| 2 दिसंबर | राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस | थीम - "स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह के लिए सतत विकास" |
| 4 दिसंबर | भारतीय नौसेना दिवस | विषय, “समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता , तत्परता और मिशन उपलब्धि ” (Operational Efficiency , Readiness and Mission Achievement in the Maritime Domain ”) |
| 6 दिसंबर | डॉ. भीमराव अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस | |
| 7 दिसंबर | सशस्त्र बल झंडा दिवस | |
| 14 दिसंबर | राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस | ऊर्जा संरक्षण दिवस का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन जैसे विषय के बारे में लोगों में जागरूकता विकसित करना है। |
| 19 दिसंबर | गोवा मुक्ति दिवस | देश की आजादी के 14 साल बाद 19 दिसंबर1961 को गोवा भारत में शामिल हुआ। |
| 22 दिसंबर | राष्ट्रीय गणित दिवस (National Mathematics Day) | इस दिन की घोषणा भारत के महान गणितज्ञ रामानुजन के जन्मदिन पर 26 फरवरी 2012 को डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा की गई थी। |
| 23 दिसंबर | राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस | उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 24 दिसंबर1986 को राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित किया गया था। तब से , इस अवसर को सम्मानित करने के लिए इस दिन को राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। |
| 25 दिसंबर | सुशासन दिवस | हर साल पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जयंती पर 2014 में सुशासन दिवस की स्थापना की गई थी। सरकार में जवाबदेही के बारे में भारतीय लोगों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सुशासन दिवस की स्थापना की गई थी। |
| 25 दिसंबर | मदन मोहन मालवीय जयंती | |
| 26 दिसंबर | वीर बाल दिवस | सिखों के दसवें गुरु , गुरु गोबिंद सिंह के चार पुत्रों - अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की बहादुरी और बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है |

| अंतरराष्ट्रीय | | |
|---|---|---|
| **दिनांक** | **दिवस** | **विशेष** |
| 1 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस | 'समुदायों को नेतृत्व करने दें ' (' Let communities lead ') |

| | | |
|---|---|---|
| 2 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय गुलामी उन्मूलन दिवस | यह व्यक्तियों की तस्करी , यौन शोषण , बाल श्रम , जबरन विवाह आदि सहित गुलामी के समकालीन रूपों को खत्म करने के महत्व को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। |
| 2 दिसंबर | विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस | थीम - "मानव-केंद्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरता: डिजिटल विभाजन को पाटना (" Literacy rof human eht gnigdirb : yrevocer dertnec - .edivid latigid) |
| 3 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग व्यक्ति दिवस | दिव्यांग व्यक्तियों के लिए , उनके साथ और उनको बचाने और एसडीजी को हासिल करने की कार्रवाई में एकजुट (United in action to save and achieve the SDGs for , with and by persons with disabilitiesIs) |
| 4 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस | उद्देश्य: चीतों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना। |
| 5 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस | थीम - सामूहिक कार्रवाई की शक्ति: यदि सभी ने किया (The Power of Collective Action: If Everyone Did) |
| 5 दिसंबर | विश्व मृदा दिवस | थीम -मिट्टी और पानी, जीवन का स्रोत (Soil and water, a source of life) |
| 7 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीयनागरिक उड्डयन दिवस | |
| 9 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस | **विषय -** " UNCAC at 20 : Uniting the World Against Corruption " **Is.** |
| 10 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीयमानवाधिकार दिवस | **विषय 'सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय(" Liberty , equality and justice for all")** |
| 11 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस | **थीम - "पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना" ("Restoring Mountain Ecosystems")** |
| 11 दिसंबर | यूनिसेफ दिवस | थीम -"हर बच्चे के लिए, हर अधिकार" ("For every child, everyright") |
| 12 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस | थीम- "सभी के लिए स्वास्थ्य: कार्रवाई का समय" ("Health for All: Time for Action") |
| 18 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस | थीम - "आज ही कार्य करें" ("Act Today") |
| 18 दिसंबर | अल्पसंख्यक अधिकार दिवस | विषय- "विविधता का उत्सव एवं समावेश" ("Celebration and inclusion of diversity") |
| 19 दिसंबर | अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस | थीम -' Advocacy for Change ' |

**लाइब्रेरी डे:-**

**आयोजन** – नो बैग डे (शनिवार)

**आयोजनकर्ता** – शिक्षा विभाग, राजस्थान।

**उद्देश्य** – सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी सुविधा से लाभान्वित करना।

**तथ्य** – 65471 सरकारी विद्यालयों में 16 लाख 65 हजार पुस्तकें इश्यू करवाई गई।

## किसान दिवस 2023

- किसान दिवस जिसे राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में भी जाना जाता है, भारत में हर साल 23 दिसंबर को मनाया जाता है।
- किसान दिवस हमारे किसानों द्वारा कृषि में की गई कड़ी मेहनत और देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के सम्मान में मनाया जाता है।
- यह दिन भारत के पांचवें प्रधानमंत्री श्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- उन्हें कृषि क्षेत्र और किसानों के कल्याण में उनके योगदान के लिए जाना जाता था। समाज में उनके योगदान के लिए सभी जिम्मेदार किसानों को सम्मानित करने और उनकी सराहना करने के लिए, हर साल 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाता है।
- यह दिन उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश सहित भारत के कृषि और कृषक राज्यों में लोकप्रिय है।

## अंतर्राष्ट्रीय ऊंट वर्ष, 2024

- संयुक्त राष्ट्र ने 2024 को अंतर्राष्ट्रीय कैमलिड्स वर्ष (2024) घोषित किया है।
- इसके अंतर्गत 90 से अधिक देशों में लाखों लोगों की आजीविका में अल्पाका बैक्ट्रियन ऊंट, ड्रोमेडरीज, गुआनाकोस, लामा और विकुना जैसे ऊंटों के महत्त्वपूर्ण योगदान को उजागर करेगा।
- ऊंट खाद्य सुरक्षा, पोषण और आर्थिक विकास में योगदान देते हैं और दुनियाभर के समुदायों के लिए एक मजबूत सांस्कृतिक महत्व रखते है।

  संयुक्त राष्ट्र का खाद्य और कृषि संगठन (FAO) अंतर्राष्ट्रोय कैमलिड्स वर्ष (2024) को बढ़ावा देने की पहल का नेतृत्व कर रहा है।

# 12 जिस्ट

## कुरूक्षेत्र

### आत्मनिर्भर होते गाँव - पंचायती राज मंत्रालय की भूमिका

- हमारी 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें, जो ग्रामीण भारत में स्थानीय स्वशासन के लिए ज़िम्मेदार हैं, गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए गए हर प्रयास को लागू करने के लिए एक प्रेरक शक्ति हैं। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पंचायती राज मंत्रालय विभिन्न तरीकों से आत्मनिर्भर गाँवों के निर्माण की दिशा में सार्थक योगदान दे रहा है, जैसे पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, अपने स्वयं के राजस्व स्रोत विकसित करने के लिए उनकी क्षमताओं का नए सिरे से आकलन करना, उन्हें डिजिटल अनुकूल बनाना, उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना और भविष्य के जलवायु परिवर्तन से मुकाबले के लिए तैयार करना इत्यादि।

### केंद्रीय वित्त आयोग की निधियों से सशक्तीकरण

- भारत सरकार पंचायतों के वित्तीय संसाधनों की पूर्ति के लिए फंड हस्तांतरित करती है। पंद्रहवें वित्त आयोग (XVFC) के तहत अंतरित अवधि वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 60, 750 करोड़ रुपये एवं वित्त वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए 2,36,805 करोड़ रुपये का अनुदान 28 राज्यों को सभी त्रि-स्तरीय पंचायतों तथा परंपरागत स्थानीय निकायों और छठी अनुसूची क्षेत्रों के लिए आवंटित किया गया है। य, अर्थात् मूल (अबद्ध) अनुदान और बद्ध अनुदान । केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा जारी अनुदानों से गाँवों में बुनियादी सेवाओं में सुधार हुआ है। केंद्रीय वित्त 3 अनुदान का प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष आवंटन 12वें वित्त (2005-10) में 54 रुपये से बढ़कर 15वें वित्त आयोग 26) में 674 रुपये हो गया
- भारत सरकार पंचायतों के वित्तीय संसाधनों की पूर्ति के लिए धन हस्तांतरित करती है।

**अनुदान दो भागों में हैं:**

- **अबद्ध अनुदान:** इस का उपयोग, वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, भारत के संविधान की अनुसूची XI के तहत निहित 29 विषयों पर महसूस की गई जरूरतों के लिए किया जा सकता है।
- **बद्ध अनुदान:** इस का उपयोग बुनियादी सुविधाओं, विशेष रूप से पेयजल और स्वच्छता के लिए ही किया जाना है ।

### सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण (एलएसडीजी)

- सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा पर हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, भारत 17 सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है।
- भारत का लगभग 68% हिस्सा ग्रामीण है, राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गाँवों के ज़मीनी स्तर यानी पंचायत स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है।
- इस दिशा में, पंचायती राज मंत्रालय ने एक रोडमैप तैयार किया है, जो 17 एसडीजी को नौ विषयगत क्षेत्रों में एकीकृत करता है ताकि लक्षित साक्ष्य आधारित पंचायत विकास योजनाओं, विशेष रूप से ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के माध्यम से, गाँवों में सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पंचायतों को मिल कर काम करने में मदद मिल सके।
- सतत विकास लक्ष्यों को स्थानीयकृत करके, देश की लगभग 2.5 लाख पंचायतों ने अपने गाँवों को स्थानीय स्तर पर निर्धारित गतिविधियों से संतृप्त करने का संकल्प लिया है।
- पंचायती राज मंत्रालय इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करके उनकी क्षमताओं को बढ़ा रहा है, और अब वे इन लक्ष्यों को तेज़ी से पूरा करने की दिशा में अग्रसर हैं।

**पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना**

- स्वयं के राजस्व स्रोत (ओएसआर ) पंचायती राज संस्थाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- पंचायतों के स्वयं के राजस्व स्रोत (ओएसआर) को मज़बूत करना महत्वपूर्ण है जिसमें संपत्ति कर, शुल्क, जुर्माना और अन्य उपकर जैसे स्थानीय स्रोतों से राजस्व सृजन बढ़ाने की पहल शामिल है।
- इसे बेहतर टैक्स अनुपालन, आर्थिक गतिविधियों और स्थानीय संसाधनों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर हासिल किया जा सकता है।
- पंचायती राज मंत्रालय ने स्थानीय ग्रामीण निकायों के स्वयं के राजस्व स्रोत के सृजन पर एक विशेषज्ञ समिति का गठन कर उसकी रिपोर्ट को जारी किया है।

**पंचायतों द्वारा डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना**

- 'ई-पंचायत' राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के तहत पंचायती राज संस्थाओं में प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिक जन- भागीदारी के साथ अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावी स्वशासन विकसित करने के लिए बनाया गया एक सार्थक और दूरगामी मिशन है।
- इस परियोजना का उद्देश्य देशभर की 2.5 लाख से अधिक पंचायतों की आंतरिक कार्य प्रक्रिया को स्वचालित करना है। पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मंत्रालय द्वारा कई ई-गवर्नेंस पहल शुरू की गई हैं।

**ई-गवर्नेंस पहल & ग्राम मनचित्र:**

- ग्राम मानचित्र वर्ष 2019 में लांच किया गया था।
- इस अनुप्रयोग को विभिन्न मंत्रालयों के जैसे जिला अस्पतालों, उप- जिला अस्पतालों, सीएससी, पीएससी और उप केंद्रों (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय), बैंक शाखाओं, एटीएम, बैंकिंग पत्राचार आदि जैसी बैंकिंग सुविधाओं के स्थानिक और गैर-स्थानिक डेटा के साथ एकीकृत किया जा रहा है।
- इस अनुप्रयोग को सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) रिपोर्ट, मिशन अंत्योदय एवं मिशन अंत्योदय अंतराल विश्लेषण एवं ग्राम पंचायतों को आवंटित रिसोर्स एनवलप से भी जोड़ा गया है।

**ई-ग्राम स्वराज:**

- 24 अप्रैल 2020 को पंचायती राज संस्थाओं के लिए कार्य-आधारित लेखांकन सॉफ्टवेयर लॉन्च किया गया।
- ई-ग्राम स्वराज और पीएफएमएस (ईजीएसपीआई) के लेखांकन मॉड्यूल का एकीकरण, केंद्रीय वित्त आयोग के तहत होने वाले व्यय जैसे ऑनलाइन भुगतान करने के लिए पंचायतों को एक इंटरफ़ेस प्रदान करने के लिए किया गया था।

**eGSPI:**

- GPs के लिए विक्रेताओं/सेवा प्रदाताओं को वास्तविक समय पर भुगतान करने के लिए एक तरह का इंटरफ़ेस।

**ई-ग्रामस्वराज- सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) इंटरफ़ेस:**

- 24 अप्रैल 2023 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर रीवा, मध्य प्रदेश में लॉन्च किया गया, यह ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए, पंचायतों को GeM के माध्यम से अपने सामान और सेवाओं को खरीदने में सक्षम बनाएगा।

**ग्राम ऊर्जा स्वराज की दिशा में पहल**

- 'ग्राम ऊर्जा स्वराज' का दृष्टिकोण नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण आबादी की सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को समायोजित करने और संबोधित करने का एक प्रयास है।
- मंत्रालय केंद्र और राज्य स्तर पर विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करके पंचायतों के लिए स्थानीय जलवायु कार्ययोजना तैयार करने की सुविधा प्रदान करेगा।
- पंचायती राज मंत्रालय ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को अपनाने के प्रति ग्राम पंचायतों की उपयुक्तता और रुझान का पता लगाने के लिए 'ग्राम ऊर्जा स्वराज' डेशबोर्ड लॉन्च किया है।

**संपत्ति का अधिकार प्रदान करने वाली 'स्वामित्व' योजना - संपत्ति के मुद्रीकरण की राह**

- 24 अप्रैल 2020 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य बसे हुए ग्रामीण क्षेत्रों में घर रखने वाले गांव के घरेलू मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करना और राज्य राजस्व या पंचायती राज अधिनियमों द्वारा समर्थित संपत्ति मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी करना है।
- इससे ऋण और अन्य वित्तीय सेवाओं के लिए ग्रामीण आवासीय संपत्तियों के मुद्रीकरण की सुविधा मिलेगी।
- SVAMITVA पहल के माध्यम से गाँव का सुनियोजित विकास भी संभव हो सका है।

## आकांक्षी जिला और ब्लॉक कार्यक्रम

- भारत एक बहु-सांस्कृतिक राष्ट्र है जो अपनी समृद्ध विविधता से विश्व में अपना एक अलग स्थान रखता है। यह समृद्धि विभिन्न भाषाओं और जीवनशैली में प्रकट होती है। हालाँकि यह विविधता नागरिकों के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को भी जन्म देती है। जहां कुछ क्षेत्रों में तेजी से औद्योगिकीकरण और शहरीकरण हो रहा है, वहीं अन्य क्षेत्रों को पिछड़ेपन का सामना करना पड़ रहा है।

## असमानता के कारण

- विषम भौगोलिक भू-भाग
- संसाधनों की कमी
- ऐतिहासिक अन्याय
- सामाजिक उपेक्षा और निर्बलता
- अकुशल प्रशासन
- नागरिक अशांति

## आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP)

- **लॉन्च:** 2018 में 28 राज्यों के 112 आकांक्षी जिलों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए।
- **समन्वयित:** नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोग से।
- **ADP के 5 मुख्य विषय**
  - स्वास्थ्य एवं पोषण (30% वेटेज)
  - शिक्षा (30% वेटेज)
  - कृषि एवं जल संसाधन (20% वेटेज)
  - वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास (10%)
  - बुनियादी ढांचा (10%)
- **रैंकिंग:** यह कार्यक्रम चैंपियंस ऑफ चेंज डैशबोर्ड (एक ऑनलाइन डैशबोर्ड) के माध्यम से महीने-दर-महीने प्राप्त सुधार के आधार पर जिलों को रैंक करता है।

## संस्थागत ढांचा और मुख्य रणनीति

- राज्य इस कार्यक्रम के मुख्य संचालक हैं। प्रत्येक जिले के लिए एक केन्द्रीयप्रभारी अधिकारी नामित किया गया है। उसका पद संयुक्त सचिव/अतिरिक्त सचिव से नीचे का नही होना चाहिए।

**कार्यक्रम की रणनीति**

- हर जिले की ताकत पर काम करें
- इन जिलों में विकास को जन आंदोलन बनाएं
- प्रत्येक जिले की संभावित संभावनाओं और ताकत की पहचान करें जो विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सकता है
- प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने के लिए प्रगति को मापें और जिलों को रैंक दें
- जिले राज्य के सर्वश्रेष्ठ से राष्ट्र के सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रखेंगे

**महत्व**

- **अधिक स्वायत्तता:** राज्य और स्थानीय सरकारें अन्य संस्थानों की तुलना में अपनी विकास चुनौतियों को बेहतर ढंग से पहचानती हैं, और इसलिए, अनुकूलित नीतिगत हस्तक्षेप तैयार कर सकती हैं।
- **बेहतर प्रशासन:** कार्यक्रम मौजूदा संसाधनों का अधिक कुशलतापूर्वक उपयोग करता है और कम पैसे में बेहतर परिणाम प्राप्त करता है।
- **नवोन्मेषी सेवा वितरण दृष्टिकोण:** छात्रों के सीखने के परिणामों में सुधार के लिए स्मार्ट क्लासरूम पहल (बांका, बिहार) को बिहार, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और झारखंड के आकांक्षी जिलों में दोहराया जा रहा है।
- **अधिक सार्वजनिक निजी भागीदारी:** आकांक्षी जिला कार्यक्रम ने निजी क्षेत्र, परोपकारी संगठनों और तकनीकी भागीदारों के साथ सरकार के सहयोग को बढ़ाया है।
- **प्रतिस्पर्धी संघवाद:** इसने जिलों को नियमित रूप से अन्य आकांक्षी जिलों और देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों के संबंध में अपनी स्थिति का आकलन करने की अनुमति देकर उनके बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है।

**उपलब्धियाँ**

- **सामुदायिक स्वास्थ्य:** सभी जिलों में मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित किए गए हैं। पोषण ऐप को रांची में रीयल-टाइम स्वास्थ्य डेटा विश्लेषण के लिए विकसित किया गया है।
- **शिक्षा में सुधार:** अरुणाचल प्रदेश के नामसाई का 'हमारा विद्यालय' मॉडल सीखने के परिणामों और समग्र शिक्षण प्रथाओं में काफी सफल रहा है।
- **कृषि:** कार्यक्रम में आकांक्षी जिलों के स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार संपर्क बनाने के लिए सिंचाई सुविधाओं, उपज और किसान शिक्षा में सुधार पर जोर दिया गया।
- **बुनियादी ढाँचा:** ADP ने ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक बेहतर कनेक्टिविटी और निर्बाध आवाजाही की सुविधा प्रदान करके वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- **वित्तीय समावेशन:** महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए जिलों में माइक्रो-एटीएम लॉन्च किए गए हैं।

**आकांक्षी जिला कार्यक्रम के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ**

- **अपर्याप्त बजट:** एडीपी अपर्याप्त बजटीय संसाधनों से संबंधित मुद्दे से त्रस्त है।
- **एकाधिक आदेश:** ADP को कई मंत्रालयों द्वारा लागू किया जाता है जिससे समन्वय की कमी होती है।
- **उच्च गुणवत्ता वाला प्रशासनिक डेटा:** स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम कार्यान्वयन और डिजाइन को मजबूत करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।
- **शिक्षा गुणवत्ता:** ASER रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षिक मानकों में न्यूनतम सुधार दिख रहा है।

**आगे की राह**

- **सरलीकृत रैंकिंग सूचकांक:** इसके लिए कुशल आउटपुट और परिणाम उपायों की आवश्यकता है जो भारत के शैक्षिक मानकों को पूरा कर सकें।
- **स्थानीय सरकारों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता**।
- **स्वतंत्र सर्वेक्षण: वे** प्रशासनिक डेटा को मान्य करने में मदद कर सकते हैं जो बदले में डेटा गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकता है।

**प्रयोगशाला से खेतों तक**

- संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, 2050 तक भारत की जनसंख्या 1.64 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। बिगड़ते प्राकृतिक संसाधनों, सिकुड़ती कृषि योग्य भूमि और वैश्विक जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों के कारण इतनी बड़ी आबादी का गुणात्मक और मात्रात्मक पोषण एक विकट चुनौती है। हालाँकि, उभरती प्रौद्योगिकियों और कृषि नवाचारों में सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में गेम चेंजर बनने की क्षमता है।

**किसानों तक कुशल और प्रभावी पहुंच के लिए पहल**

- **'लैब टू लैंड':** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा लॉन्च किया गया, और इसमें किसानों और खेतों तक प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और सूचनाओं के हस्तांतरण से संबंधित सभी गतिविधियां शामिल हैं।
- **केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय:** राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सहायक नोड्स के साथ विस्तार सेवा की शीर्ष संस्था।
- **कृषि विस्तार पर उप-मिशन (SMAE):** कृषि मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया गया जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में जागरूकता सृजन और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के उन्नत उपयोग पर केंद्रित है। 4 घटक:
  - विस्तार सुधारों के लिए राज्य विस्तार कार्यक्रमों को समर्थन
  - कृषि विस्तार के लिए मास मीडिया समर्थन
  - किसान कॉल सेंटर
  - कृषि-क्लिनिकों एवं कृषि-व्यवसाय केन्द्रों की स्थापना
- **विस्तार प्रभाग:** यह विस्तार पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण और किसानों के कौशल विकास में लगे केंद्रीय और राज्य-स्तरीय संस्थानों को सहायता प्रदान करता है और देश में विभिन्न स्तरों पर किसान-केंद्रित प्रदर्शनियों, मेलों, सेमिनारों आदि के आयोजन में भाग लेता है और सुविधा प्रदान करता है।
- **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR):** यह कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के लिए राष्ट्रीय शीर्ष निकाय है।
- **कृषि विज्ञान केंद्र (KVK):** किसानों को कृषि प्रौद्योगिकियों और ज्ञान के हस्तांतरण के लिए पायलट आधार पर 1974 में पुडुचेरी में केवीकेएस की शुरुआत की गई थी। कार्य:
  - विभिन्न कृषि प्रणालियों के तहत कृषि प्रौद्योगिकियों की स्थान विशिष्टता का आकलन करने के लिए खेत पर परीक्षण;
  - किसानों के खेतों पर प्रौद्योगिकियों की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए फ्रंटलाइन प्रदर्शन आयोजित करना;
  - किसानों और विस्तार कर्मियों को उनके तकनीकी ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए क्षमता विकास;
  - जिले की कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए प्रौद्योगिकियों के ज्ञान और संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना;
  - विभिन्न माध्यमों और तरीकों का उपयोग करके किसानों को कृषि-सलाह प्रदान करना
- **कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (ATICS):** किसानों को प्रौद्योगिकी, सूचना, सलाहकार सेवाएं और तकनीकी इनपुट प्रदान करने के लिए एकल खिड़की वितरण प्रणाली।
- **'क्षमता' (जनजातीय क्षेत्रों में ज्ञान प्रणाली और घरेलू कृषि प्रबंधन):** आदिवासी क्षेत्रों में कृषि उत्पादन और किसानों की आय को बढ़ावा देने के लिए इसे KVKS के सहयोग से लॉन्च किया गया है।
- **विशेष जागरूकता कार्यक्रम :** धान की फसल के अवशेषों को खेतों में जलाने के मौजूदा संकट से निपटने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

- **सामान्य सेवा केंद्र:** कृषि संबंधी समस्याओं को लेकर सीएससी पर आने वाले किसानों को तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए।
- **जिला कृषि-नेट इकाइयाँ:** भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ समझौता ज्ञापन के तहत, किसानों को स्थानीय भाषा में कृषि-मौसम सलाहकार सेवाएं प्रदान करने के लिए लगभग 200 केवीके के परिसर में उनकी स्थापना की गई है।
- **'मेरा गांव, मेरा गौरव' (My Village, My Pride):** यह आईसीएआर की एक अनूठी लैब टू लैंड पहल है जिसमें वैज्ञानिकों के समूह किसानों तक प्रौद्योगिकियों और सूचनाओं के प्रसार के लिए गांवों की पहचान/गोद लेते हैं।
- **प्रोजेक्ट फार्मर फर्स्ट (खेत, नवाचार, संसाधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी):** इसके अंतर्गत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न मॉड्यूल पर किसानों के खेतों पर सहभागी प्रदर्शन आयोजित किये जाते हैं।
- **ARYA (कृषि में युवाओं को आकर्षित करना और बनाए रखना):** इसका उद्देश्य विभिन्न कृषि-उद्यमों में युवाओं को कौशल/प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना है।
- **प्रोजेक्ट NICRA:** केवीके परियोजना NICRA (क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर पर राष्ट्रीय नवाचार) के तहत किसानों को 'क्लाइमेट-स्मार्ट' कृषि अपनाने के लिए तकनीकी रूप से सशक्त बना रहे हैं।
- **प्रोग्राम स्टूडेंट रेडी (ग्रामीण एवं उद्यमिता जागरूकता विकास योजना):** इसमें, कृषि में स्नातक छात्रों को विशिष्ट समस्याओं को समझने और उन्हें स्वतंत्र रूप से इन समस्याओं से निपटने में सक्षम बनाने के लिए कृषि-वास्तविकताओं से अवगत कराया जाता है।
- **mKISAN:** किसानों को ज्ञान के त्वरित हस्तांतरण के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एक पोर्टल लॉन्च किया गया।
  - यह किसानों के हाथों में उनकी अपनी भाषा में टेक्स्ट/वॉयस संदेशों के रूप में उनकी पसंद के अनुसार जानकारी/सलाह प्राप्त करने के लिए मोबाइल/स्मार्ट फोन की शक्ति प्रदान करता है।
  - यह उनकी रुचि के कई डेटाबेस तक पहुंच की भी अनुमति देता है।
  - यह कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में लगे केंद्र और राज्य सरकार के संगठनों को किसानों को उनकी भाषा में एसएमएस के माध्यम से सूचना, सेवाएँ, सलाह आदि जारी करने में सक्षम बनाता है।
- **आईवीआरएस (इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम) और पुल एसएमएस:** मूल्यवर्धित सेवाएँ जिन्होंने किसानों और अन्य हितधारकों को इंटरनेट के बिना अपने मोबाइल फोन पर वेब-आधारित सेवाएँ प्राप्त करने में सक्षम बनाया है।

## आत्मनिर्भर गाँव में कृषि की भूमिका

- भारत को इस अद्वितीय चरित्र का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जो आज भी गांवों में संरक्षित और प्रचलित है। यदि ऐसा है तो भारत का सार उसके गांवों में निहित है। और विपरीत विचारों को तत्काल अस्वीकार करना भारतीयों की प्रवृत्ति है।

## 'उन्नत भारत अभियान'

- **विवरण:** शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम।
- **लॉन्च:** 2014.
- **उद्देश्य:** उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) को कम से कम (5) गाँवों के समूह से जोड़ना, ताकि ये संस्थान अपने ज्ञान आधार का उपयोग करके इन गाँव समुदायों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सुधार कर सकें।
- **2 प्रमुख डोमेन एकीकृत करता है:**
  - मानव विकास
  - भौतिक (आर्थिक) विकास
- **राष्ट्रीय समन्वय संस्थान (NCI):** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी, दिल्ली)
- **उद्देश्य:**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्दों की पहचान करने और स्थायी समाधान खोजने में एचईआई के संकाय और छात्रों को शामिल करना।
  - मौजूदा नवीन प्रौद्योगिकियों की पहचान करना
  - प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन को सक्षम करना
  - नवीन समाधानों के लिए कार्यान्वयन के तरीके तैयार करना

## उन्नत भारत अभियान 2.0

- **विवरण:** यूबीए 1.0 का उन्नत संस्करण।
- **लॉन्च:** 2018
- **उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम का चैलेंज मोड:** इसमें सभी HEI को स्वेच्छा से कम से कम 5 गांवों को गोद लेना आवश्यक है।

## ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना

- मुख्य रूप से एक ग्रामीण राष्ट्र, भारत की लगभग दो-तिहाई आबादी लगभग 6.49 लाख गांवों में रहती है। 'डिजिटलीकरण' एक समाधान के रूप में उभरता है, जिससे कृषि संसाधन दक्षता में सुधार होता है और ग्रामीण सेवाओं को समृद्ध किया जाता है। यह दृष्टिकोण संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी है, जो गरीबी, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे परस्पर जुड़े मुद्दों को संबोधित करके ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति को बढ़ावा देता है।

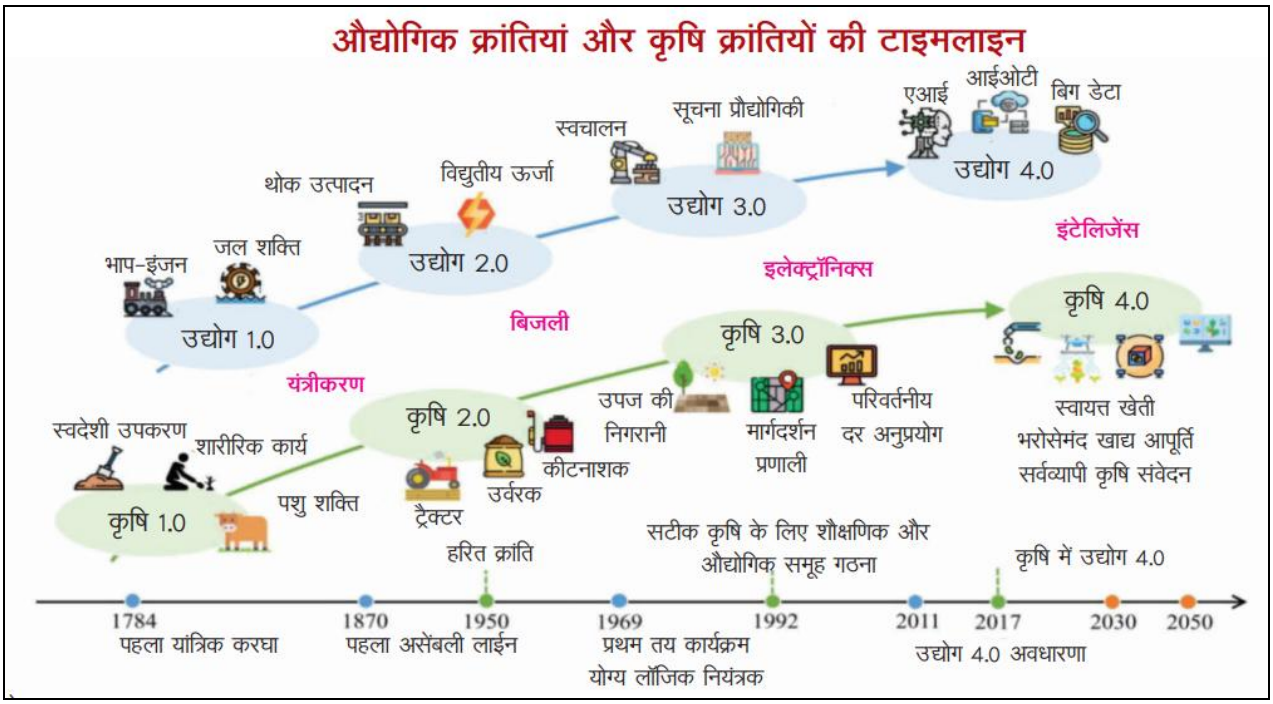


## औद्योगिक और कृषि क्रांतियाँ

- कृषि क्षेत्र अपनी स्वयं की क्रांति की शुरुआत कर रहा है जिसे 'कृषि 4.0' के नाम से जाना जाता है।
- यह प्रतिमान बदलाव कृषि और पर्यावरणीय चुनौतियों के एक स्पेक्ट्रम को संबोधित करने के लिए डिजिटलीकरण, स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत कर रहा है।

## डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर गांव और परिवर्तन

- डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर गांव उच्च तकनीक शिक्षा को एकीकृत करता है, बेहतर शिक्षा के लिए इंटरनेट एक्सेस, ई-सामग्री, शैक्षिक ऐप्स, स्मार्ट कक्षाएं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रदान करता है।
- यह विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से ई-स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान करता है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं सहित कुशल ई-गवर्नेंस सुनिश्चित करता है।
- गाँव बुद्धिमान आईसीटी बुनियादी ढांचे और पर्यावरण-अनुकूल सुविधाओं से सुसज्जित है, जो हर मौसम में चलने वाली सड़कों, परिवहन सुविधाओं, स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों, अच्छी तरह से बनाए गए स्कूलों, उन्नत आंगनवाड़ी केंद्रों, बैंकों और जल आपूर्ति प्रणालियों जैसे मजबूत बुनियादी ढांचे से पूरित है।

## डिजिटल सशक्तिकरण के लिए सरकारी पहल

- **'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम, 2015:** यह हाई-स्पीड इंटरनेट के माध्यम से सरकारी सेवाओं को देश के हर कोने तक पहुंचाने का प्रयास करता है।
- **भारत नेट परियोजना:** यह गांवों में ई-बैंकिंग, ई-गवर्नेंस, इंटरनेट सेवाओं और ई-शिक्षा को बढ़ाकर इस प्रयास को और बढ़ावा देती है, जिससे सभी ग्राम पंचायतों को 100 एमबीपीएस कनेक्टिविटी से जोड़ा जा सके।
- **प्रधान मंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई):** यह देश की डिजिटल पहुंच को मजबूत करते हुए रुपे डेबिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन लेनदेन को सक्षम करके ग्रामीण भारत में वित्तीय और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देती है।
- **एआई फॉर ऑल: नीति आयोग की कृषि डिजिटलीकरण की पहल:** नीति आयोग ने AI कार्यान्वयन के लिए 5 प्रमुख क्षेत्रों को लक्षित किया है:
  - स्वास्थ्य देखभाल: गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और सामर्थ्य में वृद्धि।
  - कृषि: किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादकता में वृद्धि और बर्बादी में कमी।
  - शिक्षा: शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार।
  - स्मार्ट सिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर: बढ़ती शहरी आबादी के लिए कनेक्टिविटी।
  - स्मार्ट गतिशीलता और परिवहन: परिवहन के स्मार्ट और सुरक्षित तरीके और बेहतर यातायात और भीड़भाड़ समस्या निवारण।

- **आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड जो आत्मनिर्भर भारत के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाता है:** आत्मनिर्भर भारत कोष आत्मनिर्भर भारत के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह फंड मदर फंड-डॉटर फंड संरचना को नियोजित करता है, जिससे एमएसएमई के लिए विकास पूंजी का स्थायी प्रवाह सुनिश्चित होता है।
- **डिजिटल सशक्तिकरण के लिए फिनटेक कंपनियों की पहल:** फिनटेक कंपनियां ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे की स्थापना कर रही हैं, दूरदराज के गांवों में डिजिटल बिल भुगतान (मोबाइल, बिजली, डीटीएच, पानी) की सुविधा के लिए कियोस्क, पीओएस डिवाइस और मोबाइल वैन तैनात कर रही हैं।
- **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड):** यह ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्ष वित्त, लघु और दीर्घकालिक ऋण जैसी कई वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।
- **उद्यमशीलता प्रक्रिया फ्रेमवर्क:** एनआईएफटीईएम ग्राम कार्यक्रम से प्राप्त एक प्रक्रिया नवाचार है जो स्मार्ट गाँवों के भीतर संभावित उद्यमियों की पहचान करने के लिए चरण-दर-चरण प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है।

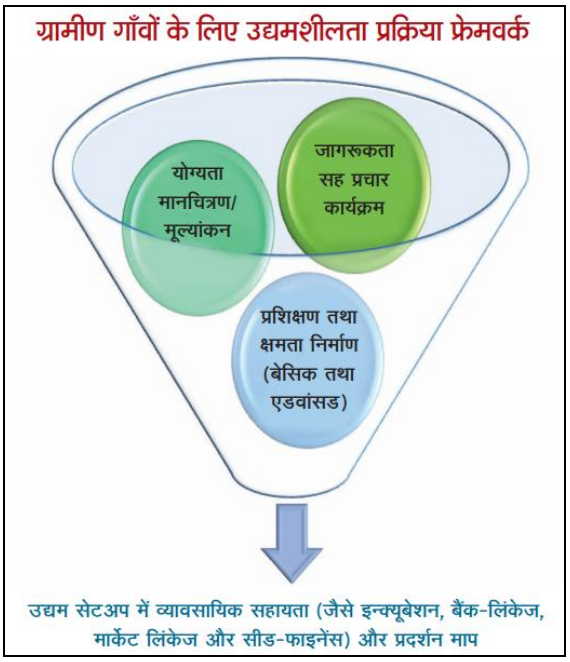


## ग्रामीण उत्पादों के लिए ई-कॉमर्स

- 'ग्रामीण ई-कॉमर्स' की अवधारणा मुख्यधारा के ई-कॉमर्स से अलग है, जो ग्रामीण उत्पादों के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करती है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी बाजारों से जोड़ना और आय स्तर को बढ़ाना है।

### मुद्दे और चुनौतियाँ

- भुगतान संबंधी मुद्दे.
- डिजिटल बुनियादी ढांचे की कमी
- अकुशल डाक सेवाएँ आदि सहित लौजिस्टीक्स चुनौतियाँ।
- ई-कॉमर्स जागरूकता.
- व्यवसायिक क्षमता
- उत्पाद की गुणवत्ता
- **भाषा बाधाएँ:** कई ई-कॉमर्स वेबसाइटें मुख्य रूप से अंग्रेजी का उपयोग करती हैं, जो ग्रामीण उपयोगकर्ताओं के लिए भाषा बाधा उत्पन्न करती है।
- मुद्रा चुनौतियाँ

### अंतर्राष्ट्रीय ई-कॉमर्स पहल

- **चीन:** चीन ने मुख्य रूप से अलीबाबा और जिंगडोंग जैसी कंपनियों के नेतृत्व में ग्रामीण ई-कॉमर्स में वृद्धि देखी है। अलीबाबा ने अपनी सहायक कंपनी ताओबाओ गांवों के साथ, बुनियादी ढांचे के विकास और डिजिटलीकरण पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण ई-टेलर्स के लिए ई-मार्केटप्लेस बनाए हैं।
- **जापान:** जापान की 'एक गांव एक उत्पाद (ओवीओपी)' पहल, जिसे शुरू में ओइता प्रान्त में लागू किया गया था, का उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ग्रामीण समुदायों का कायाकल्प करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाना है।
- **कोरिया गणराज्य:** दक्षिण कोरिया में सूचना नेटवर्क गांव (आईएनवीआईएल) परियोजना का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन को पाटते हुए, उच्च गति इंटरनेट पहुंच के साथ ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना है।

### आगे की राह

- **मोबाइल ऐप्स:** केन्या में एम-फार्म जैसे मोबाइल ऐप्स ने किसानों को वास्तविक समय की कीमत की जानकारी, सूचित निर्णय लेने और फसल पैटर्न में बदलाव करने में सक्षम बनाया है।
- **एग्रोबॉट्स और एआई स्टार्टअप इनोवेशन (एगटेक):** ये रोबोट जल प्रबंधन और सिंचाई अनुकूलन जैसे कार्यों में सहायता करके खेती में क्रांति ला रहे हैं। जैसे, डिनो एग्रोबोट।
- **एआई-संचालित समाधान:** वे चेहरे और आवाज की पहचान का उपयोग करते हैं, श्रम लागत को कम करते हैं और दक्षता में सुधार करते हैं। एआई का उपयोग

करके, सुअर फार्मों से सुअर पालकों की श्रम लागत 30% से 50% तक कम हो जाएगी, और फ़ीड की आवश्यकता कम हो जाएगी

- **प्रिसिजन एग्रीकल्चर में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT):** इसमें मार्गदर्शन प्रणाली, वेरिएबल रेट टेक्नोलॉजीज (VRT), और ड्रोन शामिल हैं। ये प्रौद्योगिकियां रोपण, उर्वरक और सिंचाई पर सटीक डेटा प्रदान करके संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करती हैं, लागत कम करती हैं और उत्पादकता बढ़ाती हैं।
- **ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी:** ब्लॉकचेन खाद्य ट्रेसेबिलिटी सुनिश्चित करता है, पारदर्शिता बढ़ाता है और उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करता है।

## गाँवों में आर्थिक विकास को बढ़ावा

- भारतीय गाँवों की आत्मनिर्भरता का विचार सबसे पहले 1830 में सर चार्ल्स मेटकॉफ द्वारा प्रतिपादित किया गया था। महात्मा गाँधी ने यथार्थवादी तरीके से 'ग्राम स्वराज' की संकल्पना की और एक आदर्श गाँव की अवधारणा की कल्पना 'एक पूर्ण गणतंत्र जो अपनी-अपनी आवश्यकताओं के लिए अपने पड़ोसियों से स्वतंत्र हो' के रूप में की।
- गाँव भारत की जीवन रेखा हैं क्योंकि देश की 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद में 25-30 प्रतिशत का योगदान देती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 'कृषि', आय और रोज़गार का मुख्य स्रोत है क्योंकि 47 प्रतिशत आबादी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। ग्रामीण क्षेत्रों को सूक्ष्म आर्थिक इकाइयों में परिवर्तित किया जा सकता है जो आत्मनिर्भर रह सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

## ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सहायता

- **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा):** यह वैधानिक न्यूनतम मजदूरी पर सार्वजनिक कार्य से संबंधित अकुशल काम करने के इच्छुक किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान करती है।
- **प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई):** 25 दिसंबर 2000 को शुरू की गई, यह योजना सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें बनाने का प्रयास करती है जो ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ेगी। इसका लक्ष्य ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करना है।
- **प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी):** इसका लक्ष्य 2022 तक सभी आवासहीन गृहस्वामियों और कच्चे और जीर्ण-शीर्ण घरों में रहने वाले परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के साथ एक पक्का घर प्रदान करना है।
- **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम):** ग्रामीण विकास मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम, यह गरीबों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए मजबूत संस्थानों के निर्माण के माध्यम से गरीबी में कमी को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, और इन संस्थानों को वित्तीय सेवाओं और आजीविका की एक श्रृंखला तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।
- **जल जीवन मिशन:** इसका लक्ष्य प्रत्येक घर में सीधे जल आपूर्ति प्रदान करना है।

## ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल निर्माण

- **मनरेगा:** मनरेगा सभी आयु वर्ग के अकुशल श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है।
- **दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई):** 2014 में शुरू की गई, यह गरीब परिवारों के 15 से 35 वर्ष के बीच के ग्रामीण युवाओं पर केंद्रित है और इस कार्यक्रम में अब तक 14.51 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।
- **ग्रामीण स्वरोजगार और प्रशिक्षण संस्थानों (आरएसईटीआई) के माध्यम से कौशल विकास:** इसमें बेरोजगार ग्रामीण युवाओं, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे के युवाओं में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और समय-समय पर कौशल उन्नयन के लिए विकास सहायता प्रदान की जाती है।
- **प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई):** कौशल भारत मिशन का एक हिस्सा और ग्रामीण युवाओं के कौशल-आधारित प्रशिक्षण को सक्षम कर रहा है।
- **प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी):** इसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और बेरोजगार युवाओं की मदद करके गैर-कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से स्व-रोज़गार के अवसर पैदा करना है।

## स्मार्ट गांव

- **स्टार्ट-अप की भूमिका:** वे कृषि को स्मार्ट बनाने के लिए प्रमुख प्रौद्योगिकी सृजन केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।
- **प्रमुख प्रौद्योगिकियां:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा एनालिटिक्स, विभिन्न कृषि कार्यों के लिए ड्रोन, आईसीटी अनुप्रयोग, मौसम पूर्वानुमान के लिए प्रौद्योगिकी।

- **एग्रीटेक स्टार्टअप:** वे सटीक खेती, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और बाजार लिंकेज सहित कृषि के विभिन्न पहलुओंकेलिएअभिनव समाधान विकसित कर रहे हैं।
- **'कल के गांव' (Villages of Tomorrow) :** इसे ग्रामीण क्षेत्र में असमानताओं को कम करने और लिंग-संवेदनशील डिजिटलीकरण विकसित करने के लिए तुर्की स्थित ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ट्रेंडयोल के साथ संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा डिजाइन किया गया है।
- **'कृषि एक्सेलेरेटर फंड':** इसे ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों द्वारा स्थापित कृषि स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए पेश किया गया था।
- **योनो कृषि ऐप:** किसानों की वित्त, इनपुट और सलाहकार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।
- **ITC MAARS (उन्नत कृषि ग्रामीण सेवाओं के लिए मेटा मार्केट):** किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कृषि और संबंधित सेवाएं प्रदान करके किसानों की आय और कृषि उत्पादों की कुशल खरीद को बढ़ावा देना।
- **ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाओं के प्रावधान (PURA) की अवधारणा:** यह शहरी क्षेत्रों के बाहर आर्थिक अवसर पैदा करने के लिए ग्रामीण केंद्रों में शहरी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करने का आह्वान करता है।

## लखपति दीदी - एक अनूठी पहल

- **उद्देश्य:** दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के एसएचजी दीदियों के 10 करोड़ के परिवार से कम से कम 2 करोड़ लखपति दीदियों को जल्द ही सक्षम बनाना।
- **'लखपति दीदी':** वह जो प्रति परिवार प्रति वर्ष कम से कम 1 लाख रुपये की स्थायी आय अर्जित करती है।
- **योजना के प्रावधान:**
  - महिलाओं को उभरती उद्योग की मांगों के अनुरूप कई व्यावहारिक कौशलों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।
  - कौशल में प्लंबिंग, एलईडी बल्ब निर्माण और ड्रोन का संचालन और मरम्मत सहित अन्य शामिल हैं।
  - STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित) में महिलाओं को सशक्त बनाना।

## दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- **विवरण:** भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित एक प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम।
- **उद्देश्य:** गरीब परिवारों को लाभकारी स्व-रोजगार और कुशल-मजदूरी रोजगार के अवसरों तक पहुंचने में सक्षम बनाकर गरीबी को कम करना, जिसके परिणामस्वरूप गरीबों के लिए टिकाऊ और विविध आजीविका विकल्प उपलब्ध होंगे।
- **दृष्टिकोण:** एक मांग-संचालित दृष्टिकोण जो राज्यों को अपनी राज्य-विशिष्ट गरीबी उन्मूलन कार्य योजनाएँ तैयार करने में सक्षम बनाता है।
- **4 मुख्य घटक:**
  - सामाजिक गतिशीलता और ग्रामीण गरीबों के स्व-प्रबंधित और वित्तीय रूप से टिकाऊ सामुदायिक संस्थानों को बढ़ावा देना और मजबूत करना;
  - ग्रामीण गरीबों का वित्तीय समावेशन;
  - स्थायी आजीविका; और
  - सामाजिक समावेशन, सामाजिक विकास और अभिसरण

## DAY-NRLM द्वारा की गई प्रगति

- **भौगोलिक कवरेज:** मिशन ने गहन रणनीति के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (दिल्ली और चंडीगढ़ को छोड़कर) के 742 जिलों में फैले 7091 ब्लॉकों को कवर किया है।
- **सामाजिक गतिशीलता/संस्था निर्माण:** 9.54 करोड़ महिलाओं को 87.39 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित किया गया है।
- **सामाजिक पूंजी:** समुदाय संचालित दृष्टिकोण मिशन की कार्यान्वयन रणनीति का केंद्र है। लगभग 4 लाख सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को कई हस्तक्षेपों में प्रशिक्षित किया गया है।
- **पूंजीकरण सहायता:** मिशन के तहत सामुदायिक निवेश सहायता के रूप में संचयी रूप से लगभग 33,497.62 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं।
- **एसएचजी-बैंक लिंकेज:** 2013-14 से एसएचजी द्वारा लगभग 6.96 लाख करोड़ रुपये का बैंक ऋण प्राप्त किया गया है।
- **बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट (बीसीए) के रूप में एसएचजी सदस्य:** वित्तीय सेवाओं की अंतिम छोर तक डिलीवरी प्रदान करने के लिए, 1,00,000 से अधिक एसएचजी सदस्यों की पहचान की गई है और उन्हें बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट/डिजीपे पॉइंट के रूप में **प्रशिक्षित** किया गया है।

- **आजीविका:** DAY-NRLM फार्म हस्तक्षेपों के तहत गहन ब्लॉकों में टिकाऊ कृषि, पशुधन और NTFP को बढ़ावा देता है।
- **कस्टम हायरिंग सेंटर/टूल बैंक:** ये सीएचसीएस छोटे और सीमांत किसानों को मामूली दर पर कृषि उपकरण और अन्य सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।

# योजना

## अंतरिक्ष में भारत की ऊंची उड़ान

- 60 के दशक के मध्य के उस दौर में जब विश्वभर की अंतरिक्ष एजेंसियां अंतरिक्ष दौड़ में लगी थीं, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का विकास वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों पर केन्द्रित था। तभी से कार्यक्रम का विस्तार सामाजिक लाभ प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से हो रहा है।

## इसरो की उपलब्धियाँ

- **अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली:** ISRO अपने चार सक्रिय प्रक्षेपण यानों की सहायता से पृथ्वी की निचली, मझौली और ऊंची कक्षा में 500 किलोग्राम से 8000 किलोग्राम तक के पेलोड अंतरिक्ष में पहुंचा सकता है।
- **पीएसएलवी ( ध्रुवीय अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान ):** यह पेलोड अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने में दुनियाभर के कमर्शियल उपभोक्ताओं को इसका अत्यधिक भरोसेमंद और किफायती समाधान उपलब्ध कराता है। इसका टर्न-अराउंड टाइम यानी परिवर्तन - समय बहुत सही है और उपभोक्ता की ज़रूरत के मुताबिक कई प्रकार से सेटअप किया जा सकता है।
- **एलवीएम 3:** इस में स्वयं को आवश्यकतानुसार एडजेस्ट करने की अद्भुत क्षमता है और इसने चन्द्रयान तथा वनवेब कमर्शियल वाहनों के प्रक्षेपण जैसे जटिल मिशनों में अभूतपूर्ण सफलता प्राप्त की है। विश्वभर के कमर्शियल बाजारों में इसकी बहुत शानदार साख है और चार टन क्षमता वाले एलईओ तथा 6 टन क्षमता वाले जीईओ पेलोड्स के प्रक्षेपण के मामले में यह बहुत कामयाब है।
- **लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV):** छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान बाजार की ज़रूरतें पूरी करने के उद्देश्य से इसरो ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) रिकॉर्ड समय में विकसित किया है।
- **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के प्रारंभिक विकासकर्ता:** इसरो ने कई सेंसर, जड़त्वीय नेविगेशन, मार्गदर्शन और नियंत्रण प्रणाली विकसित की है। इन-हाउस ऑप्टिक्स और ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञता होने से विशेषीकृत पेलोड की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण की अनुमति मिल गई है।
- **महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियान और तकनीकी विकास:** ट्रायसोनिक विंड टनल, हाई-एल्टिच्यूड टेस्ट फेसिलिटीज, सेमी-क्रायो टेस्टिंग और इंटिग्रेशन फेसिलिटीज़, गगनयान सुविधाएं और कुछ वक्त के अंतराल पर प्रक्षेपण यान एक साथ प्रक्षेपित करने की क्षमता।
- **भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (आईआरएनएसएस):** यह प्रणाली भारत की मुख्य भूमि से लगभग 1500 किलोमीटर के घेरे में भारत और इस क्षेत्र के लिए एकदम ठीक सही समय वाली पोजिशनिंग और टाइमिंग ( स्थिति और समय का आकलन) सेवाएं उपलब्ध कराती है। अंतरिक्ष घटक में जीईओ और जीएसओ सतहों (प्लेन्स) में सात उपग्रहों के समूह की आधार परत होती है। इस उपग्रह - समूह में अभी हाल में एनवीएस - 01 उपग्रह जोड़ा गया है, जो दूसरी पीढ़ी की उपग्रह श्रृंखला का पहला उपग्रह है।
- **भारत की पहली अंतरिक्ष वेधशाला एस्ट्रोसैट:** यह 28 सितंबर, 2015 को लॉन्च की गई थी, 1515 किलोग्राम भार की यह वेधशाला श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी30 (एक्सल) रॉकेट द्वारा अंतरिक्ष में भेजी गई।
- **मार्स ऑर्बिटर मिशन:** 5 नवम्बर, 2013 को भेजा गया था। 8 वर्ष के जीवनकाल वाले इस मिशन में कुल पांच वैज्ञानिक पेलोड भेजे गए थे, जिनसे हमें मंगल ग्रह के वातावरण (वायुमंडल), बाहरी वातावरण (एक्सोस्फीयर) और उसकी सतह की खूबियां तथा अन्य बातें जानने में बहुत मदद मिली। अप्रैल, 2022 में इस मिशन का पृथ्वी से संपर्क समाप्त हो गया।

## चंद्रयान-3 मिशन

- चंद्रयान-3 भारत का तीसरा चंद्र मिशन और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का दूसरा प्रयास है। मिशन ने 14 जुलाई, 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से उड़ान भरी।

- **घटक:**
  - एक स्वदेशी लैंडर मॉड्यूल (एलएम)
  - एक प्रणोदन मॉड्यूल (पीएम)
  - एक रोवर
- **उद्देश्य:**
  - चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन करना

- रोवर को चंद्रमा पर घूमते हुए प्रदर्शित करना और
- यथास्थान वैज्ञानिक प्रयोग करना।
- योजना से नहीं जुड़े हैं।

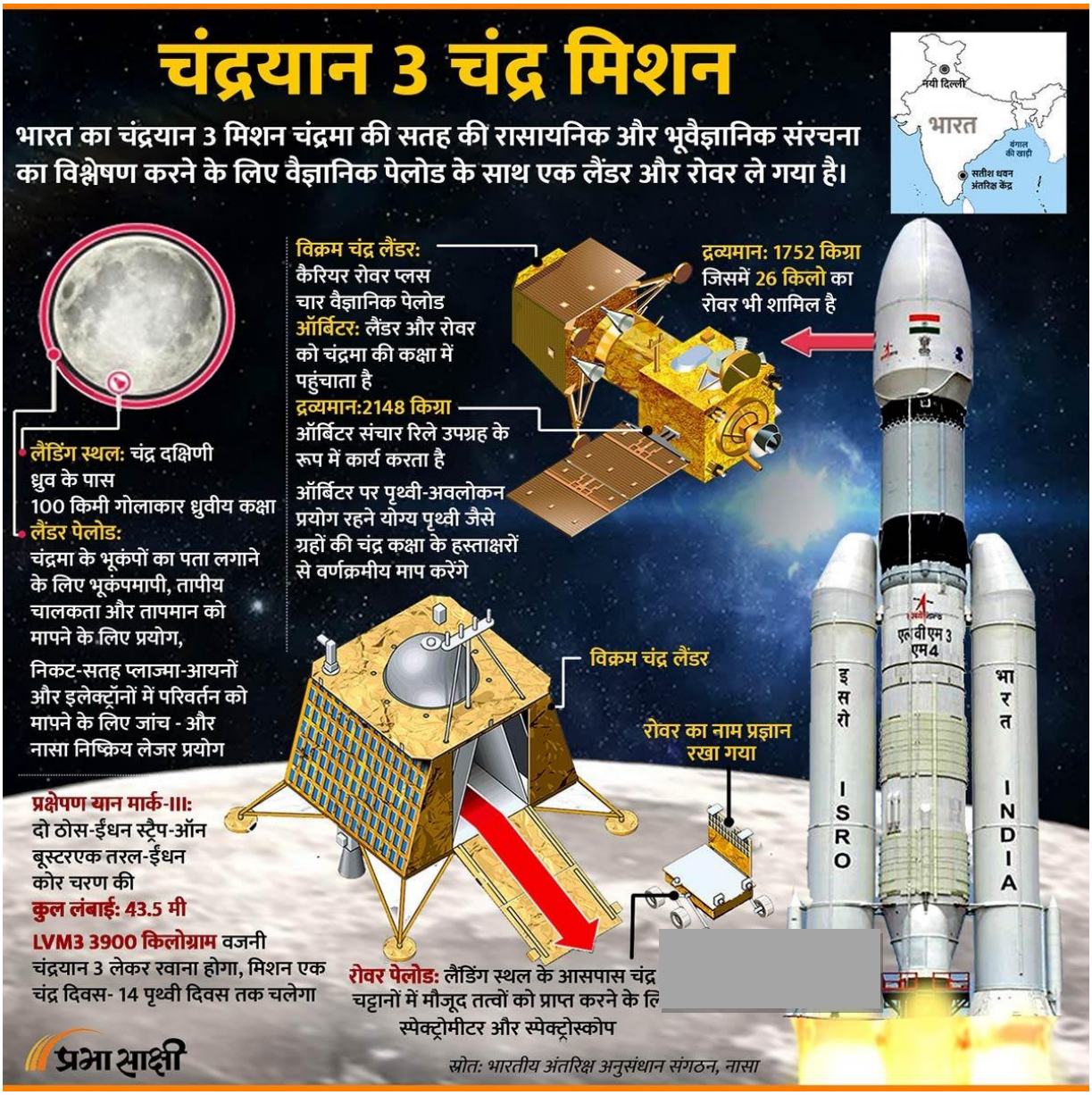


- **विंड्स (मौसम सूचना नेटवर्क डाटा सिस्टम) मैनुअल**
  - इसे पोर्टल की कार्यप्रणाली, डेटा व्याख्या और प्रभावी उपयोग की गहन समझ प्रदान करने के लिए लॉन्च किया गया था।
  - यह तालुक/ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तरों पर स्वचालित मौसम स्टेशनों और वर्षा मापकों का एक नेटवर्क स्थापित करने का एक प्रयास है।मौसम के आंकड़ों से फसल प्रबंधन, संसाधन आवंटन

**आदित्य-एल1 मिशन**

- 1.5 मिलियन किलोमीटर की पर्याप्त दूरी से सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित वेधशाला श्रेणी का भारतीय सौर मिशन। L1 बिंदु तक पहुंचने में इसे लगभग 125 दिन लगे।
- एस्ट्रोसैट (2015) के बाद इसरो का दूसरा खगोल विज्ञान वेधशाला-श्रेणी मिशन।
- मिशन की यात्रा भारत के पिछले मंगल ऑर्बिटर मिशन, मंगलयान की तुलना में काफी छोटी है।
- इसे सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंजियन बिंदु 1 (L1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

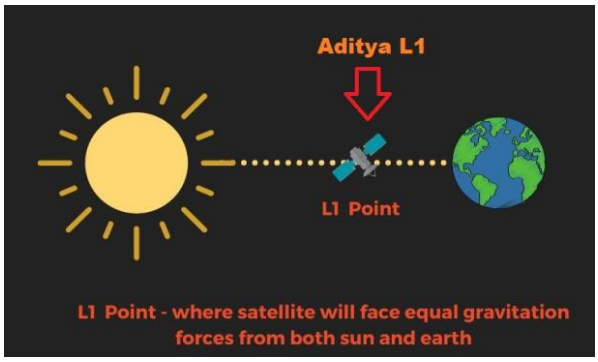


**उद्देश्य:**

- सौर कोरोना, प्रकाशमंडल, क्रोमोस्फीयर और सौर पवन के बारे में अध्ययन करना।
- सूर्य के विकिरण, ऊष्मा, कण प्रवाह और चुंबकीय क्षेत्र सहित सूर्य के व्यवहार की गहरी समझ हासिल करना और यह जानना की वे पृथ्वी को कैसे प्रभावित करते हैं।

## एक्सपोसैट

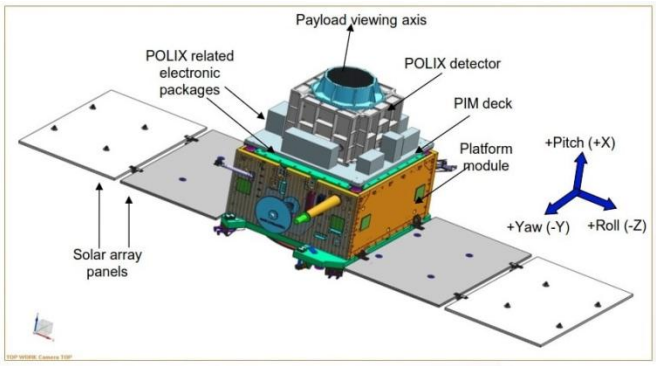


- **विवरण:** यह भारत का अग्रणी पोलारिमेट्री मिशन है जो विषम परिस्थितियों में खगोलीय स्रोतों की विभिन्न गतिशीलता का अध्ययन करता है ।
- **2 पेलोड:** एक्स-रे में पोलारिमीटर उपकरण (POLIX) और एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग (SPECT) पृथ्वी की निचली कक्षा में।
- **पेलोड का निर्माण:** इन्हें बेंगलुरु में स्थित रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूआर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा बनाया गया है।
- **कक्षा:** अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा (~ 650 किमी, ~ 6 डिग्री का कम झुकाव) से अवलोकन के लिए नामित किया गया है।
- **अनुमानित मिशन जीवनकाल:** ~ 5 वर्ष
- **कार्य:** ध्रुवीकृत एक्स-रे उत्सर्जित करने वाले स्रोतों का निरीक्षण करना। अवलोकन तब किया जाएगा जब मैग्नेटर या न्यूट्रॉन तारे पृथ्वी की छाया के माध्यम से पारगमन में होंगे, उदाहरण के लिए, ग्रहण अवधि के दौरान।

## भारत का बढ़ता रुतबा- एक उभरती हुई शक्ति

- कोविड 19 महामारी ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर घातक प्रहार किया। कोविड के बाद के पुनर्प्राप्ति चरण में, जिसमें वैश्विक समुदाय को एक साथ आना चाहिए था, इसके बजाय गहरे विभाजन देखे जा रहे हैं। ब्रेटन वुड्स संरचनाओं सहित बहुपक्षीय प्रणाली, परिणाम देने में विफल रही हैं।

## सतत विकास लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता

- इस वर्ष जी20 की भारत की अध्यक्षता, भारत और दुनिया भर में कई विरोधियों द्वारा लगातार व्यक्त किए गए संदेह के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), व्यापक- आर्थिक स्थिरता, डिजिटल पब्लिक बुनियादी ढाँचा, जलवायु चुनौती, एक निष्पक्ष और न्यायसंगत हरित परिवर्तन, और बहुपक्षीय संरचनाओं में सुधार जैसे प्रमुख मुद्दों पर आम सहमति बनाने में एक बड़ी सफलता थी ।

## भारत का वैश्विक नेतृत्व

- महामारी के दौरान वैक्सीन सहायता कार्यक्रम
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)
- आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई)
- इंडो-पैसिफिक महासागर पहल (आईपीओआई)
- लचीले द्वीप राज्यों के लिए बुनियादी ढांचे का उल्लेख
- ग्रीन ग्रिड पहल - वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड (ओएसओडब्ल्यूओजी)

## मिशन लाइफ़ और जलवायु संकट

- भारत ने एक नई नैतिक दिशा-निर्देश की पेशकश की है, जिसे पहली बार ग्लासगो में पीएम मोदी ने मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के माध्यम से समझाया था, जो व्यक्तिगत व्यवहार को वैश्विक जलवायु कार्रवाई बहस के केंद्र में रखता है।
- इसका इरादा सतत उपभोग पैटर्न के आधार पर पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली के लिए प्रतिबद्ध व्यक्तियों के एक वैश्विक नेटवर्क का प्रचार करना है।
- भारत एकमात्र G20 देश है जिसने अपने पेरिस समझौते के लक्ष्यों को 2030 के निर्धारित लक्ष्य से काफी पहले हासिल कर लिया है।

## स्वच्छ ऊर्जा

- भारत में दुनिया का पहला पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित हवाई अड्डा है।
- भारत की विशाल रेलवे प्रणाली इस दशक में नेट जीरो हो जाएगी।

- **यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप (USISCEP):** इसका उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा और नवाचार को आगे बढ़ाना, उभरती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ाना और पांच प्रमुख स्तंभों के माध्यम से तकनीकी समाधान तैनात करना है:
  - विश्वस्त तेल और गैस स्तंभ
  - शक्ति और ऊर्जा दक्षता स्तंभ
  - नवीकरणीय ऊर्जा स्तंभ
  - सतत विकास स्तंभ, और
  - उभरते ईंधन और प्रौद्योगिकियाँ
- **यूरोपीय संघ और भारत स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु साझेदारी (सीईसीपी):** 2016 में स्थापित, इसका उद्देश्य सौर और पवन ऊर्जा जैसे जलवायु-अनुकूल ऊर्जा स्रोतों में वृद्धि करके स्वच्छ ऊर्जा सहयोग और पेरिस समझौते के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।

## लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएँ

- **उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना:** दिसंबर 2021 में, सरकार ने भारत में चिप विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए लगभग 10 बिलियन डॉलर की इस योजना की घोषणा की।
- **सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम:** मार्च 2022 में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकसित करने के लिए इसे लॉन्च किया गया है।
- **त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल:** ऑस्ट्रेलिया और जापान के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य चीन से दूर तीन देशों और समान विचारधारा वाले भागीदारों के लिए आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण को समन्वयित और प्रोत्साहित करना है।

## डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर/ अवसंरचना

- **डिजिटल इंडिया:** 1 जुलाई 2015 को लॉन्च किया गया, इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों के लिए इंटरनेट की सामर्थ्य और पहुंच बढ़ाना और देश भर में डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करना है।
- **समयोचित/ रीयल-टाइम डिजिटल लेनदेन:** 2021 में, भारत ने 48 बिलियन रीयल-टाइम डिजिटल लेनदेन, या वैश्विक कुल का 40% दर्ज किया।

## योग और आयुर्वेद

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:** भारत के अनुरोध पर UNGA द्वारा इसे हर साल 21 जून को मनाए जाने की घोषणा की गई है।
- **कोविड के दौरान आयुर्वेद:** कोविड के दौरान, सरकार ने प्राकृतिक प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा या सरल घरेलू उपचार को बढ़ावा दिया।
- **चिकित्सा के क्षेत्र में अन्य पहल:**
  - वैक्सीन मैत्री ने 101 देशों में वैक्सीन पहुंचाने में मदद की।
  - भारत ने अन्य विकासशील देशों को CoWIN और आरोग्य सेतु जैसे ओपन सोर्स ऐप्स उपलब्ध कराए हैं।

## अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष

- 5 मार्च 2021: संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने आधिकारिक तौर पर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया।
- **मिलेट्स / पोषक अनाज का महत्त्व:**
  - अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में एक प्राथमिक खाद्य फसल
  - प्रमुख अनाज वाली फसलों की तुलना में इसमें बेहतर पोषण सामग्री होती है
  - सूखे और चरम मौसम की स्थिति के प्रति लचीला
  - गेहूं और चावल जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों का एक व्यवहार्य विकल्प

## खेल कौशल - ऐतिहासिक जीत का वर्ष

## एशियन गेम्स 2022

- इन खेलों में भारत ने 2018 के एशियाई खेलों की तुलना में 75% अधिक स्वर्ण पदकों के साथ 60 वर्षों में सर्वाधिक पदक (107) हासिल किए हैं और 16 नई खेल श्रेणियों में पदक जीते हैं।
- इस टूर्नामेंट में हासिल कुल पदकों में से लगभग 50 प्रतिशत पदक महिला एथलीटों ने जीतें है।
- इन खेलों में महिला तीरंदाजों ने 3 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक जीतकर हमारे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

## पैरा एशियाई खेल

- भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी पैरा एशियाई खेलों में 29 स्वर्ण पदक सहित 111 पदक जीत कर अब तक के सर्वाधिक पदकों के साथ इतिहास रचा है।
- इससे पहले भारत ने 2010 के खेलों में 14 पदक, 2014 में 33 पदक और 2018 में 72 पदक जीते थे।
- खेलों की शुरुआत के बाद से यह भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, जहां भारत समग्र पदक तालिका में 5वें स्थान पर रहा है।
- इन खेलों में भारत ने इस वर्ष खिलाड़ियों का अपना सबसे बड़ा दल भेजा, जिसमें 303 एथलीट (191 पुरुष और 112 महिला ) शामिल थे।

**आर प्रग्गनानंद**

- वह विश्वनाथन आनंद के बाद फिडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए थे और भारतीय दिग्गज के साथ शीर्ष पर शामिल होने से एक जीत दूर थे।

**खेलो इंडिया योजना**

- युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा अपने पांच कार्यक्षेत्रों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देती है। खेलो इंडिया राष्ट्रीय स्तर पर खेल कौशल दिखाने और प्रतिभाओं को तलाशने का बुनियादी मंच है। यह प्रतिभाशाली और गुणी बच्चों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ते रहने की राह भी दिखाता है।
- इस योजना के 'टैलेंट सर्च एंड डेवलपमेंट' लक्ष्य के तहत, खेलो इंडिया एथलीटों की पहचान की जाती है, उनका चयन किया जाता है और प्रति एथलीट 6.28 लाख रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 1.20 लाख रुपये आउट-ऑफ - पॉकेट भत्ता तथा कोचिंग, खेल विज्ञान सहायता, आहार, उपकरण, उपभोग्य वस्तुएं और बीमा शुल्क इत्यादि जैसी अन्य सुविधाओं के लिए 5.08 लाख रुपये शामिल हैं।
- इसके अतिरिक्त, यह योजना उभरते खिलाड़ियों को राष्ट्रव्यापी मंच प्रदान करके उनका मार्ग प्रशस्त करती है। मंत्रालय प्रासंगिक राष्ट्रीय खेल महासंघों, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और भारतीय विश्वविद्यालय संघ जैसे विश्वविद्यालय खेल प्रोत्साहन संगठनों के सहयोग से, राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं, अर्थात् खेलो इंडिया युवा खेल, खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल और खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का आयोजन करता है।

**टॉप्स ( टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम )**

- युवा मामले और खेल मंत्रालय का एक और प्रमुख कार्यक्रम है जो भारत के शीर्ष एथलीटों को सहायता प्रदान करने का एक प्रयास है।
- यह एमएसएमई मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 तक निर्दिष्ट क्षेत्रें में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को डिजिटल लेनदेन के लिए बाजार लिंकेज समर्थन, कौशल प्रशिक्षण और प्रोत्साहन जैसी सेवाएं प्रदान करती है।

**घटक:**

- बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण सहित कौशल उन्नयन
- 15,000 रुपये का टूलकिट प्रोत्साहन
- संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहायता
  - 1 लाख रुपये तक (पहली किश्त)
  - 2 लाख रुपये तक (दूसरी किश्त)
- डिजिटल लेनदेन और विपणन सहायता के लिए प्रोत्साहन
- योजना के तहत 18 पारंपरिक शिल्पों को शामिल किया जाएगा
- बायोमेट्रिक आधारित पीएम विश्वकर्मा पोर्टल का उपयोग करके सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से विश्वकर्माओं को निःशुल्क पंजीकरण
- प्रमाण पत्र एवं पहचान पत्र के माध्यम से कारीगरों एवं शिल्पकारों को पहचान

**मेरा युवा भारत**

भारत सरकार द्वारा युवा विकास और युवा नेतृत्व वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक संस्थागत तंत्र प्रदान करने के लिए एक स्वायत्त निकाय की स्थापना की जा रही है। ये प्लेटफार्म देश भर में युवा स्वयंसेवी अवसरों को मौद्रिक आदान-प्रदान के बिना केंद्रीकृत करता है तथा वन-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करने के साथ- साथ एक केंद्रीकृत यूथ डेटाबेस बनाता है। यह तंत्र युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने और 2047 तक अमृत भारत के निर्माण के लिए अवसरों तक समान पहुंच प्रदान करेगा।

**लाभ**

- व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से नेतृत्व विकास।
- सामुदायिक नेतृत्व और नवाचार के लिए युवा निवेश में वृद्धि।
- युवाओं के नेतृत्व वाले विकास और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना।
- पहुंच के लिए फ़िजिटल (Phygital) वातावरण की स्थापना।
- एकीकरण के माध्यम से कार्यक्रम की प्रभावशीलता में वृद्धि।
- युवाओं और मंत्रालयों के लिए केंद्रीय संसाधन।
- युवाओं, सरकारी परियोजनाओं और हितधारकों के बीच बेहतर संचार।

**भारत की पहली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस)**

- प्रधानमंत्री ने 20 अक्टूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में साहिबाबाद रैपिडएक्स | स्टेशन पर दिल्ली - गाजियाबाद - मेरठ आरआरटीएस गलियारे के प्राथमिकता वाले खंड का उद्घाटन किया। उन्होंने भारत में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के शुभारंभ को चिह्नित करते हुए

साहिबाबाद से दुहाई डिपो को जोड़ने वाली नमो भारत रैपिडएक्स ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो के पूर्व-पश्चिम गलियारे की दो लाइनों को राष्ट्र को समर्पित किया ।

- **आरआरटीएस कॉरिडोर:** यह साहिबाबाद को 'दुहाई डिपो' से रास्ते में गाजियाबाद, गुलधर और दुहाई स्टेशनों से जोड़ेगा। यह एक नई रेल-आधारित, अर्ध-उच्च गति, उच्च आवृत्ति वाली कम्यूटर ट्रांज़िट प्रणाली है। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, आरआरटीएस नेटवर्क में रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, बस सेवाओं आदि के साथ व्यापक मल्टी-मोडल एकीकरण होगा।

## आवागमन का पुनर्निर्धारण - भारत में परिवहन परिदृश्य में बदलाव

- परिवहन की एक सुव्यवस्थित और समन्वित प्रणाली किसी देश की निरंतर आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नौवहन मंत्रालय, सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय और नागर विमानन मंत्रालय परिवहन के विभिन्न तरीकों के विकास के लिए नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं।

## सड़कें

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का गठन 2009 में तत्कालीन जहाजरानी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को दो स्वतंत्र मंत्रालयों में विभाजित करके किया गया था।
- यह सड़क परिवहन और परिवहन अनुसंधान से संबंधित नियमों, विनियमों और कानूनों के निर्माण और प्रशासन के लिए शीर्ष संस्था है।
- भारत में करीब 62.16 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क है, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है।

### 1. भारतमाला परियोजना

**इसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्य किये जायेंगे:**

- सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी विकसित करने
- प्रमुख बंदरगाहों के लिए सड़क कनेक्टिविटी सहित तटीय सड़कों के विकास
- राष्ट्रीय गलियारों की क्षमता में सुधार
- आर्थिक गलियारों के विकास, अंतर- गलियारों और फीडर मार्गों के विकास आदि के साथ-साथ सागरमाला के साथ एकीकरण
- लगभग 26,000 कि.मी. लंबे आर्थिक गलियारों के विकास की परिकल्पना
- आर्थिक गलियारों, जीक्यू और एनएस - ईडब्ल्यू गलियारों की प्रभावशीलता में सुधार के लिए लगभग 8,000 किलोमीटर के अंतर गलियारे और लगभग 7,500 किलोमीटर के फीडर मार्गों की पहचान
- रिंग रोड/ बाईपास और एलिवेटेड कॉरिडोर के विकास इत्यादि की परिकल्पना

### 2. हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना

- 2016 में लॉन्च की गई, इसमें राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश से गुजरने वाले विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों के ~ 781 किमी का उन्नयन शामिल है।
- यह परियोजना विश्व बैंक की सहायता से संचालित की जा रही है।

### 3. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

- एनएचएआई अधिनियम, 1988 के तहत स्थापित, इसे राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी) सौंपी गई है, जिसने अन्य छोटी परियोजनाओं के साथ, विकास, रखरखाव और प्रबंधन के लिए 50,329 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों को इसमें निहित किया है।
- देश में NH (एक्सप्रेसवे सहित) की कुल लंबाई 1,32,499 किमी है जबकि राजमार्ग/एक्सप्रेसवे सभी सड़कों की लंबाई का केवल 1.7% है। वे लगभग 40% सड़क यातायात वहन करते हैं।

### 4. राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी)

- देश में प्रमुख राजमार्गों को उच्च मानक तक उन्नत, पुनर्वास और चौड़ा करने की एक परियोजना 1998 में शुरू हुई।
- यह परियोजना सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत NHAI द्वारा प्रबंधित की जाती है।
- इसे वर्तमान में चल रही भारतमाला परियोजना में सम्मिलित कर दिया गया है।

### 5. पीएम गतिशक्ति योजना

- यह बुनियादी ढांचे की कनेक्टिविटी परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन के लिए रेलवे और रोडवेज सहित 16 मंत्रालयों को एक साथ लाने के लिए एक डिजिटल मंच है।

### 6. पर्वतमाला परियोजना-राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम

- इसे यात्रियों के लिए पहुंच और सुविधा में सुधार और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रोपवे के विकास के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है।

## रेलवे

- 1853 में जब पहली ट्रेन मुंबई से ठाणे तक चली, तब यह एक बहुत ही मामूली शुरुआत थी। तब यह सिर्फ

34 कि.मी. की दूरी तय करती थी। अब तो 7,308 स्टेशनों, 68,043 कि.मी. की रूट लंबाई में फैले भारतीय रेलवे विशाल नेटवर्क में विकसित हो गया है। नेटवर्क को 17 जोन में बांटा गया है।

1. **अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ**
   - भारतीय रेलवे का अनुसंधान एवं विकास विंग।
   - कार्य:
     - तकनीकी मामलों में सलाहकार.
     - रेलवे निर्माण और डिजाइन से जुड़े अन्य संगठनों को परामर्श देना।
2. **वंदे भारत एक्सप्रेस**
   - भारतीय रेलवे द्वारा संचालित एक सेमी-हाई-स्पीड, इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन। इसका निर्माण पूरी तरह से भारत में हुआ था। इसका परिचालन 2019 में शुरू हुआ जब नई दिल्ली-कानपुर-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग के बीच अपनी तरह की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई। सितंबर 2023 तक देशभर में 50 वंदे भारत ट्रेनें चल रही थीं.

**नौवहन**

- नौवहन मंत्रालय का गठन 2009 में तत्कालीन जहाजरानी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को दो स्वतंत्र मंत्रालयों में विभाजित करके किया गया था। समुद्री परिवहन किसी देश के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधा है।
- 2020 में मंत्रालय का नाम बदलकर पोत, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय कर दिया गया।
- विदेशी व्यापार की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उनके बर्थ और कार्गो हैंडलिंग उपकरणों के संदर्भ में प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता में काफी सुधार हुआ है और वर्तमान में इसकी क्षमता 1617.39 एमएमटी है।

1. **समुद्री विकास**
   - भारत की लगभग 7,517 किमी लंबी तटरेखा है, जो मुख्य भूमि के पश्चिमी और पूर्वी शेल्फ और द्वीपों के साथ-साथ फैली हुई है।
   - यहां 12 प्रमुख बंदरगाह और लगभग 200 गैर-प्रमुख बंदरगाह हैं।
   - देश का मात्रा के हिसाब से 95% और मूल्य के हिसाब से 68% व्यापार समुद्री परिवहन के माध्यम से होता है।
2. **सागरमाला कार्यक्रम**
   - भारत सरकार ने देश में बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम का लक्ष्य न्यूनतम बुनियादी ढांचे के निवेश के साथ EXIM और घरेलू व्यापार की लॉजिस्टिक लागत को कम करना है।
3. **अंतर्देशीय जल परिवहन**
   - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) की स्थापना 1986 में देश में शिपिंग और नेविगेशन के प्रयोजनों के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों के विनियमन और विकास के लिए की गई थी।
   - आईडब्ल्यूटी को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने देश में अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत 24 राज्यों में फैले 111 (5 मौजूदा और 106 नए सहित) राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू) की घोषणा की।
4. **जल मार्ग विकास परियोजना (JMVP)**
   - इसे विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता से गंगा-भागीरथी हुगली नदी प्रणाली के हल्दिया-वाराणसी खंड पर राष्ट्रीय जलमार्ग I की क्षमता वृद्धि के लिए IWAI द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

**नागर विमानन**

- नागर विमानन मंत्रालय अपने दायरे में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को शामिल करता है, जिसमें अन्य बातों के साथ - साथ हवाई परिवहन, हवाई क्षेत्र प्रबंधन, गैर-वाणिज्यिक उड़ान और नागरिक उड्डयन इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। यह अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर कन्वेंशन, 1944 ('शिकागो कन्वेंशन') को पूरा करने के लिए कानून तैयार करता है।

1. **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) - उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान)**
   - इस योजना की परिकल्पना राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (एनसीएपी) 2016 में क्षेत्रीय मार्गों पर एयरलाइन संचालन की लागत को कम करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन और हवाईअड्डा संचालकों द्वारा रियायतें जैसे उपाय करना है और ऐसे मार्गों पर एयरलाइन संचालन की लागत और अपेक्षित राजस्व के बीच अंतर, यदि कोई हो, को पूरा करने के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) का प्रावधान करके जनता के लिए इसे किफायती बनाकर क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को सुविधाजनक बनाना / प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है। इस योजना में मौजूदा हवाई पट्टियों के पुनरुद्धार के माध्यम से देश के गैर-सेवित हवाई अड्डे और अल्पसेवित हवाई अड्डों को कनेक्टिविटी प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

2. **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण**
   - भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), वैधानिक रूप से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के तहत गठित किया गया था, जिसे पूर्ववर्ती अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा प्राधिकरण और राष्ट्रीय हवाईअड्डा प्राधिकरण के विलय द्वारा बनाया गया था।
3. **विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण**
   - यह विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008 के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है । एईआरए को हवाई अड्डों पर प्रदान की जाने वाली वैमानिक सेवाओं के लिए टैरिफ और अन्य शुल्कों को विनियमित करने और हवाई अड्डों के प्रदर्शन मानकों की निगरानी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
4. **डिजीयात्रा नीति**
   - यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा यात्रियों को कई संपर्क बिंदुओं पर टिकट और आईडी के सत्यापन की आवश्यकता के बिना हवाई अड्डों पर निर्बाध और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए शुरू की गई एक पहल है। अक्टूबर, 2023 तक यह 13 हवाईअड्डों पर परिचालन में है।
5. **जीपीएस समर्थित जियो संवर्धित नेविगेशन (GAGAN)**
   - गगन एक सहयोगी प्रणाली है जिसे विशेष रूप से नागरिक उड्डयन में सटीक दृष्टिकोण के लिए जीपीएस सिग्नल की सटीकता और विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।
6. **कृषि उड़ान 2.0**
   - कृषि उड़ान 2.0 योजना भारतीय मालवाहक और यात्री से कार्गो के लिए लैंडिंग, पार्किंग, टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग चार्ज (टीएनएलसी), और रूट नेविगेशन सुविधा शुल्क (आरएनएफसी) की पूर्ण छूट प्रदान करके हवाई परिवहन द्वारा कार्गो की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए 2021 में शुरू किया गया था।
7. **सुगम्य भारत अभियान**
   - सुगम्य भारत अभियान, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप, नागर विमानन मंत्रालय ने लोगों को व्यापक पहुंच मानकों को समझने में सहायता करने के लिए 'नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए पहुंच मानक और दिशानिर्देश' प्रकाशित किए हैं। हवाई यात्रा में पहुंच और समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

## भारत का औद्योगिक क्षेत्र

### पीएम गतिशक्ति

- 2021 में लॉन्च किया गया उस दिशा में एक प्रतिक्रिया है, जो 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण' के आधार पर टिकी हुई है। मोटे तौर पर इसके दो घटक हैं:
- **राष्ट्रीय मास्टर प्लान:** एक जीआईएस-आधारित प्रौद्योगिकी मंच, जिसमें सड़कों से लेकर रेलवे तक, विमानन से लेकर कृषि तक, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से सब कुछ जुड़ा हुआ है।
- **प्रशासनिक व्यवस्था:** त्रि-स्तरीय संस्थागत व्यवस्था के गठन के माध्यम से मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे और आर्थिक क्षेत्र के समकालिक विकास के लिए विभिन्न संबंधित मंत्रालयों/विभागों के प्रयासों को एकीकृत करना।

### राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति

- 2022 में लॉन्च किया गया, इसकी परिकल्पना प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, एक नियामक ढांचे, कौशल विकास, उच्च शिक्षा में लॉजिस्टिक्स को मुख्यधारा में लाने और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को अपनाने के माध्यम से लॉजिस्टिक्स सेवाओं और मानव संसाधनों में दक्षता लाने की है।

### उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT)

- यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर नीति निर्माण के लिए नोडल विभाग है। यह RBI द्वारा रिपोर्ट किए गए प्रेषण के आधार पर, भारत में आने वाले FDI पर डेटा के रखरखाव और प्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार है।

### 'मेक इन इंडिया' पहल

- इसे 2014 में निवेश को बढ़ावा देने, नवाचार को बढ़ावा देने, सर्वोत्तम श्रेणी के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए लॉन्च किया गया था।

### उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं

- भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की घोषणा की गई।

### उद्देश्य:

- मुख्य योग्यता और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना;
- भारतीय कंपनियों और निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना।

**स्टार्टअप इंडिया**

- 2016 में लॉन्च किया गया, इसका उद्देश्य उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और स्टार्टअप विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर नवाचार को बढ़ावा देना है। तीन प्रमुख स्तंभ:
- सरलीकरण और सहायता,
- वित्त पोषण समर्थन और प्रोत्साहन, और
- उद्योग-अकादमिक साझेदारी और बिज़निस इन्क्युबेशन

**भारतीय एमएसएमई क्षेत्र**

- भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र भारत की जीडीपी में लगभग 27%, भारत के निर्यात में लगभग 44% योगदान देता है और 11.10 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

**खादी और ग्रामोद्योग आयोग**

- यह एमएसएमई मंत्रालय के तहत एक वैधानिक संगठन है जो ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र को बढ़ावा देने और विकसित करने का कार्य कर रहा है ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके।

**रसायन और पेट्रो- रसायन**

- पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय के तहत रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग को रसायन, पेट्रो-रसायन और फार्मास्युटिकल उद्योग क्षेत्र की योजना, विकास और नियमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण**

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), देश का प्रमुख पृथ्वी विज्ञान संगठन है। यह सरकार को उद्योग और भूवैज्ञानिक क्षेत्र के लिए बुनियादी पृथ्वी विज्ञान सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध कराता है। जीएसआई ने 1851 में मुख्य रूप से कोयले के अनुसंधान में लगे एक विभाग के रूप में शुरुआत की थी।

**भारतीय खान ब्यूरो**

- मार्च 1948 में स्थापित, यह कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, परमाणु खनिज और लघु खनिजों के अलावा अन्य खनिज संसाधनों के संरक्षण और व्यवस्थित दोहन के लिए वैधानिक और विकासात्मक जिम्मेदारियों के साथ खान मंत्रालय के तहत एक बहु-विषयक वैज्ञानिक और तकनीकी संगठन है।

**मेरी माटी मेरा देश अभियान**

- यह देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों और वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि है। जनभागीदारी की भावना से, इस अभियान में देश भर में पंचायत/गांव, ब्लॉक, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कई गतिविधियां और समारोह शामिल हैं।

**कृषि और ग्रामीण विकास - प्रमुख पहल और उपलब्धियां**

- आत्मनिर्भर भारत की राह में ग्रामीण लोगों की आजीविका सुरक्षा और वित्तीय सशक्तीकरण भारत सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, इस वर्ष, गांवों में समावेशी विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में बदलाव में तेजी लाने के लिए कई कार्यनीतिक कदम उठाए हैं।

**'सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना'**

- इस योजना में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के स्तर पर विभिन्न प्रकार के कृषि-बुनियादी ढांचे, जैसे गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्रसंस्करण इकाइयां आदि स्थापित करना शामिल है।

**पीएम प्रोग्राम फॉर रिस्टोरेशन, अवेयरनेस जेनरेशन, नॉरिशमेंट एंड एमिलियोरेशन ऑफ मदर - अर्थ' (पीएम-प्रणाम) योजना**

- इस पहल का उद्देश्य धरती मां के स्वास्थ्य को बचाने के लिए उर्वरकों के टिकाऊ और संतुलित उपयोग को

बढ़ावा देकर, वैकल्पिक उर्वरकों को अपनाकर, वैकल्पिक खेती को बढ़ावा देकर और संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियों को लागू करके राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा शुरू किए गए जन आंदोलन का समर्थन करना है।

## सरकारी आईटी आधारित पहल

### किसान ऋण पोर्टल

- इसे किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत ऋण सेवाओं तक पहुंच की सुविधा के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह किसानों को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) के माध्यम से सब्सिडी वाले कृषि ऋण प्राप्त करने में भी सहायता करेगा।

### घर-घर केसीसी अभियान

- ऋण सुविधाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2023 तक 'घर घर केसीसी अभियान' नामक एक विशेष अभियान शुरू किया। इसका लक्ष्य प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लगभग 1.5 करोड़ लाभार्थियों को जोड़ना है जो अभी तक केसीसी और जोखिम कम करने में सुधार करने में मदद मिलेगी।

# 13 आलेख

## गैर-कानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (UAPA)

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के 'भारत में अपराध' (Crime in India 2022) रिपोर्ट के के अनुसार UAPA की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न उठे है।
- **कारण:** इसके तहत दर्ज लगभग 50% मामलों में प्राथमिकी (FIR) दर्ज होने के कम स कम एक वर्ष बाद चार्जशीट दायर की गई और दोषसिद्धि की दर भी कम रही है।

**गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 [Unlawful Activities (Prevention) Act] 1967]**

- यह कानून भारत की संप्रभुता और एकता का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों को रोकने हेतु बनाया गया।
- **गैर-कानूनी गतिविधि:** इसका आशय किसी व्यक्ति/संगठन द्वारा देश की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ होने वाली गतिविधियों से है।

**गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) संशोधन अधिनियम, 2019 [Unlawful Activities (Prevention) Amendment Act] 2019]**

- यह गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 में संशोधन हेतु लाया गया।
- इसके तहत भारत सरकार किसी संगठन को निम्नलिखित परिस्थितियों में आतंकवादी घोषित कर सकती है-
    - आतंकवादी कार्रवाई करता है या उसमें भाग लेता है,
    - आतंकवादी घटना को अंजाम देने की तैयारी करता है,
    - आतंकवाद को बढ़ावा देता है, या
    - आतंकवादी गतिविधि में शामिल है।
- यह कानून केंद्र सरकार को समान आधार पर किसी व्यक्ति को भी आतंकवादी निर्दिष्ट कर सकती है। इससे पहले भारत के किसी भी कानून में व्यक्तिगत आतंकवादी घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं था।
- यह संशोधन उचित प्रक्रिया तथा पर्याप्त सबूत के आधार पर ही किसी को आतंकवादी घोषित करने की अनुमति देता है।
- यह संशोधन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) के महानिदेशक को आतंकवादियों और उनके संगठन की संपत्ति को जब्त करने का अधिकार देता है।
- इस संशोधन में परमाणु आतंकवाद के कृत्यों के दमन हेतु अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (2005) को दूसरी अनुसूची में शामिल किया गया है।
- यह NIA को देश भर में UAPA के तहत दर्ज मामलों की जांच करने और मुकदमा चलाने का अधिकार देता है।
- यह आतंकवादी कृत्यों के लिये उच्चतम दंड के रूप में मृत्युदंड और आजीवन कारावास का प्रावधान करता है।
- यह संदिग्धों को बिना किसी आरोप या ट्रायल के 180 दिनों तक हिरासत में रखने और आरोपियों को जमानत देने से इनकार करने की अनुमति देता है।
- यह गैर-कानूनी गतिविधि और व्यक्तिगत आतंकवाद को परिभाषित करता है।

**UAPA के पक्ष में और विपक्ष में तर्क:**

**पक्ष में तर्क:**

- यह व्यक्तियों और संगठनों को आतंकवादी के रूप में नामित करने की अनुमति देता है।
    - जैसे: मसूद अजहर, हाफिज सईद, जकी-उर-रहमान लखवी, दाऊद इब्राहिम आदि।
- UAPA कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के लिये आवश्यक साधन प्रदान करता है।

- इससे सरकार को उनकी संपत्ति जब्त करने, उनकी यात्रा को प्रतिबंधित करने और उन पर प्रतिबंध लगाने में मदद मिली है।
- यह गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल होने के संदिग्ध व्यक्तियों के निवारक निरोध (Preventive Detention) की अनुमति देता है। इससे संभावित खतरों घटित होने से पहले इन्हें रोका जा सकता है। जैसे शरजील इमाम केस।
- UAPA आतंकवाद से निपटने के लिये भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।
- यह सरकार को आतंकवाद के वित्तपोषण को अपराध घोषित करने और संदिग्ध लेनदेन को प्रतिबंधित करने और जब्त करने में सहायक है।
- यह इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और अन्य आधुनिक जाँच तकनीकों के उपयोग की अनुमति देता है, जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल लोगों की दोषसिद्धि में सहायक होता है।

**विपक्ष में तर्क:**

- यह कानून संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों (अभिव्यक्ति या सरकार की आलोचना और संगठन निर्माण की स्वतंत्रता जैसे मूल अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है।
- इसका प्रयोग सरकार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले लोगों पर किया जा सकता है।
- अधिकारियों द्वारा शक्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिये कानून में पर्याप्त सुरक्षा उपायों और जवाबदेही तंत्र का अभाव है।
- यह केंद्र सरकार को बिना किसी न्यायिक समीक्षा या अपील के अवसर के व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में नामित करने का अधिकार देता है।
- इसके तहत आरोपी को अपनी बेगुनाही साबित करनी पड़ती है।
- यह देश के संघीय ढाँचे का उल्लंघन कर सकता है क्योंकि इससे कानून व्यवस्था के संदर्भ में राज्य सरकारों की शक्तियों का अतिक्रमण होता है।
- इस कानून के तहत दोषसिद्धि की दर निम्न रही है जो इसके प्रभावी कानूनी कार्यवाही पर प्रश्न चिह्न है।
- यह संशोधन सरकार को किसी भी व्यक्ति को न्यायिक प्रक्रिया का पालन किये बिना आतंकी घोषित करने का अधिकार देता है।
- ❖ इस संशोधन में आतंकवाद की निश्चित परिभाषा नहीं है। इसकी मनमानी व्याख्या द्वारा किसी को भी प्रताड़ित कर सकते हैं।
- ❖ पुलिस राज्य का विषय है परंतु यह कानून NIA को संपत्ति को जब्त करने का अधिकार देता है जो कि राज्य पुलिस के अधिकार क्षेत्र को कम करता है।

**सर्वोच्च न्यायालय का पक्ष**

- ❖ अरूप भुइयां बनाम असम राज्य (2011) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि किसी प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता मात्र से किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।
- ❖ भारत संघ बनाम के.ए. नजीब (2021) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि UAPA के तहत जमानत पर प्रतिबंधों के बावजूद, संवैधानिक आधार पर न्यायालय जमानत की अनुमति दे सकते हैं यदि उन्हें लगता है कि आरोपी के मूल अधिकारों का उल्लंघन किया गया है।

**UAPA में सुधार हेतु सुझाव**

- ❖ कानून में संशोधन करना: शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन, असहमत विचार और वैचारिक अभिव्यक्ति जैसी संवैधानिक रूप से संरक्षित गतिविधियों को दायरे से बाहर करने के लिये किया जाना चाहिये।
- ❖ वर्तमान में अधिनियम में परिभाषाएँ अस्पष्ट एवं व्यक्तिनिष्ठ हैं। 'गैर-कानूनी गतिविधि' और 'आतंकवाद को व्यापक रूप से परिभाषत किया जाना आवश्यक है।
- ❖ सबूत या साक्ष्य प्रदान करने का बोझ अभियुक्त पर न होकर अभियोजन पक्ष पर होना चाहिए।
- ❖ किसी संगठन या व्यक्तियों को गैर-कानूनी या आतंकी के रूप में प्रतिबंधित करने व सरकार के निर्णयों की निगरानी करने और चुनौती देने के लिये एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष समीक्षा तंत्र का गठन होना चाहिए।
- ❖ UAPA का उपयोग अत्यंत संवेदनशील परिस्थिति में ही किया जाना चाहिए।

**निष्कर्ष**

- UAPA भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक प्रभावी उपाय है, लेकिन इसे किसी व्यक्ति के मूल अधिकारों का उल्लंघन न हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- इसके तहत दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की निम्न दर इसकी कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न है जिसे मुकदमे की समयसीमा का निर्धारण कर तय समय में निस्तारण करने की आवश्यकता है।

## चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया: विवाद और समाधान

**चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में राष्ट्रपति ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें एवं कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023 को मंजूरी दे दी है।

**परिचय**

- यह अधिनियम मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) तथा चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति से संबंधित है।
- इस कानून का उद्देश्य अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले, 2023 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्देश के तहत नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है।

## CEC और EC की नियुक्ति पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

- मार्च 2023 में, सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में निर्णय देते हुए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में भारत के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग (ECI) की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।
- सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में प्रधानमंत्री, लाकसभा में विपक्ष के नेता (LoP) या विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी का नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की समिति गठित करने का निर्णय दिया।
- यह फैसला न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति सुनाया। अन्य न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार शामिल थे।
- इस फैसले के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और चुनाव आयुक्तों (ECs) की नियुक्ति एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति द्वारा दी गई सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।
- संवैधानिक पीठ ने यह भी कहा कि जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर कानून नहीं बनाती, तब तक नियुक्ति पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति राष्ट्रपति को सलाह देना जारी रखेगी।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में, अनूप बरनवाल ने केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रथा की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी।
- **नोट:** भारत में चुनाव आयोग में सुधार हेतु दिनेश गोस्वामी समिति (1990) और चुनाव सुधार पर विधि आयोग की 255वीं रिपोर्ट (2015) ने CEC और EC की नियुक्ति के लिये प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) और विपक्ष के नेता की एक समिति का सुझाव दिया।

## 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यावधि) विधेयक, 2023'

- यह विधेयक 12 दिसंबर 2023 को राज्यसभा से और 21 दिसंबर 2023 को लोकसभा से पारित हुआ।
- इस विधेयक के तहत भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित प्रावधान किए गए है।
- यह चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तें और व्यवसाय का संचालन) अधिनियम, 1991 के स्थान पर लाया गया है।

**मुख्य प्रावधान**

- इस विधेयक के तहत राष्ट्रपति चयन समिति की सिफारिश के आधार पर CEC और अन्य EC की नियुक्ति करेंगे।
- चयन समिति में **प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री तथा विपक्ष के नेता या**

**लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता** शामिल हैं।

- समिति में सदस्य पूरे नहीं हाने की स्थिति में में भी इस समिति की सिफारिशें मान्य रहेंगी।
- इसके तहत **केंद्रीय कानून मंत्री की अध्यक्षता वाली एक सर्च समिति (पहले कैबिनेट सचिव था)** CEC और EC के पद पर नियुक्त होने वाले पात्र अधिकारियों का पैनल तैयार करेगी।
- केंद्र सरकार के सचिव के समकक्ष पद का अधिकारी CEC और EC के पद के लिए पात्र होगा।
- CEC और ECs का वेतन एवं सेवा शर्तें कैबिनेट सचिव के सामान होंगी। (पहले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान थी)
- यह संशोधित विधेयक CEC और EC को उनके आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन करते समय अदालती मामलों से सुरक्षा प्रदान करता है।
- CEC को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान तरीके और समान आधारों पर पद से हटाया जा सकता है। तथा CEC की सिफारिश के अलावा किसी अन्य विधि से EC को नहीं हटाया जाएगा।
- कार्यकाल: CEC और अन्य EC 6 वर्ष की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे।

**CEC और EC के लिये संरक्षण:**

- यह बिल, CEC और EC को उनके कार्यकाल के दौरान की गई कार्रवाई से संबंधित कानूनी कार्यवाही से बचाता है, बशर्ते कि इस तरह की कार्रवाई आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई हो।
- इसका उद्देश्य इन अधिकारियों को उनके आधिकारिक कार्यों से संबंधित सिविल या आपराधिक कार्यवाही से बचाव करना है।

## प्रमुख मुद्दे

**चुनाव आयोग की स्वतंत्रता**

- संविधान में चुनाव आयोग की परिकल्पना एक स्वतंत्र निकाय के रूप में की गई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उत्तरदायी है।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसी संस्था को सत्तारूढ़ दल के बाहरी दबावों से पूरी तरह से अलग रखा जाना चाहिए।

**चयन समिति पर सरकार का प्रभुत्व**

- अनुच्छेद 324 के तहत CEC और EC की नियुक्ति संसद द्वारा बनाए गए कानून के अधीन है लेकिन नए अधिनियम के अनुसार चयन समिति में प्रधान मंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता (या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता) शामिल होंगे। इस प्रकार, चयन समिति में **तत्कालीन सरकार के सदस्यों का बहुमत है**, जो ECI की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है।

**रिक्ति होने पर भी चयन समिति की सिफारिशें मान्य होना**

- विधेयक चयन समिति की वैधता को बरकरार रखता है, भले ही समिति के गठन में कोई रिक्ति या दोष हो।
- लोकसभा भंग होने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद रिक्त हो सकता है। इस प्रकार, कोई रिक्ति आम चुनाव से पहले ही उत्पन्न हो सकती है, और ऐसे मामले में, चयन समिति में विशेष रूप से सत्तारूढ़ दल के सदस्य शामिल होंगे।

**चयन समिति सर्च कमेटी के सुझावों को नजरअंदाज कर सकती है**

- विधेयक के तहत, चयन समिति खोज समिति द्वारा सुझाए गए पांच लोगों के पैनल में से नामों का चयन करती है।
- चयन समिति खोज समिति द्वारा सुझाए गए नामों से आगे बढ़कर किसी अन्य उम्मीदवार का चयन कर सकती है।
- यह खोज समिति की भूमिका को कमजोर कर सकता है।

**CEC और EC के वेतन का केंद्र सरकार द्वारा निर्धारण**

- नए विधेयक के तहत CEC और EC के वेतन को सरकार के कैबिनेट सचिव के बराबर करता है। दोनों वेतन वर्तमान में बराबर हैं लेकिन उनका नियमन अलग-अलग है।

- ❖ कैबिनेट सचिव का वेतन केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिश पर सरकार द्वारा तय किया जाता है। इस प्रकार, यह विधेयक सीईसी और ईसी के वेतन निर्धारण में कार्यपालिका के अधिक नियंत्रण की अनुमति दे सकता है।

**पात्रता मानदंड सीमित होता**

- ❖ विधेयक के तहत, केवल वही व्यक्ति जो सरकार के सचिव के समकक्ष रैंक पर है या रह चुका है, CEC या EC बनने के लिए पात्र होगा।
- ❖ CEC और EC की पात्रता मानदंड को सिविल सेवकों तक सीमित करके, विधेयक अन्य योग्य व्यक्तियों को ऐसे पदों से बाहर कर सकता है।

**CEC और EC को हटाने में समानता का अभाव**

- ❖ संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, CEC को केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की तरह ही उसके कार्यालय से हटाया जा सकता है, जबकि CEC की सिफारिश पर EC को पद से हटाया जा सकता है।
- ❖ नया अधिनियम संविधान के तहत हटाने के लिए इन आधारों को बरकरार रखता है।
- ❖ नया अधिनियम बिल CEC और EC के लिए वेतन और निर्णय लेने में समान दर्जा प्रदान करता है लेकिन पद से हटाने में यह भेदभावपूर्ण है।

## चुनाव आयोग में सुधार हेतु उपाय

**आयोग की प्रशासनिक स्वतंत्रता**

- ❖ गोस्वामी समिति और निर्वाचन आयोग (ECI) ने लोकसभा, राज्यसभा, सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों की तर्ज पर ECI के लिए एक स्वतंत्र सचिवालय की सिफारिश की है।
- ❖ संविधान सभा के सदस्यों ने भी चुनाव कराने की जिम्मेदारी राजनीतिक प्रभाव और स्थानीय दबाव से मुक्त लोगों को सौंपने पर जोर दिया।

**चयन समिति कायपालिका के प्रभाव से मुक्त हो**

- ❖ CEC और EC की नियुक्ति हेतु चयन समिति में सर्वोच्च न्यायालय, व्यवस्थापिका की भी महत्वूर्ण होनी चाहिए। साथ ही यह कायपालिका के प्रभाव से मुक्त हो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

**चयन समिति के निर्णयों की समीक्षा**

- ❖ चयन समिति के निर्णय यदि संदेहपूर्ण हो तो उनकी समीक्षा का प्रावधान किया जाना चाहिए ताकि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता रहे।
- ❖ जैसे अमेरिका में, राष्ट्रपति चुनावी निकाय में सदस्यों की नियुक्ति करता है, और नियुक्तियों के लिये सीनेट द्वारा पुष्टि की आवश्यकता होती है।
- ❖ दोहरी जाँच प्रणाली शक्ति संतुलन सुनिश्चित करती है और एकतरफा निर्णयों को रोकती है।

**CEC और EC के वेतन मानदंड**

- ❖ CEC और EC के वेतन निर्धारण में कार्यपालिका के नियंत्रण से मुक्त रहना आवश्यक है।

**पात्रता मानदंड को विस्तृत करना**

- ❖ CEC या EC हेतु न्यायाधीश या प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के लिए भी अवसर होने चाहिए।
- ❖ दक्षिण अफ्रीका में, चयन प्रक्रिया में संवैधानिक न्यायालय के अध्यक्ष, मानवाधिकार न्यायालय के प्रतिनिधि और लैंगिक समानता के समर्थक जैसे प्रमुख व्यक्ति शामिल होते हैं।
- ❖ सुप्रीम कोर्ट और गोस्वामी समिति (1990) सहित कई समितियों ने ईसीआई की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए सुझाव दिए हैं। ये संबंधित हैं: (i) सीईसी और ईसी को हटाने की प्रक्रिया, और (ii) ईसीआई की प्रशासनिक स्वतंत्रता। विधेयक में इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया गया है।

**निष्कर्ष**

- ❖ चुनाव आयोग में आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में कार्यपालिका का दखल लोकतंत्र के सशक्तीकरण का सूचक नहीं है। अतएव भारत के चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार एवं स्वायत्तता देना अत्यावश्यक है।

- यह आयोग की प्रशासनिक स्वतंत्रता, आयुक्तों की नियुक्ति हेतु पारदर्शी एवं निष्पक्ष व्यवस्था का प्रावधान, पात्रता मानदंड को विस्तृत करना तथा सर्वोच्च न्यायालय की तर्ज पर ECI के लिए एकस्वतंत्र सचिवालय का प्रावधान कर सुनिश्चित किया जा सकता ह

# 14 'टर्म-इन-न्यूज'

**ब्लेक विंग्ड स्टिल्ट बर्ड**

- ब्लेक-विंग्ड स्टिल्ट एवोसेट और स्टिल्ट परिवार में एक लंबी टांगों वाला बगुला है।
- इसका वैज्ञानिक नाम हिमान्तोपस हिमन्तोपस है।
- यह एक बड़ा काला और सफेद पक्षी है जिसके लंबे नारंगी-लाल पैर और सीधी काली चोंच है।
- इसकी गर्दन के पीछे काला भाग, एक सफेद कॉलर और एक लाल परितारिका है।
- इनके दोनों लिंग सम्मान से दिखते हैं और पूर्ण वर्ष के दौरान अपने पंख नहीं बदलते है।

**ई-स्पोर्ट्स :-**

- ई-स्पोर्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स का संक्षिप्त रूप है जो वीडियो गेम का उपयोग करके प्रतिस्पर्धा के एक रूप को संदर्भित करता है। ई-स्पोर्ट्स की दुनिया में पेशेवर खिलाड़ी या टीमें संगठित, मल्टीप्लयेर वीडियो गेम टूर्नामेंट में भाग लेते है।

**महत्वपूर्ण खनिज (Critical Minerals)**

- वे खनिज जो आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, इन खनिजों की उपलब्धता की कमी या कुछ भौगोलिक स्थानों में निष्कर्षण या प्रसंस्करण की एकाग्रता से आपूर्ति श्रृंखला कमज़ोर हो सकती है और यहां तक कि आपूर्ति में व्यवधान भी हो सकता है।

**मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर)**

- यह एक गैर-बाध्यकारी अपेक्षाकृत कॉम्पैक्ट दस्तावेज़ है जिसमें एक प्रस्तावना और मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता को निर्धारित करने वाले 30 अनुच्छेद शामिल हैं। इसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मानव जाति के कृत्यों के जवाब में, 10 दिसंबर 1948 को संकल्प 217 के अनुसार UNGA द्वारा अपनाया गया था।

**प्रेस मड**

- फिल्टर केक या प्रेस केक के रूप में जाना जाने वाला, यह कृषि अपशिष्ट है जो तब प्राप्त होता है जब गन्ने के रस को चीनी निष्कर्षण के लिए भेजे जाने से पहले बार-बार फ़िल्टर किया जाता है। एक टन कुचले हुए गन्ने से लगभग 3 से 4% प्रेस मड़ निकलती है।

**सैंटजॉर्डिया पगेसी**

- जेलीफ़िश की एक नई प्रजाति, जो केवल जापान के टोक्यो से लगभग 600 मील दक्षिण-पूर्व में ओगासावारा द्वीप समूह के पास सुमिसु काल्डेरा में पाई जाती है। "सैंटजॉर्डिया" नाम सेंट जॉर्ज को संदर्भित करता है जो इसके क्रॉस-आकार के पेट को दर्शाता है।

**स्टे ऑर्डर**

- इसे भारत में किसी नागरिक के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए अदालत या कानूनी अधिकारियों के माध्यम से किसी भी न्यायिक कार्यवाही को स्थगित करने के कार्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इससे किसी मामले को निलंबित किया जा सकता है या किसी चल रहे मामले में कोई विशिष्ट कार्यवाही की जा सकती है। स्थगन आदेश प्रभावी होने तक न्यायालय की कार्यवाही रुकी रहती है।

**उप-नेपच्यून ग्रह (Sub-Neptunian Planets)**

- हमारी आकाशगंगा में सबसे अधिक देखे जाने वाले प्रकार के ग्रह माने जाने वाले, वे हाइड्रोजन और हीलियम के घने वातावरण वाले चट्टानी ग्रह हो सकते हैं, या गर्म पानी से भरपूर वातावरण के साथ चट्टान और बर्फ से बने हो सकते हैं। पृथ्वी और नेपच्यून के बीच की त्रिज्या वाले ग्रहों को 'उप-नेपच्यून' कहा जाता है।

**कोलेलिथियसिस**

- यह पित्ताशय में पथरी होने की स्थिति है और एक सामान्य हेपेटोबिलरी स्थिति है जो ज्यादातर पश्चिमी आबादी को प्रभावित करती है। यह कोलेंजियोकार्सिनोमा का प्राथमिक कारक माना जाता है, जो एक प्रकार का पित्त नली का कैंसर है।

**डोपामाइन**

- यह एक रासायनिक न्यूरोट्रांसमीटर है जो मस्तिष्क और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संकेतों के संचरण में मदद करता है और मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों में भी मौजूद होता है। यह तब निकलता है जब आपका मस्तिष्क किसी प्रतिफल की उम्मीद कर रहा होता है। जब आप किसी निश्चित गतिविधि को आनंद के साथ जोड़ते हैं, तो मात्र इसके बारे में सोचना ही डोपामाइन के स्तर को बढ़ाने के लिए पर्याप्त हो सकती है।

**Vo5G**

- वॉइस ओवर न्यू रेडियो (VoNR) के रूप में भी जाना जाता है, यह 4G का उपयोग करने वाले मौजूदा मानक के बजाय 5G नेटवर्क पर वॉयस

कॉल की अनुमति देता है। इसमें 5G की सभी विशेषताएं हैं - गति, क्षमता, प्रतिक्रिया - और यह सभी विशेषताएं वॉयस कॉल पर भी परिलक्षित करता है।

**एन्थ्रोबोट्स**

- मानव श्वासनली कोशिकाओं से निर्मित बायो-रोबोट जिनमें स्वयं-संयोजन क्षमताएं होती हैं और जो प्रयोगशाला में न्यूरॉन्स को स्थानांतरित करने और ठीक करने में सक्षम होते हैं। वे एक साथ मिलकर एक बड़ी संरचना बना सकते हैं जिसे एन्थ्रोबोट्स कहा जाता है।

**मेथोट्रेक्सेट**

- व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली कैंसर रोधी दवा, लेकिन रक्त प्लाज्मा में इसका मान 10 μM से अधिक होना खतरनाक है यदि यह सिस्टम में 10 घंटे से अधिक समय तक रहता है। इसके परिणामस्वरूप फेफड़ों पर जहरीला प्रभाव, पेट के अल्सर और हृदय स्ट्रोक हो सकता है। यह अत्यधिक महंगा है।

**एबेलमोस्कस ओडिशा**

- यह ओडिशा के क्योंझर जिले के बंसपाल ब्लॉक में एक नम पर्णपाती जंगल में खोजी गई 'जंगली भिंडी' की एक नई पौधे की प्रजाति है। यह उच्च रोग प्रतिरोधक क्षमता वाली बेहतर किस्म तैयार कर सकता है।

**फजॉर्डफैंटम**

- यह एक नए प्रकार का मैलवेयर है जो मैसेजिंग सेवाओं के माध्यम से फैलता है और बैंकिंग ग्राहकों को धोखा देने के लिए ऐप-आधारित मैलवेयर को सोशल इंजीनियरिंग के साथ जोड़ता है। यह मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशिया, विशेष रूप से मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, सिंगापुर और वियतनाम में प्रचलित है।

**'कंपनियों का समूह' सिद्धांत (The Group of Companies Doctrine)**

- इस सिद्धांत के अनुसार, एक कंपनी जो मध्यस्थता समझौते पर गैर-हस्ताक्षरकर्ता है, वह समझौते से बंधी होगी यदि ऐसी कंपनी उसी समूह की कंपनियों की सदस्य है जिसने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ऐसा माना जाता है कि मध्यस्थता समझौते के पक्षकारों ने पारस्परिक रूप से ऐसे गैर-हस्ताक्षरकर्ता को इसके द्वारा बाध्य करने का इरादा किया है।

**गिरसु**

- गिरसू सुमेर सभ्यता का एक शहर था और इसकी खोज 19वीं शताब्दी के दौरान की गई थी। प्रथम बार खुदाई 1880 के दशक में फ्रांसीसी पुरातत्वविद् अर्नेस्ट डी सार्ज़ेक द्वारा की गई थी। इसने पहली बार दुनिया को सुमेरियन सभ्यता के अस्तित्व का खुलासा किया और मेसोपोटामिया की कला और वास्तुकला के स्मारकों पर प्रकाश डाला।

**पॉटरोमाइसेस एस्टेरोक्सिलिकोला**

- 407 मिलियन वर्ष पुराना कवक जीवाश्म जो कवक से बीमारियाँ पैदा करने का सबसे पुराना साक्ष्य है। यह प्राचीन पौधे एस्टरोक्सिलॉन मैकिएई को संक्रमित करता हुआ पाया गया, जो कि पौधे के जीवित रहने के दौरान हुई शिकारी-शिकार की परस्पर क्रिया को दर्शाता है।

**गोल्डीलॉक्स प्रभाव, या गोल्डीलॉक्स सिद्धांत**

- यह विचार है कि लोगों का रुझान किसी चीज़ की 'बिल्कुल सही' मात्रा की तलाश करने का होता है। यह इस विचारधारा पर आधारित है कि लोग ऐसी चीज़ पसंद करते हैं जो न तो बहुत चरम हो और न ही बहुत मध्यम हो, बल्कि उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं या प्राथमिकताओं के अनुरूप इष्टतम या वांछनीय सीमा के भीतर आती हो।

**पिन्ना नोबिलिस**

- पिन्ना नोबिलिस (जिसे फैन मसल्स के नाम से भी जाना जाता है) भूमध्य सागर का एक स्थानिक बिवाल्व है।
- वे 1.2 मीटर तक बढ़ सकते हैं और समुद्र के पानी को फ़िल्टर करके और अन्य जीवों को पनपने देकर एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका निभाते हैं।
- मानवीय गतिविधियों के कारण खतरे में पड़ी इस प्रजाति को 1992 से एक लुप्तप्राय और संरक्षित प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

**रेड स्प्राइट**

- रेड स्प्राइट एक असाधारण मौसम संबंधी घटना है जिसे क्षणिक चमकदार घटना (TLE) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह पृथ्वी की सतह से 40 से 80 किलोमीटर (25-50 मील) की ऊंचाई पर गरजने वाले बादलों के ऊपर देखा जाता है।

**ओटोलिथ रिंग्स**

- ओटोलिथ मछली के कान में एक पथरीली गांठ होती है और पेड़ के छल्लों की तरह दिखती है जिससे मछली की उम्र का पता चलता है। ओटोलिथ में ऑक्सीजन के आइसोटोप उस तापमान का संकेत देते हैं जो मछली ने जीवित रहने के दौरान अनुभव किया था। उन्हें "ईयरस्टोन" भी कहा जाता है, जो हड्डीदार मछली के मस्तिष्क के पीछे स्थित कठोर, कैल्शियम कार्बोनेट संरचनाएं हैं।

**कैसिओपिया ए (Cassiopeia A)**

- कैसिओपिया ए एक विशाल तारे का सबसे कम उम्र का अवशेष है जो लगभग 340 साल पहले फट गया था। यह सुपरनोवा अवशेष के प्रोटोटाइप प्रकार से संबंधित है जो लगभग 10 प्रकाश-वर्ष तक फैला है और 11,000 प्रकाश-वर्ष दूर कैसिओपिया तारामंडल में स्थित है। यह सुपरनोवा और इसकी जटिलताओं के बारे में जानकारी देता है।

**व्योम मित्र**

- दो संस्कृत शब्दों व्योम (अंतरिक्ष) और मित्र का संयोजन, यह एक महिला रोबोट है जिसे गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन से पहले मानव रहित परीक्षण मिशन पर उड़ान भरने के लिए इसरो द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह एक अर्ध-मानवीय रोबोट है क्योंकि इसके पैर नहीं हैं।

**मोसासौरस**

- वे बड़े शिकारी समुद्री सरीसृपों का एक समूह थे, जो 90 से 66 मिलियन वर्ष पहले, लेट क्रेटेशियस युग के दौरान दुनिया के सभी महासागरों में पाए जाते थे। वे उस समय के कुछ सबसे बड़े समुद्री जीव और सबसे बड़े शिकारी सरीसृप थे। वे पानी की सतह के पास रहते थे क्योंकि यह व्हेल की तरह हवा में सांस लेता था।

**केटामाइन/केटलार**

- यह एक ऐसी दवा है जिसका उपयोग डॉक्टर लोगों को सर्जरी के दौरान दर्द महसूस न कराने के लिए करते हैं, जो कि फेनसाइक्लिडीन (पीसीपी) से प्राप्त होती है, जो एक हेलुसीनोजेनिक दवा है जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में एनएमडीए रिसेप्टर को अवरुद्ध करती है, और ग्लूटामेट नामक न्यूरोट्रांसमीटर की रिहाई को बढ़ाती है। इसका उपयोग अवसाद, चिंता, पीटीएसडी, जीवन के अंत में होने वाली परेशानी, दीर्घकालिक दर्द, दवा/शराब की समस्या आदि के इलाज के लिए किया जाता है।

**बोधिचित्त**

- इसका शाब्दिक अर्थ है "जागृति मन" या "आत्मज्ञान का विचार", यह जागृति के मार्ग पर चलने और एक बोधिसत्व बनने की प्रतिबद्धता है, जो सभी प्राणियों की मुक्ति के लिए समर्पित है। यह सभी प्राणियों को पीड़ा से मुक्त करने की इच्छा है, यहां तक कि उन लोगों को भी जो हमारा नुकसान चाहते हैं या हमें दुश्मन मानते हैं। महायान परंपरा की नींव के रूप में, यह इसकी कई शिक्षाओं में बुना गया है।

**वाटसनएक्स.एआई (Watsonx.ai)**

- यह आईबीएम और नासा द्वारा संयुक्त रूप से अंतरिक्ष से पृथ्वी की निगरानी करने, चल रहे पर्यावरणीय परिवर्तनों को मापने के लिए बनाया गया एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण है। उपयोगकर्ता को एक स्थान और एक तारीख का चयन करने की आवश्यकता होगी, और मॉडल बाढ़ के पानी, पुनर्वनीकरण प्रयासों और अन्य प्रासंगिक कारकों में परिवर्तन को उजागर करेगा।

**एक्स रे बर्स्ट**

- एक्स रे बर्स्ट कम द्रव्यमान वाले एक्स-रे बाइनरी सिस्टम में देखे जाते हैं जहां एक न्यूट्रॉन तारा और कम द्रव्यमान वाला मुख्य अनुक्रम तारा एक दूसरे की कक्षा में होते हैं। जब विस्फोट समाप्त हो जाता है, तो बाइनरी सिस्टम अस्थायी रूप से अपनी साम्यावस्था में लौट आती है, और न्यूट्रॉन तारा हीलियम परत को फिर से जमा करना शुरू कर देता है।

**फायर आइस**

- फायर आइस; जिसे मीथन हाइड्रेट के रूप में भी माना जाता है और यह समुद्र तल में मीथेन गैस के जमे हुए रूप में दबा हुआ पाया जाता है।
- मीथेन की विशाल मात्रा महासागरों के नीचे समुद्री मीथेन के रूप में जमा होती है।
- जब महासागर गर्म होते है तो फायर आइस पिघलती है, जिससे महासागरां और वायुमण्डल में मीथेन निकलता है, जिसे पृथक मीथेन के रूप में जाना जाता है, जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देता है।
- शोध में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण फायर आइस पिघलने की कगार पर आ चुकी है जिससे इसका रिसाव समुद्री तल में होने का खतरा बढ़ चुका है।

**ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर:-**

- हाल ही में ऑक्सफोर्ड द्वारा जेन जेड में चर्चित व लोकप्रिय शब्द 'रिज' को वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया।
- **रिज का अर्थ**- स्टाईल, आकर्षक, रोमांटिक व साथी को आकर्षित करने की क्षमता।
- रिज शब्द का प्रथम बार उपयोग हांलीवुड एक्टर 'टॉम हॉलैण्ड' द्वारा किया गया था।
- यह शब्द 'करिज्मा' शब्द का संक्षिप्त रूप माना जाता है।

# 15. मॉडल प्रश्न पत्र

1. **विश्व का सबसे बड़ा परमाणु फ्यूजन रिएक्टर कहाँ स्थापित किया गया है?**
   (A) ऑस्ट्रेलिया (B) संयुक्त राज्य अमेरिका
   (C) फ्रांस (D) जापान
2. **हाल ही में चीन की महत्वकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (BRI) से किस यूरोपीय देश ने आधिकारिक रूप से बाहर होने की घोषणा की है?**
   (A) स्विट्जरलैंड (B) फ्रांस
   (C) इटली (D) जर्मनी
3. **भारत का पहला बुलेट ट्रेन स्टेशन कौनसा बना है?**
   (A) मुंबई (महाराष्ट्र) (B) अहमदाबाद गुजरात
   (C) मेहसाणा (गुजरात) (D) नासिक (महाराष्ट्र)
4. **संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) द्वारा वर्ष 2023 के लिए भारत के किस गाँव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव घोषित किया गया है?**
   (A) याना गाँव (कर्नाटक)
   (B) लेमायौरो गाँव (लद्दाख)
   (C) बंदरपूँछ गाँव (उत्तराखंड)
   (D) धोर्डो गाँव (गुजरात)
5. **अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के कितने स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा?**
   (A) 1275 (B) 784
   (C) 1552 (D) 2520
6. **ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI) का सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया?**
   (A) गुरुग्राम (B) नई दिल्ली
   (C) मुंबई (D) अहमदाबाद
7. **मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें एवं कार्यकाल की अवधि) अधिनियम 2023 के तहत मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति हेतु गठित चयन समिति में निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है?**
   (A) प्रधानमंत्री
   (B) भारत का मुख्य न्यायाधीश
   (C) प्रधानमंत्री द्वारा नामित कैबिनेट मंत्री
   (D) लोकसभा में विपक्ष का नेता
8. **नाबार्ड (NABARD) द्वारा अखिल भारतीय हस्तशिल्प मेले का आयोजन राजस्थान में कहाँ किया गया?**
   (A) बीकानेर (B) कोटा
   (C) उदयपुर (D) जयपुर
9. **हाल ही नवनियुक्त मुख्यमंत्रियों और राज्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प असुमेलित है?**
   (A) मिजोरम – श्री पवन कुमार चामलिंग
   (B) मध्य प्रदेश – श्री मोहन यादव
   (C) तेलंगाना – श्री रेवंत रेड्डी
   (D) छत्तीसगढ़ – श्री विष्णुदेव सांय
10. **राजस्थान में 16वीं विधानसभा में कितनी महिलाएँ निर्वाचित हुई है?**
    (A) 27 (B) 18
    (C) 20 (D) 25
11. **भारतीय नौसेना का पहला सर्वेक्षण पोत कौनसा है?**
    (A) विक्रांत (B) संध्याक
    (C) करंज (D) ऐरावत
12. **गूगल द्वारा विकसित एडवांस्ड कृत्रिम बुद्धिमत्ता (A.I.) मॉडल का क्या नाम है?**
    (A) टेबनाइन (B) वर्टेक्स
    (C) म्यूटेबल (D) जैमिनी
13. **हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर INS इंफाल किस प्रोजेक्ट से संबंधित है?**
    (A) प्रोजेक्ट 15A (B) प्रोजेक्ट 15B
    (C) प्रोजेक्ट 17A (D) प्रोजेक्ट 17B
14. **विश्व का पहला व्यापक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (A.I.) नियमों के संदर्भ में समझौता करने वाला संगठन कौनसा है?**
    (A) नाटो (B) यूरोपीय यूनियन
    (C) ब्रिक्स (D) अफ्रीका यूनियन
15. **फोर्ब्स द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार भारत की सर्वाधिक शक्तिशाली महिला कौन है?**
    (A) किरण मजूमदार शॉ
    (B) रोशनी नाडर मल्होत्रा
    (C) निर्मला सीतारमण
    (D) सोमा मंडल

16. जर्मन वॉच, न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल द्वारा जारी जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) 2024 की रैंकिंग में भारत कौनसे स्थान पर है?
(A) 7वें (B) 15वें
(C) 12वें (D) 5वें

17. मर्सर द्वारा जारी जीवन गुणवत्ता सूचकांक 2023 में भारतीय शहरों में पहले स्थान पर कौन है?
(A) दिल्ली (B) पुणे
(C) बेंगलुरु (D) हैदराबाद

18. एशिया का सबसे बड़ा कारोबारी कारोबारी मेला कहाँ आयोजित किया गया?
(A) कोयंबटूर (केरल) (B) नागपुर (महाराष्ट्र)
(C) कटक (ओडिशा) (D) मेहसाणा (गुजरात)

19. हाल ही में किस नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है?
(A) घूमर (B) गरबा
(C) रऊफ (D) कुचीपुड़ी

20. भारत के 'मोइदाम' को यूनेस्को के विश्व धरोहर सूची में शामिल करने हेतु नामांकित किया गया है, यह किस राज्य से संबंधित है?
(A) असम (B) तेलंगाना
(C) मणिपुर (D) महाराष्ट्र

21. राजस्थान का सबसे ऊँचा जैन मंदिर कहाँ स्थापित किया जा रहा है?
(A) मंडोर (जोधपुर)
(B) नाकोड़ा (बाड़मेर)
(C) नारेली (अजमेर)
(D) देलवाड़ा (माउंट आबू)

22. राजस्थान का सबसे लंबा बैक वॉटर डैड स्टोरेज कहाँ स्थापित किया गया है?
(A) उदयपुर (B) बाँसवाड़ा
(C) कोटा (D) चित्तौड़गढ़

23. खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 में राजस्थान का पदक तालिका में कौनसा स्थान रहा?
(A) पाँचवाँ (B) सातवाँ
(C) चौथा (D) छठा

24. हाल ही में विश्व के सबसे बड़े कार्यालय भवन का उद्घाटन भारत में कहाँ किया गया?
(A) गुरुग्राम (B) सूरत
(C) नई दिल्ली (D) मुंबई

25. मंगल ग्रह पर रोवर का संचालन करने वाली भारतीय मूल की पहली महिला कौन बनी है?
(A) डॉ. अक्षिता कृष्णमूर्ति (B) अथिरा प्रीता रानी
(C) ऊषा गुडुरी (D) योगिता शाह

26. संयुक्त राष्ट्र के जिनेवा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
(A) अमिताभ कांत (B) विनय मोहन क्वात्रा
(C) रुचिरा कंबोज (D) अरिंदम बागची

27. सियाचिन में तैनात होने वाली भारत की पहली महिला मेडिकल ऑफिसर कौन है?
(A) शिवांगी जोशी (B) अवनी चतुर्वेदी
(C) गीतिका कौल (D) शिवा चौहान

28. 33वें व्यास सम्मान से किसे सम्मानित किया गया है?
(A) पुष्पा भारती (B) ज्ञान चतुर्वेदी
(C) शिवा शंकरी (D) दामोदर मोउजो

29. हाल ही में चर्चा में रहे डोनाल्ड टस्क किस देश के नए प्रधानमंत्री बने हैं?
(A) नार्वे (B) पोलैंड
(C) स्वीडन (D) स्विट्जरलैंड

30. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की पहली महिला महानिदेशक (DG) कौन बनी है?
(A) रश्मि शुक्ला (B) माधबी पुरी बुच
(C) सोनिया नारंग (D) नीना सिंह

31. हाल ही में अंडर-17 फीफा विश्व कप का खिताब किसने जीता है?
(A) फ्रांस (B) जर्मनी
(C) ब्राजील (D) अर्जेंटीना

32. हाल ही में भारत के घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी का विजेता कौनसी टीम बनी है?
(A) मुंबई (B) सौराष्ट्र
(C) हरियाणा (D) राजस्थान

33. कनाडा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एण्ड फायर गेम्स में 10 किलोमीटर मैराथन में राजस्थान के किस खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया है?
(A) चतरू (B) मंजू बाला
(C) भावना जाट (D) गोपाल सैनी

34. खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 में किस टीम ने सर्वाधिक पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया?
(A) तेलंगाना (B) हरियाणा
(C) उत्तर प्रदेश (D) महाराष्ट्र

**35. हाल ही में 'हिंदी' भाषा के साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023 से किसे सम्मानित किया गया है?**
(A) विनोद जोशी (B) संजीव
(C) अरूण रंजन मिश्रा (D) नीलम सरन गौड़

**36. 'राजस्थानी' भाषा के साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023 से किसे सम्मानित किया गया?**
(A) कमल रंगा (B) जितेंद्र कुमार सोनी
(C) देवीलाल महिया (D) गजेसिंह राजपुरोहित

**37. मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 से किसे सम्मानित किया गया है?**
(A) अंचत शरत कमल
(B) सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी
(C) रोहन बोपन्ना और सुमित नागल
(D) शीतल देवी और दिव्यकीर्ति सिंह

**38. भारत की पहली महिला घुड़सवार कौन है जिन्हें हाल ही में अर्जुन पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है?**
(A) दिव्यकीर्ति सिंह (B) निदा अंजुम
(C) अदिति अशोक (D) रूपा सिंह

**39. द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित) 2023 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है?**
(A) ललित कुमार - कुश्ती
(B) आर.बी. रमेश - शतरंज
(C) जसकीरत सिंह ग्रेवाल - गोल्फ
(D) महावीर प्रसाद सैनी - पैरा एथलेटिक्स

**40. हाल ही में भारत के पहले दिव्यांग खेल पुरस्कार में पुरुष व महिला वर्ग में क्रमशः किन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया?**
(A) मरियप्पन थंगवलु और भाविना पटेल
(B) सुमित अंतिल और शीतल देवी
(C) सुंदर सिंह गुर्जर और अवनी लेखरा
(D) कृष्णा नागर और अवनी लेखरा

**41. संयुक्त राष्ट्र द्वारा किस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय कैमलिड्स वर्ष घोषित किया गया है?**
(A) वर्ष 2028 (B) वर्ष 2026
(C) वर्ष 2024 (D) वर्ष 2025

**42. हाल ही में चर्चा में रही 'ब्रेकिंग द मॉल्ड' पुस्तक किसके द्वारा रचित है?**
(A) एस. जयशंकर (B) जनरल एम.एम. नरवणे
(C) ओम बिड़ला (D) रघुराम राजन

**43. हाल ही में अर्जुन पुरस्कार 2023 से सम्मानित शीतल देवी किस खेल से संबंधित है?**
(A) शतरंज (B) तीरंदाजी
(C) निशानेबाजी (D) जैवलिन थ्रो

**44. केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली मौलाना अबुल कलाम आजाद (MAKA) ट्रॉफी किस विश्वविद्यालय ने जीती है?**
(A) गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (पंजाब)
(B) लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (पंजाब)
(C) बनस्थली विद्यापीठ (राजस्थान)
(D) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (हरियाणा)

**45. फीफा क्लब विश्व कप का खिताब किसने जीता?**
(A) फ्लुमिनेंस (B) उरावा रेड डायमंड्स
(C) अल अहली (D) मैनचेस्टर सिटी

**46. अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 का आयोजन कहाँ किया गया?**
(A) जयपुर (राजस्थान) (B) पानीपत (हरियाणा)
(C) कुरुक्षेत्र (हरियाणा) (D) अलवर (राजस्थान)

**47. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भ्रष्टाचार के मामलों के संदर्भ में देश में पहले स्थान पर कौनसा राज्य है?**
(A) राजस्थान (B) कर्नाटक
(C) बिहार (D) महाराष्ट्र

**48. भारत का पहला राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण कौनसा है, जिसमें सभी पदाधिकारी महिलाएँ नियुक्त की गई है?**
(A) कर्नाटक (B) बिहार
(C) उत्तर प्रदेश (D) राजस्थान

**49. भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (ICFRE) की पहली महिला महानिदेशक किसे नियुक्त किया गया है?**
(A) कंचना देवी (B) वी.एस. रमा देवी
(C) दीपक संधू (D) रश्मि शुक्ला

**50. दुनिया का सबसे बड़ा ध्यान केंद्र 'स्ववेंद' कहाँ निर्मित किया गया है?**
(A) लखनऊ (B) भोपाल
(C) इंदौर (D) वाराणसी

| December 2023 Current Affairs Answer Key | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **1** | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| **D** | C | B | D | A | B | B | D | A | C |
| **11** | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| **B** | D | B | B | C | A | D | C | B | A |
| **21** | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| **C** | B | D | B | A | D | C | A | B | D |
| **31** | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 |
| **B** | C | A | B | B | D | B | A | C | B |
| **41** | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 |
| **C** | D | B | A | D | C | D | B | A | D |

RAS-2021 RESULT

Samyak
An Institute For Civil Services

1st RANK

VIKRANT SHARMA

## सम्यक् मार्गदर्शन=सर्वश्रेष्ठ परिणाम

सम्यक् ने पुन: रचा इतिहास, सम्यक् सितारों ने फहराया परचम

## राजस्थान में पहली बार TOP 10 में 9 TOPPERS

## 650+ SELECTION

RANK 2 PRIYA BAJAJ

RANK 4 VISHWAJEET

RANK 5 BHARTI GUPTA

RANK 6 AKANKSHA DUBEY

RANK 7 KANCHAN CHOUDHARY

RANK 8 SHUBHAM SHARMA

RANK 9 NIDHI UDSARIA

RANK 10 SATYA NARAYAN

## सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान

# RAS | IAS | PSI

Online | Offline | Live From Classroom | Separate Batches For Hindi & English Medium

After Class 12th

# IAS & RAS

**3 YEARS INTEGRATED COURSE ALONG WITH GRADUATION**

**FEATURES**

- Classes By Subject Experts
- Study Materials: Printed Booklets
- Regular Test Papers Pre & Mains
- Library Facility
- Online Course Free with Offline Course

## राजस्थान में पहली बार IAS/RAS की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवासीय कोचिंग

Samyak Gurukul
A Residential Coaching For Civil Services

KNOW MORE ABOUT GURUKUL SCAN QR CODE

GIT Campus, Sitapura Industrial Area, Jaipur

**Contact : 7733800800**

**ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP**

- Live & Recorded Classes
- Personal Mentorship
- Test Series & Solution
- Toppers' Strategic Sessions

Download & Join
GET IT ON Google Play

Samyak
An Institute For Civil Services

NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR

9875170111